जयपुर

माहेश्वरी पत्रिका

वर्ष 15 ❖ अंक 9 ❖ फरवरी 2025 ❖ मूल्य 10 रु.

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर की प्रस्तुति

64 वर्षों से आपके विश्वास पर खरी...
माहेश्वरी चाय
स्थापित-1961
माहेश्वरी चाय
आपके कप की चाय
सभी रंगों का रास है होली, मन का उल्लास है होली
जीवन में खुशियां भर देती है, बस इसीलिए खास है होली
होली की
हार्दिक शुभकामनाएं
CTC DUST
आसाम के बागानों की चुनिंदा चाय
माहेश्वरी टी कम्पनी प्रा. लि., जयपुर (राज.) फोन : 0141 - 2740919, 2312723
contact@maheshwaritea.com www.maheshwaritea.com
www.instagram.com/maheshwari_chai www.facebook.com/maheshwaritea

वर्ष 15 | अंक 09 | फरवरी, 2025
RNI NO. RAJBIL/2010/36984

2621644
2623500
2621100

जयपुर
माहेश्वरी पत्रिका
JAIPUR MAHESHWARI PATRIKA

प्रशासनिक कार्यालय : तृतीय तल, एम.पी.एस. इंटरनेशनल स्कूल, तिलक नगर, जयपुर-04
पंजीकृत कार्यालय : श्री माहेश्वरी भवन, सिंघी जी का रास्ता, चौड़ा रास्ता, जयपुर-03
Email : shrimaheshwarisamaj.jaipur@gmail.com
jmpatrika@gmail.com
Website : www.maheshwarisamajjaipur.com

परामर्श मंडल
बृजमोहन बाहेती
विमलकिशोर सारड़ा
अखिल माहेश्वरी (शकुन ग्रुप)
सत्यनारायण सारड़ा
प्रभा सिंघी
सूर्यप्रकाश लाहोटी
श्यामसुन्दर झंवर (लालगढ़)
राजेन्द्र गट्टाणी
सुरेन्द्र बजाज

मीडिया संयोजक
किशन राठी

सह-संपादक
संदीप कचोलिया
जयन्त बाहेती
महेश मालपानी
पंकज चिंतलांग्या (बीलवा)
श्रीलाल राठी
विष्णु बियानी
कमल पेड़ीवाल
पवन फलोड़
विमल लढ्ढा

संपादकीय टीम
कमल किशोर मूंदड़ा
रोहित केला
सुभाष तोतला
संजय भूतड़ा
विनय तोतला
लीलाधर बजाज
गगन साबू
सुनीता जैथलिया
सीमा झंवर
सुनीता पेड़ीवाल
सरिता मोहता
सुमन सामरिया
मेघा बियानी

विज्ञापन सहसंयोजक
पंकज कालानी

विज्ञापन संकलन टीम
श्यामसुन्दर मूंदड़ा
सुमित काबरा (काबरा ऑप्टिकल)
नवनीत आगीवाल
शिव मूंदड़ा
संदीप सारड़ा
बृजकिशोर सामरिया
महावीर बियानी

मनोज मूंदड़ा - महामंत्री द्वारा
श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के लिए प्रकाशक व मुद्रक

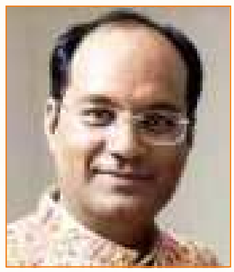

अरूण बाहेती
प्रचार मंत्री
93141-38851

आशीष सोमानी
प्रधान संपादक
99502-17000

संजय बियाणी (नावां)
संपादक
98290-68590

संपादकीय

बदल जाओ वक्त के साथ या फिर वक्त बदलना सीखो, मजबूरियों को मत कोसो, हर हाल में चलना सीखो।

सर्वप्रथम ECMS की सम्पूर्ण टीम को बधाई जिन्होंने 'कहानी' महोत्सव को सच में एक बड़े महोत्सव के रूप में परिवर्तित कर दिया, जहाँ असंख्य बच्चों के साथ उनके माता-पिता में भी जानने की ललक व जिज्ञासा देखने को मिली। राजस्थान के राज्यपाल ने भी मुक्त कंठ से इस कार्यक्रम की सराहना की। यह कार्यक्रम प्रथम बार में ही सफलता की कई कहानियाँ छोड़ गया। लोगों में अगली बार के इस महोत्सव का इन्तजार रहेगा। यह लोगों की आँखों में दिख रहा है।

आगामी समय में हम महाशिवरात्रि पर्व मनाने जा रहे हैं। भगवान शिव जी के इस विशेष दिन की महत्ता व छोटी काशी में इस पर्व के उल्लास को एक लेख के माध्यम से समझाने का प्रयास किया गया है।

उन महिला शक्ति को नमन है जो घर-परिवार की जिम्मेदारियों के बावजूद आज जिस भी क्षेत्र में हैं। वहाँ अपना परचम लहरा रही हैं। चाहे वह प्रशासनिक महकमा हो या ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र। आगामी महिला दिवस के बारे में भी पत्रिका के भीतर के पृष्ठों पर एक सारगर्भित लेख दिया गया है।

भारतवर्ष के सबसे रंगीन त्योहार 'होली' का हम सबको इंतजार रहता है। आगामी माह हम इस रंग भरे त्योहार को मनाने की तैयारी में हैं। राजस्थान में शेखावाटी व बीकानेर क्षेत्र के लोगों ने आज भी पारंपरिक चंग-ढप की थाप को जिन्दा रख रखा है। अपने इस पर्व का आनन्द इन टोलियों के साथ और बढ़ जाता है। हम सब अपने मनों से द्वेष व बैर को भुलाकर सदैव आगे बढ़ते रहें व दूसरों का जीवन रंगीन करें, यही इस त्योहार की सीख है।

इसी के साथ कलम को विराम देता हूँ।

सादर जय महेश।

संपादक

Shubhāshish
Prakash
Where success lives
7413 99 22 99
www.shubhashishhome.com
3 & 4 Bed Residences
7 Tier Security*
129 Exclusive Units
Medical Hub, Mansarovar Extension
SHUBHASHISH PRAKASH Phase-I.RERA Reg.No.RAJ/P/2023/2544 |
SHUBHASHISH PRAKASH Phase-II.RERA Reg.No.RAJ/P/2024/3218 |
www.rera.rajasthan.gov.in |*T&C apply
A Part of
JK JAJOO VENTURES™
We value relationships. forever
EST. 1983
SHAKUN

केदार मल भाला
अध्यक्ष

> होली में किसी को रंग लगाने से कहीं ज्यादा बेहतर, किसी दुखी व्यक्ति के जीवन में खुशियों के रंग भरना होता है...

सादर जय महेश

आप सबको जानकर अत्यन्त प्रसन्नता होगी कि ईसीएमएस द्वारा गणपतपुरा, मानसरोवर में खरीदी गई 20243 वर्गगज जमीन मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल जो कि लगभग 300 बेड का होगा। साथ ही मेडिकल विश्वविद्यालय, रिसर्च एवं डायग्नोस्टिक सेन्टर जिसमें अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं के सहयोग से एक विश्वस्तरीय चिकित्सा संस्था के रूप में विकसित किया जायेगा। निश्चित रूप से जयपुर माहेश्वरी समाज का यह कदम चिकित्सा के क्षेत्र में अपना परचम फहरायेगा, ऐसा मुझे पूर्ण विश्वास है।

दिनांक 4 फरवरी को जयपुर समाज का 100वाँ वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह उत्सव भवन, विद्याधर नगर में धूम-धाम से मनाया गया। युवा व मातृशक्ति की उपलब्धियों को देखकर मन भाव विभोर हो गया। भगवान महेश से मेरी सदैव यह कामना रहेगी कि समाज का युवा व मातृशक्ति देश व दुनिया में अपना नाम व वर्चस्व कायम रखे व वह दिन-दोगुनी रात चौगुणी ख्याती प्राप्त करे।

आने वाली 26 फरवरी को हम सब महाशिवरात्रि का पर्व मनाने जा रहे हैं। हम सब भगवान शिव की सन्तान हैं व जयपुर जिसे छोटी काशी भी कहा जाता है। इस दिन को बड़ी ही धूम-धाम से मनाया जाता है। भगवान शिव का आशीर्वाद सदैव हम सबको मिलता रहे व हम सब अपने सोचे हुये समस्त कार्य कर सकें ऐसा भगवान महेश का आशीर्वाद हम पर बना रहे।

आने वाले समय में हम महिला दिवस मनाने जा रहे हैं। वैसे तो अब महिलाएं पुरुषों से कही भी किसी भी क्षेत्र में कम नहीं है। आज भारत देश की प्रथम नागरिक राष्ट्रपति भी महिला ही हैं। यह सब हमें इस बात का अहसास कराती है कि अब महिलाएं हर क्षेत्र के चाहे वह शिक्षा हो, विज्ञान हो या व्यापार हो, पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हैं।

हम सब रंगों का त्यौहार होली आगामी माह में मनायेंगे। हम सबका जीवन रंगों से भरा रहे व जीवन में सदैव खुशी व सुख का माहौल रहे, यह मेरी भगवान महेश से मनोकामना है। आप सबको होली के त्यौहार की अनेकानेक बधाई के साथ मैं अपनी कलम को विराम देना चाहूँगा।

जय श्री कृष्णा।

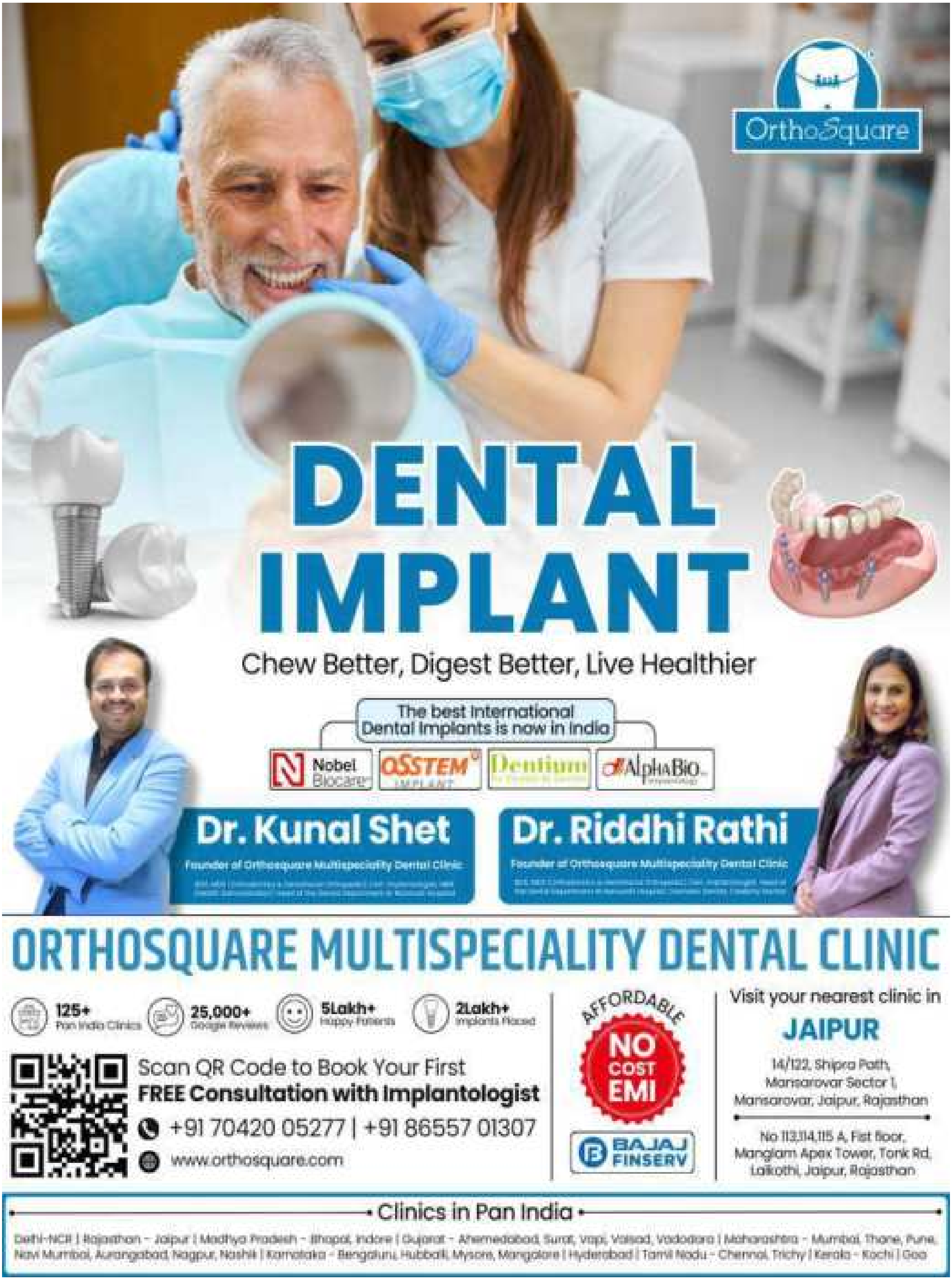
OrthoSquare
DENTAL IMPLANT
Chew Better, Digest Better, Live Healthier
The best International Dental Implants is now in India
Nobel Biocare
OSSTEM IMPLANT
Dentium
AlphaBio
Dr. Kunal Shet
Founder of Orthosquare Multispeciality Dental Clinic
Dr. Riddhi Rathi
Founder of Orthosquare Multispeciality Dental Clinic
ORTHOSQUARE MULTISPECIALITY DENTAL CLINIC
125+ Pan India Clinics
25,000+ Google Reviews
5Lakh+ Happy Patients
2Lakh+ Implants Placed
Scan QR Code to Book Your First
FREE Consultation with Implantologist
+91 70420 05277 | +91 86557 01307
www.orthosquare.com
AFFORDABLE
NO COST EMI
BAJAJ FINSERV
Visit your nearest clinic in
JAIPUR
14/122, Shipra Path, Mansarovar Sector 1, Mansarovar, Jaipur, Rajasthan
No 113,114,115 A, Fist floor, Manglam Apex Tower, Tonk Rd, Lalkothi, Jaipur, Rajasthan
Clinics in Pan India
Delhi-NCR | Rajasthan - Jaipur | Madhya Pradesh - Bhopal, Indore | Gujarat - Ahemedabad, Surat, Vapi, Valsad, Vadodara | Maharashtra - Mumbai, Thane, Pune, Navi Mumbai, Aurangabad, Nagpur, Nashik | Karnataka - Bengaluru, Hubballi, Mysore, Mangalore | Hyderabad | Tamil Nadu - Chennai, Trichy | Kerala - Kochi | Goa

आप जलंधर असुर सँहारा।
सुयश तुम्हार विदित संसारा।।

भगवान शिव के यश का गुणगान कौन नहीं करता है अर्थात् सभी देव, गन्धर्व, गण, मनुष्य आदि सभी करते हैं। महाशिव रात्रि के पर्व के विषय में अनेक कथाएँ प्रचलित हैं जैसे माँ पार्वती के साथ शिव का विवाह, भगवान शिव द्वारा ताण्डव करते हुए ब्रह्माण्ड को भस्म कर देना आदि। इन्हीं में ईशान संहिता के अनुसार महाशिव रात्रि के दिन ही महादेव शिव करोड़ों सूर्यो के तेज के समान प्रभाव वाले शिवलिंग के रूप में प्रकट हुए थे।

देवन जबहीं जाय पुकारा।
तब ही दुख प्रभु आप निवारा।।

हे देवों के देव महादेव जब-जब आपके भक्तों ने आपको पुकारा है आपने उनके दुखों का निवारण किया है। मेरी आपसे बस यही प्राथना है कि सभी के कष्टों का विनाश हो और दसों दिशाओं में सुख, समृद्धि, आनन्द और शान्ति का वातावरण बना रहे। ''**आप सभी को महाशिवरात्रि की असीम शुभकामनाएँ।**''

फागुन मास की पूर्णिमा के दिन मनाया जाने वाला होली एक ऐसा रंग-बिरंगा त्योहार है, जिसे हर धर्म के लोग पूरे उत्साह और मस्ती के साथ मनाते हैं। प्यार भरे रंगों से सजा यह पर्व हर धर्म, संप्रदाय और जाति के बंधन खोलकर भाई-चारे का संदेश देता है साथ ही बताता है कि यह सम्पूर्ण जगत हमारा परिवार है।

वसुधैव कुटुम्बकम् की इसी भावना को आत्मसात् कर हमारे पूर्वजों ने सामाजिक सरोकार के हित में ही श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर की स्थापना की थी। पीढ़ी दर पीढ़ी उस भावना को हृदयंगम कर हम नित नए सोपान रच रहे हैं। समाज के सर्वांगीण विकास में आप सभी का सहयोग जिस तरह से मिलता रहा है, मुझे पूर्ण विश्वास है कि आगे भी यह ऐसे ही मिलता रहेगा।

आइए होली के इस पावन त्योहार पर हम बृजवासी श्री कृष्ण की भक्ति और धुन में रंग कर समाज और परिवार में प्यार का एक नया रंग भर दें और प्रेम के सतरंगी रंगों से सभी को सराबोर कर दें।

श्यामा संग साँचे, श्याम रंग-रंग राचे,
नाँच-नाँच नाँचे, नाँच गोपियाँ नचावे हैं।
मारी पिचकारी भारी, गिरधारी खेले फाग,
धन्य भाग रंग राग, रागनियाँ गावे हैं।

रंगों से रँगे होली के त्योहार की आप सभी को सपरिवार हार्दिक शुभकामनाएँ।

जय महेश।

मनोज मूंदड़ा
महामंत्री

आप सभी को
होली
की हार्दिक शुभकामनाएँ
शांति लाल जागेटिया
टीम जय महेश
" हम साथ-साथ हैं... "
shantilal.jagetia | shantilal.jagetia | +91 9829050742

शिव कौन हैं : एक इंसान, पौराणिक कथा या ईश्वर?

महाशिवरात्रि : 26 फरवरी

शिव कौन हैं? यह हस्ती तमाम कहानियों और लोक कथाओं से घिरी है। क्या वे भगवान हैं? या एक सामूहिक कल्पना की रचना हैं? या 'शिव' का कोई गूढ़ अर्थ है, जो उन्हीं के लिए उजागर होता है जो खोजते हैं?

सदगुरु : जब हम 'शिव' कहते हैं, तो हम दो बुनियादी पहलुओं की बात कर रहे होते हैं। शब्द 'शिव' का सही अर्थ है, 'वह जो नहीं है।' आज आधुनिक विज्ञान हमारे लिए सिद्ध कर रहा है कि हर चीज 'कुछ नहीं' से आई है और वापस 'कुछ नहीं' में चली जाएगी। अस्तित्व का आधार और ब्रह्माण्ड का मौलिक गुण विशाल 'नथिंगनेस' यानी शून्यता है। आकाशगंगाएँ बस एक छोटी सी घटना हैं - एक फुहार की बूंदों जैसी। बाकी सब पूरा रिक्त स्थान है, जिसे शिव का रूप बताया जाता है। वही गर्भ है जिससे हर चीज पैदा हुई है, और वही शून्यता है जिसमें हर चीज वापस सोख ली जाती है। हर चीज शिव से आती है और और वापस शिव में चली जाती है।

शब्द 'शिव' का सही अर्थ है, 'वह जो नहीं है।' एक दूसरे स्तर पर, जब हम 'शिव' कहते हैं, तो हम एक खास योगी की बात कर रहे होते हैं, आदियोगी या पहले योगी, और आदिगुरु या पहले गुरु भी।

तो शिव का वर्णन एक प्राणी के रूप में नहीं, बल्कि एक अ-प्राणी या अनस्तित्व की तरह किया जाता है। शिव को प्रकाश के रूप में नहीं, बल्कि अंधकार के रूप में बताया जाता है। मानवता के द्वारा प्रकाश का गुणगान करने का कारण उनके देखने के यंत्र (आंखों) की प्रकृति है। वरना, जो चीज हमेशा है वह सिर्फ अंधकार है। प्रकाश इस मायने में एक सीमित घटना है कि प्रकाश का कोई भी स्रोत - चाहे वह एक बल्ब हो, या सूर्य - प्रकाश देने की अपनी क्षमता को अंततः खो देगा। प्रकाश शाश्वत नहीं है। यह हमेशा एक सीमित संभावना है क्योंकि यह घटित होता है और खत्म हो जाता है। अंधकार, प्रकाश से एक कहीं अधिक बड़ी संभावना है। कुछ भी जलने की जरूरत नहीं है, यह सदैव है - यह शाश्वत है। अंधकार हर जगह है। सिर्फ यही वो चीज है जो सर्वत्र व्याप्त है।

लेकिन अगर मैं कहता हूँ, 'ईश्वरीय अंधकार,' तो लोग सोचते हैं कि मैं कोई शैतान का पुजारी या वैसा कुछ हूँ। असल में, पश्चिम में कुछ जगहों पर यह फैलाया जा रहा है कि शिव एक दैत्य हैं। लेकिन अगर आप इसे एक अवधारणा के रूप में देखते हैं, तो धरती पर सृजन की पूरी प्रक्रिया और यह कैसे घटित हुई है, इस बारे में इससे ज्यादा बुद्धिमानी की अवधारणा नहीं है। मैं विज्ञान के संदर्भ में, दुनियाभर के वैज्ञानिकों से, 'शिव' शब्द का इस्तेमाल किए बिना, इसके बारे में बात करता रहा हूँ, और उन्हें आश्चर्य होता है, 'क्या ऐसा है? यह बात पता थी? कब?' हम यह हजारों सालों से जानते हैं। भारत में लगभग हर साधारण आदमी इस बारे में अचेतन रूप से जानता है। इसके पीछे के विज्ञान को जाने बिना भी, वह इस बारे में बात करता है।

पहला योगी

एक दूसरे स्तर पर, जब हम 'शिव' कहते हैं, तो हम एक खास योगी की बात कर रहे होते हैं, आदियोगी या पहले योगी, और आदिगुरु या पहले गुरु भी। आज हम जिसे योग विज्ञान के रूप में जानते हैं, वे उसका आधार हैं। योग का मतलब सिर के बल खड़े होना या अपनी सांस रोकना नहीं है। योग, इस बात की असली प्रकृति को जानने का विज्ञान और टेक्नॉलाजी है कि यह जीवन कैसे बना है और इसे इसकी परम प्रकृति तक कैसे ले जाया जा सकता है।

योग विज्ञान का यह पहला संचार कांतिसरोवर के तट पर हुआ। यह हिमालय में केदारनाथ से कुछ मील आगे एक हिमनदीय झील है। यहां आदियोगी ने अपने पहले सात शिष्यों को इस आंतरिक टेक्नॉलाजी से व्यवस्थित ढंग से अवगत कराना शुरू किया। आज हम उन्हें सप्तऋषि के रूप में जानते हैं। यह सभी धर्मों के आने से पहले हुआ। इसके पहले कि लोग मानवता को इस हद तक तोड़ने के तरीके निकालते, जहां से उसे ठीक करना लगभग असंभव हो जाता, उससे पहले मानव चेतना को ऊपर उठाने के लिए आवश्यक शक्तिशाली साधन बनाए गए और उनका संचार किया गया।

कांतिसरोवर में सद्गुरु

दोनों एक ही हैं

तो 'शिव' 'वह जो नहीं हैं,' और आदियोगी दोनों को इंगित करता है, क्योंकि कई तरीकों से वे पर्यायवाची हैं। यह प्राणी जो एक योगी है और वह अनस्तित्व, जो अस्तित्व का आधार है, एक ही हैं। क्योंकि किसी को योगी बुलाने का मतलब यह है कि

सबका साथ - समाज का विकास

उसने अस्तित्व को स्वयं की तरह अनुभव किया है। अगर आपको अस्तित्व को एक पल के लिए भी एक अनुभव के रूप में अपने भीतर समाना हो, तो आपको वह शून्यता बनना होगा। सिर्फ शून्यता ही हर चीज को थाम सकती है। 'कोई चीज' हर चीज को कभी नहीं थाम सकती। एक बरतन महासागर को नहीं थाम सकता। यह ग्रह महासागर को थाम सकता है लेकिन वह सौरमंडल को नहीं थाम सकता। सौरमंडल इन कुछ ग्रहों और सूर्य को थाम सकता है, लेकिन वह बाकी की आकाशगंगा को नहीं थाम सकता। अगर आप इस तरह धीरे-धीरे आगे बढ़ें, तो अंतत: आप देखेंगे कि यह सिर्फ शून्यता या 'नथिंगनेस' है जो हर चीज को थाम सकती है। 'योग' शब्द का अर्थ है 'एकत्व।' एक योगी वह है जिसने एकत्व को अनुभव किया है। इसका मतलब है कि कम से कम एक पल के लिए, वह पूरी तरह से नथिंगनेस रहा है।

जब हम 'वह जो नहीं है,' के रूप में शिव और एक योगी के रूप में शिव की बात करते हैं, तो एक तरह से वे पर्यायवाची हैं, फिर भी वे दो अलग पहलू हैं। चूंकि भारत एक बोली आधारित संस्कृति है, तो हम बड़ी आसानी से 'इस' से 'उस' पर और 'उस' से 'इस' पर चले जाते हैं। एक पल हम परम के रूप में शिव की बात करते हैं और अगले पल हम उस आदमी की तरह शिव की बात करते हैं, जिसने हमें योग की यह पूरी प्रक्रिया दी है।

शिव कौन नहीं हैं

दुर्भाग्य से, आज ज्यादातर लोगों का शिव से परिचय सिर्फ केलेंडर के चित्रों के जरिए कराया गया है। उन्होंने उन्हें भरे हुए चेहरे वाला नीले रंग का आदमी बना दिया है, क्योंकि केलेंडर के चित्रकार के पास एक ही चेहरा है। अगर आप कृष्ण की तस्वीर मांगें, तो वह उनके हाथ में एक बांसुरी पकड़ा देगा। अगर आप राम का चित्र मांगें, तो वह उनके हाथ में एक धनुष दे देगा। अगर आप शिव की तस्वीर मांगें, तो वह उनके सिर पर एक चंद्रमा लगा देगा, और वो शिव बन गए!

हर बार जब मैं इन केलेंडरों को देखता हूँ, तो मैं हमेशा फैसला करता हूँ कि मैं कभी किसी चित्रकार के सामने नहीं बैठूंगा। फोटोग्राफर ठीक हैं - आप जिस भी तरह से हैं, वे आपको वैसे ही कैद कर लेते हैं। अगर आप एक शैतान की तरह दिखते हैं, तो आप शैतान की तरह दिखेंगे। शिव जैसा एक योगी भरे हुए चेहरे वाला भला क्यों दिखेगा? अगर आपने उन्हें हड्डियों के ढांचे वाला दिखाया होता तो वह ठीक होता, लेकिन भरे हुए चेहरे वाले शिव - वो कैसे संभव है?

योग संस्कृति में, शिव को भगवान की तरह नहीं देखा जाता। वह ऐसे प्राणी थे जो इस धरती पर घूमे और हिमालय क्षेत्र में रहे थे। योग परंपराओं के स्त्रोत के रूप में, मानव चेतना के निर्माण में उनका योगदान इतना असाधारण है कि उसे अनदेखा नहीं किया जा सकता। उस हर संभव तरीके को, जिसमें आप मानव प्रणाली तक पहुच सकते हैं और उसे एक परम संभावना में रूपांतरित कर सकते हैं, हजारों साल पहले खोजा गया। उसका परिष्करण अविश्वसनीय है। यह सवाल अप्रासंगिक है कि उस समय क्या लोग इतने परिष्कृत थे, क्योंकि यह किसी खास सभ्यता से या विचार प्रक्रिया से नहीं आया था। यह एक आंतरिक बोध से आया था। इसका इस बात से कोई लेना-देना नहीं था कि उनके आस-पास क्या हो रहा था। यह बस उनका खुद को उड़ेलना था। मानव प्रणाली में हर चीज के साथ आप क्या कर सकते हैं, उसको उन्होंने एक बहुत विस्तृत अर्थ और एक संभावना प्रदान की। आप आज भी उसमें एक भी चीज नहीं बदल सकते, क्योंकि उन्होंने वह सब कुछ इतने सुंदर और बुद्धिमानीपूर्ण तरीकों से कह दिया, जो कहा जा सकता था। आप उसका अर्थ निकालने की कोशिश में सिर्फ अपना पूरा जीवनकाल लगा सकते हैं।

8 से 12वीं सदी के शिव और शक्ति के मंदिर

इस देश में, प्राचीन समय में, मंदिर सिर्फ शिव के लिए बनाए जाते थे, किसी दूसरे के लिए नहीं। सिर्फ पिछले लगभग 1000 सालों में ही ऐसा हुआ कि दूसरे मंदिर बनाए गए। 'शिव' शब्द का असली अर्थ है 'वह जो नहीं है।' तो मंदिर 'वह जो नहीं है' के लिए बनाए गए थे। 'वह जो है,' वह एक भौतिक अभिव्यक्ति है; 'वह जो नहीं है' वह है जो भौतिक से परे है। मंदिर एक छिद्र है जिससे आप उस दायरे में प्रवेश कर सकते हैं जो नहीं है। देश में हजारों शिव मंदिर हैं, और उनमें से ज्यादातर में कोई मानव स्वरूप नहीं है। उनमें बस एक प्रतीकात्मक रूप है जो आम तौर पर एक लिंग होता है। ■

सप्तलोक का महापर्व
महाशिवरात्रि

हर वर्ष फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि के दिन महाशिवरात्रि का त्यौहार मनाया जाता है।

धार्मिक मान्यता है कि फाल्गुन माह की चतुर्दशी तिथि पर भगवान शिव और मां पार्वती का विवाह हुआ था। इसी वजह से फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। महाशिवरात्रि के अवसर पर भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा और व्रत करने का विधान है।

पौराणिक कथाओं में यह भी प्रचलित है कि महाशिवराशि शिव और मां पार्वती के मिलन का दिन माना जाता है। फाल्गुन माह कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को शिवजी ने वैराग्य छोड़कर गृहस्थ जीवन में प्रवेश किया था और माता पार्वती से विवाह किया था। इस वजह से भी हर साल शिव-गौरी के विवाहोत्सव के रूप में महाशिवरात्रि मनाई जाती है।

इस बार यह पावन तिथि 26 फरवरी 2025 को पड़ रही है। फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि का प्रारंभ 26 फरवरी को सुबह 11 बजकर 8 मिनट पर होगा। पंचांग के अनुसार, चतुर्दशी तिथि का समापन 27 फरवरी को सुबह 8 बजकर 54 मिनट पर होगा।

आओ सनातन के इस महापर्व को हम सात्विक, सुदर्शन, सुंदर व सुखमय मनाये व माता पार्वती व भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करें।

■ कुमार जयन्त बाहेती

भूल जाइये पुरानी समस्त तकनीकों को अब घुटना प्रत्यारोपण कराये
Fully automatic ROBOTIC joint replacement
Robotic AI और AR तकनीक के फायदे
रोबोटिक तकनीक से नी रिप्लेसमेन्ट सर्जरी
सबसे उन्नत और सटीक
जटिलताओं का जोखिम कम
बेहतर परिणाम
पहले से और भी सुरक्षित
MISSO Planner
Robotic Arm
PARTANI CLINIC
डॉ. अरुण परतानी
एडिशनल डायरेक्टर
ऑर्थोपेडिक्स एंड जॉइंट रिप्लेसमेंट
16 वर्षों का सफल अनुभव
DENTAL IMPLANTS
not only replace your teeth but improve your confidence and quality of life!
Quality Dental Care
☑ Dental Implants
☑ Teeth Whitening
☑ Root Canal
☑ Composite Filings
☑ Ceramic or
☑ Porclain Crowns
☑ And Many More......
डॉ. भारती परतानी
BDS, MDS
Prosthodontist & Implantologist
15 वर्षों का सफल अनुभव
किफ़ायती दरों में Dental सेवाएँ माहेश्वरी डाइग्नॉस्टिक सेंटर निर्माण नगर पर भी 9 am-12 pm तक उपलब्ध है।
175, Gali No. 7, Barkat Nagar, Tonk Phatak, Jaipur-302015
For Queries 9783788887, 8742067974, 9887302501

आदियोगी शिव

हमारे लिए आज इतने महत्त्वपूर्ण क्यों हैं?

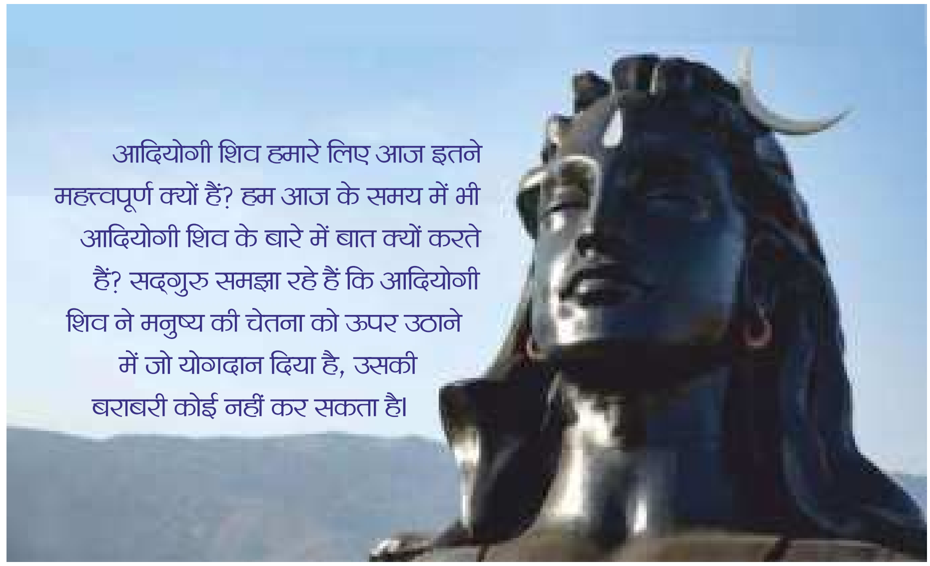

मैं आदियोगी शिव का आह्वान (नाम लेना) बार-बार क्यों करता हूँ? यह प्रश्न मुझसे अक्सर पूछा जाता है। इसका उत्तर बहुत सरल है। इसकी वजह यह नहीं है कि मैं ईश्वर का मानवीकरण करना चाहता हूँ, या मूर्तिपूजा की कोई घुमावदार विधि लाना चाहता हूँ, या फिर पूर्व के किसी पंथ की ओर बढ़ना चाहता हूँ।

जैसा मैंने कहा बुद्धि अकेले काम करे तो वो चीजों को बांटती है, यहाँ तक कि वह आत्मा को भी अलग-अलग टुकड़ों में बांटने की क्षमता रखती है!

मैं उनका आह्वान(नाम लेना) सिर्फ इसलिए करता हूँ, क्योंकि वह हमारे समय के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। वह महत्त्वपूर्ण इसलिए हैं क्योंकि अभी मानव चेतना को बढ़ाने से अधिक महत्त्वपूर्ण कुछ भी नहीं है। हमारे हाथों में ऐसे साधन और तकनीकें हैं, जिनसे हम या तो इस दुनिया को स्वर्ग बना सकते हैं या उसे नर्क में बदल सकते हैं, या फिर अपनी ही क्षमताओं से उसे पूरी तरह समाप्त कर सकते हैं। दूसरे शब्दों में, हम ऐसे मुक़ाम पर पहुंच गए हैं, जहां अगर हम मानव चेतनता को नहीं बढ़ाएंगे, तो हमारी बुद्धि और क्षमता हमारे ही खिलाफ काम करने लगेंगे। हम तेजी से आत्म-विध्वंस(खुद के नाश) की तरफ बढ़ रहे हैं। हम इस दलदल में कैसे धंस गए? ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि हमने अपने भीतरी हालत की क़ीमत पर अपनी बुद्धि को विकसित किया। अगर अकेले काम करें, तो तर्क-बुद्धि चाकू की तरह है।

फिलहाल हम अपनी तर्क-बुद्धि की एकमात्र योग्यता का इस्तेमाल करते हैं और उसे सब कुछ समझने की गलती करते हैं। हम भूल जाते हैं कि मन की क्षमता इससे कहीं अधिक है। तर्क-बुद्धि एक जबर्दस्त साधन है। मगर सिर्फ तर्क-बुद्धि का ही इस्तेमाल किया जाए तो वह एक मुसीबत है। क्योंकि मन के बाकी आयाम जोड़ते हैं, जबकि तर्क-बुद्धि सिर्फ बांट सकती है। यह आपको किसी चीज के साथ पूरी तरह रहने नहीं देती। चेतना की प्रकृति है सबको समाहित(शामिल) करना। चेतना इस ब्रह्मांड का एक बड़ा आलिंगन(गले लगाना) है। अगर एक शक्तिशाली तर्क-बुद्धि को यह अनुभव प्राप्त नहीं होता, तो वह तर्क-बुद्धि दुनिया को नष्ट कर डालेगी। पूर्व में ऐसी कई कहावतें हैं कि जब लोगों में बहुत ज्यादा व्यस्त रहने वाली तर्क-बुद्धि के लक्षण दिखते हैं, तो वे पूर्ण विनाश की ओर बढ़ रहे होते हैं। जैसा मैंने कहा बुद्धि अकेले काम करे तो वो चीजों को बांटती है, यहाँ तक कि वह आत्मा को भी अलग-अलग टुकड़ों में बांटने की क्षमता रखती है! आज की दुनिया में एकता के लिए बहुत कोशिशें हो रही हैं। मगर हम तर्क-बुद्धि से हर चीज को जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। यह ऐसा ही है, मानो आप दुनिया को एक चाकू से सिलना चाहते हैं, मगर इससे सिर्फ यह होगा कि सब कुछ तार-तार हो जाएगा।

आदियोगी शिव के योगदान की बराबरी कोई नहीं कर सकता

आज दुनिया से एक महत्त्वपूर्ण तत्व गायब है, जिसे योग में चित्त कहा जाता है। चित्त मन का सबसे भीतरी आयाम है। यह स्मृति (यादों) से मुक्त बुद्धि होती है, जो आपको सृष्टि के आधार से जोड़ती है। चित्त जागरूकता है, अस्तित्व की अपनी बुद्धि है : ये पूरा ब्रह्माण्ड खुद एक जीता-जागता मन है। योगिक परंपरा में कहा जाता है कि जब आप खुद को अपने आनुवांशिक (माता-पिता से मिले) और कार्मिक सॉफ्टवेयर की विवशताओं, और साथ ही अपनी बुद्धि तथा पहचानों से दूर कर लेते हैं, तो आप चित्त के संपर्क में आ जाते हैं – जो एक बेदाग चेतना है। फिर आपका जीवन वापस उस रूप में आ जाता है, जैसा उसे हमेशा होने के लिए बनाया गया था : आनंदित व जीवंत, ताजा और शुद्ध। फिर चैतन्य के पास भी आपकी मदद करने के सिवा कोई चारा नहीं होगा। इस संदर्भ में प्रथम योगी, आदियोगी अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो जाते हैं क्योंकि इस धरती पर कोई दूसरा नहीं है जिसने इतनी खोज की और लोगों के सामने अपना ज्ञान प्रकट किया। उन्होंने इंसान द्वारा खुद को समझने के लिए सबसे लंबा-चौड़ा और परिष्कृत (रिफाइंड) सिस्टम बनाया, जिनसे इंसान आत्मखोज करके अपनी पूर्ण क्षमता को प्राप्त कर सकता है। दुनिया में किसी और इंसान का योगदान इसकी बराबरी नहीं कर सकता।

आदियोगी शिव : ज्ञान नहीं, बोध या अनुभूति के प्रतीक हैं

आदियोगी ने जीवन के साथ पूरी तरह जुड़कर जीवन को जाना, उन्होंने बुद्धि से नहीं, अनुभव से जीवन को जाना। योगी वह है जिसने पूरे अस्तित्व के साथ एकाकार का अनुभव कर लिया हो। आदियोगी बोध या अनुभूति के प्रतीक हैं, ज्ञान के नहीं। ज्ञान एक बौद्धिक संचय है। दूसरी ओर बोध न तो बौद्धिक है और न ही उसे जमा किया जा सकता है। अगर आप फूलों से लदे किसी पौधे के पास से गुजरते हैं और आप उसकी सुगंध के रसायन को जानते हैं, तो यह ज्ञान का एक आयाम है। अगर आप उस सुगंध के अनुभव और परमानंद को जानते हैं, तो यह ज्ञान का दूसरा आयाम है। लेकिन अगर जब आप खुद सुगंध बन जाते हैं, तो यह बोध है। यह बोध सौ फीसदी अनुभव से पैदा हुआ है, और सौ फीसदी जीवंत है। आदियोगी इसी के प्रतीक हैं। यही वजह है कि उन्हें समझाने के प्रयासों के बावजूद, कोई भी ग्रंथ, मत या सिद्धांत उन्हें पूरी तरह समझा नहीं पाया। प्रकृति ने इंसानों के लिए कुछ नियम तय किए हैं। भौतिक प्रकृति के चक्रीय नियमों को तोड़ना ही उस आध्यात्मिक प्रक्रिया का आधार है, जिसकी खोज आदियोगी ने की। इस अर्थ में नियम को तोड़ने वाले लोगों के लिए योग एक विज्ञान है। आदियोगी इसी के प्रतीक हैं : वे नियमों को तोड़ने में सर्वश्रेष्ठ हैं, वे परम विध्वंसक (नाश करने वाले) हैं।

ATHENA
BANQUET
MANAGED BY
ANGEL RESORT
FULLY EQUIPPED
BANQUET HALL
SEATING
CAPACITY
Collaboration
Birthday Party
Wedding
Engagement
Conference
Business Meetings
athenabyangelresort
Athena banquet jaipur
Eden Garden, 20th Milestone, Rajawas,
Highway, Jaipur, Rajasthan 302013
7340019741
9119155556

शिव- नाम महिमा

भगवान शिव सृष्टि के आदि देव हैं। सभी देवताओं में सर्वोच्च हैं, महान हैं इसीलिए इन्हें महादेव कहा जाता है। महाभारत महाकाव्य के अनुशासन पर्व में इनके सहस्र नाम दिये गये हैं।

शंकर तथा रुद्र इनके प्रचलित नाम हैं। 'शं' अर्थात् कल्याण, 'कर' अर्थात् करने वाला। जो कल्याण करते हैं वे शंकर हैं। 'रु' अर्थात् दु:ख, 'द्र' अर्थात् द्रवित करना या हटाना। जो दु:ख हटाये वो रुद्र हैं।

महादेव विश्वास के प्रतीक हैं। श्री रामचरितमानस में शिव-पार्वती को विश्वास व श्रद्धा के रुप में संबोधित किया गया है। विश्वास इतना कि हनुमान चालीसा में भी तुलसीदास जी ने कह दिया 'जो यह पढ़े हनुमान चालीसा होय सिद्ध साखी गौरीशा'। गौरीशा अर्थात् गौरी के ईश्वर। रामचरितमानस के सातों काण्डों के मंगलाचरण में श्री राम व शिव की वन्दना है। केवल सुन्दर काण्ड में शिव के रुद्रावतार हनुमान जी की वन्दना है। वैसे तो रामचरितमानस में चार संवाद हैं- शिव पार्वती संवाद में ज्ञान की विशेषता है, अन्य संवादों में भक्ति, कर्मकाण्ड, लोकाचार इत्यादि विशेष हैं।

शिव जी को गुरुओं का गुरु माना गया है। भगवान श्रीकृष्ण योग का ज्ञान संवर्धन करने के लिये महादेव जी के पास ही गये थे।

शिव में शक्ति रुप समाहित होने के कारण ही शिव अर्धनारीश्वर कहलाये। जिसमें दाहिना भाग शिव और बायां भाग शक्ति स्वरूप है।

शिव कैलाश वासी हैं। कैलाश वह स्थान है जहां से प्रकृति का प्रवाह प्रारम्भ होता है। इनको महेश भी कहते हैं।

पुराणों में इन्द्र को महेश कहा गया है और इनकी शक्ति 'काली' है।

शिव शक्ति के स्वरूप भी हैं। शक्ति शिव के भीतर ही है। जब शक्ति सुप्त है तब शिव भी शव की तरह निष्क्रिय हैं।

मनुष्य ईश्वर प्रजापति का अंश है। उसके स्वरूप में जो शक्तियां हैं वे अंश रूप में हम में भी हैं। (मनुष्य को आत्म विकास के लिए यज्ञ, तप, दान के कर्म करने चाहिए। इससे अंतर्मन में छुपे दुराभाव स्वत: ही समाप्त होते हैं, मनुष्य में पवित्रता आती है। अहंकार नहीं होना चाहिए।)

शिव का नाम नीलकंठ भी है। समुद्र मंथन से उत्पन्न हलाहल को शिव ने पीकर कण्ठ में धारण किया जिससे प्रकृति की रक्षा हो सकी। इस हलाहल के प्रभाव से उनका कण्ठ (गला) नीला हो गया। बद्रीनाथ धाम के मार्ग में ऋषिकेश से लगभग 45-50 किलोमीटर दूर पीपलकोटी नामक स्थान इसीलिये प्रसिद्ध है कि विषपान कर शिव इस स्थान पर ध्यानस्थ हुये।

शिव का एक नाम चंद्रमौली है। इनके मस्तक पर बाल चन्द्रमा विराज मान है। चन्द्रमा की शीतलता से ही वनस्पतियों में रस का निर्माण होता है और वे औषधियां बनती हैं, औषधियां ही जीव का यात्रा मार्ग है।

शिव के मस्तक पर जटाओं में मां गंगा विराजमान हैं। इन गंगा मां के अलग अलग स्थानों पर अलग अलग नाम हैं। बद्रीनाथ में अलकनंदा, गंगोत्री में भागीरथी तो केदारनाथ में मंदाकिनी।

नदी अर्थात् जीवन का प्रवाह जिसके किनारों पर सभ्यताएं पलती हैं, बढ़ती हैं।

शिव का एक नाम व्योम है। व्योम अर्थात् आकाश। समाधिस्थ चित्त की वह अवस्था जिसमें केवल आंतरिक चेतना का खाली आकाश होता है। जिस भाव में, रूप में हम हों उसी में शिव श्रृंगारित हो दर्शन देते हैं। शिव माने प्रकृति का सामीप्य। प्रकृति स्वच्छंद होती है परन्तु शिव के साथ रहने से वह मर्यादित होती है।

शिव विरक्त भाव रखते हैं, बैरागी हैं। शिवरात्रि के अगले दिन 'शिव खप्पर' पूजा जाता है।

शिव को संहारकर्ता के रूप में जाना जाता है। जड़-चेतन, समस्त चराचर, जीर्ण-शीर्ण वस्तुओं को विनाश कर नव निर्माण व नव जीवन के प्रेरक होने से इनको श्मशान के देवता के रूप में प्राचीन काल से पूजा जाता है। इनके मुख्य गण नंदी, भृंगी (भैरव) हैं। नंदी धर्म के प्रवाहक हैं, भृंगी श्मशान में पूजे जाते हैं। (भारत के नये संसद भवन में दण्ड 'संगुल' के शीर्ष पर नन्दी विराजमान हैं।)

शिव का एक नाम वृषकेतु है। जो धर्म की ध्वजा रखता है वह वृषकेतु कहलाता है। इनका नाम नटराज है। प्रलय काल के समय शिव अपने वाद्य डमरू को बजाते हैं और नृत्य करते हैं। इनका नृत्य ताण्डव कहलाता है।

'त्रिशूल' और 'पिनाक' धनुष इनके आयुध हैं। जिस धनुष को श्री राम ने तोड़ा था उसका नाम 'अजगव' था।

शिव जी ने अपनी पत्नी सती (दक्ष प्रजापति की पुत्री) को शिक्षा दी थी। वे बिना निमंत्रण मिले अपने पिता के घर हो रहे उत्सव में जाना चाहती थीं, तब शिव जी ने मना किया और कहा-

जो बिनु बोले जाहु भवानी, रहे न शील स्नेह न बानी।।
यदपी मित्र प्रभु पितु गुरु गेहा, जाईय बिन बोले न संदेहा।।
तदपि विरोध मान जह कोई, तहां गए कल्याण न होई।।

शिव जी की सीख सती जी ने नहीं मानी परिणाम स्वरूप वे काल को प्राप्त हुई। (यह सीख आज भी उचित है)

क्रूर से क्रूर ग्रह का कोप शिव के साधारण मंत्र 'ॐ नम: शिवाय' या अन्य मंत्र जैसे शिव गायत्री मंत्र, महा मृत्युंजय मंत्र के जप से दूर किया जा सकता है।

श्री राम ने राम चरित मानस में कहा है-

कोउ नहीं शिव समान प्रिय मोरे, अस प्रतीति त्यागहूं जनि भोरे।।
जेहि पर कृपा न करहिं पुरारि, सो न पाव मुनि भगति हमारी।।

तुलसी दास जी ने लिखा है-

जगदातमा महेश पुरारि, जगत जनक सब के हित कारी।।
शिव पद कमल जिनही रति नाही, रामहि ते सपने न सुहाई।।
बिन छल विश्वनाथ पद नेहु, राम भक्त कर लक्षण एहु।।

श्री महादेव जी भगवान श्री राम का नाम जपते हैं-

काशी मरत जन्तु अवलोकी, जासु नाम बल करो विशोकी।
सोई प्रभु मोर चराचर स्वामी, रघुवर सब उर अंतर्यामी।।

श्री महादेव का चरित अपार है।

आइये, श्री महादेव के गुण गान करते हुए हम सभी इस पावन शिवरात्रि पर्व में रात के चारों प्रहर की पूजन कर अपने आपको शिव से एकाकार कर आत्मोद्धार का प्रयास करें। हर-हर महादेव।

जयपुर में शिव की आराधना

वैसे तो जयपुर का राज घराना भगवान श्री राम के पुत्र कुश के नाम पर बना 'कच्छवाहा' वंश है। यहां श्री राम की सेवा है।

जयपुर के राजा सवाई राम सिंह जी शिवोपासक थे। उन्होंने वैष्णव मंदिरों में शिव मंदिर बनाने की बाध्यता कर दी, तब से यहां शिव भी पूजे जाने लगे। वे बड़े तांत्रिक थे। उन्होंने जयपुर व वाराणसी में शिव लिंग पर श्री यन्त्र बनवा कर 'श्री' को सिद्ध किया था। यह मन्दिर मोती डूंगरी रोड पर मनवा जी के बाग में है।

यहां के मुख्य शिव मंदिर हैं- ऊपर लिखित श्री यन्त्र वाले महादेव जी, श्री राज राजेश्वर मन्दिर (सिटी पैलेस), मोती डूंगरी स्थित मन्दिर ग्यारह रुद्र महादेव मन्दिर (बड़ी चौपड़), ताड़केश्वर मन्दिर (चौड़ा रास्ता), झाड़खण्ड मन्दिर इत्यादि।

■ **जय कृष्ण पटवारी**

हर दिन महिला दिवस मनाएं

पूरे विश्व में हर साल 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। इस दिन भारत में लोग देश का मान बढ़ाने वाली महिलाओं को सम्मानित करते हैं। व्यक्तिगत तौर पर हमें लगता है कि महिला दिवस कम से कम अगले तीन या चार साल तक हर दिन मनाया जाना चाहिए। कारण, हम सभी इस बात से अवगत हैं कि भारत में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों की घटनाएं बढ़ रही हैं। हमें पता है कि घर से दूर रहने वाली महिलाएं किस हद तक असुरक्षित महसूस करती हैं। कैसे कुछ मनचले सड़कों पर, दफ्तरों में और यहां तक कि घरों में महिलाओं के साथ कैसा सलूक करते हैं। हमें हर दिन, हर वक्त महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के बारे में सोचना होगा। सिर्फ एक दिन महिला दिवस मना लेना ही काफी नहीं है।

दहेज व घरेलू हिंसा के खिलाफ आवाज उठाएं

एक तरफ तो हमारे प्राचीन ग्रंथों और सांस्कृतिक लोकाचार में महिलाओं को सम्मान दिया गया है, उनकी प्रशंसा की गई है तो दूसरी तरफ वास्तविक जीवन में महिलाओं को अपमान, उत्पीड़न और अत्याचार का सामना करना पड़ता है। हमारे प्राचीन ग्रंथ मनु स्मृति में कहा गया है, 'जहां स्त्रियों की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं, और जहां स्त्रियों का सम्मान नहीं होता है, वहां किए गए समस्त अच्छे कर्म भी निष्फल हो जाते हैं।'

जब कोई महिला काम के लिए घर से निकलती है तो उसे हर पल चौकन्ना रहना पड़ता है। रास्ते में, बस में, मेट्रो में, हर जगह सावधानी बरतनी पड़ती है। यहां तक कि दफ्तर पहुंचने के बाद भी उसे मनचलों से हर वक्त सावधान रहना पड़ता है। ये लोग कहीं से भी, कभी भी हमला कर सकते हैं।

नई टेक्नॉलाजी के आने के बाद तो महिलाओं को दफ्तरों और किराए के मकानों में वॉशरूम का इस्तेमाल करते हुए भी चौकन्ना रहना पड़ता है। डिपार्टमेंटल स्टोर्स के चेंजिंग रूम्स में भी काफी सावधानी रखनी पड़ती है। कोई नहीं जानता कि कब कोई घात लगाए बैठा शख्स किसी महिला की तस्वीर को मॉर्फ करके उन्हें सोशल मीडिया पर पोस्ट कर देगा।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का मानना है कि महिलाओं के खिलाफ ज्यादातर अपराध या तो करीबी रिश्तेदारों, या जान-पहचान के लोगों द्वारा किए जाते हैं। लेकिन यह बात सिर्फ अपराध तक सीमित नहीं है। आप और हम जानते हैं कि चाहे सड़क हो या दफ्तर, हर जगह महिलाओं पर बुरी नजर रखने वाले लोग मौजूद हैं। दफ्तरों, घरों और सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं को अपमान और उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। एक टाइम शो के पत्रकारों ने उन महिलाओं से बात की जो पेट्रोल पंप पर काम करती हैं, सेना, वायुसेना एवं पुलिस में सेवारत हैं, और नर्सों के रूप में दिन-रात अस्पतालों में जुटी हुई हैं।

कई महिला कर्मचारियों ने बताया, कैसे कुछ लोग उनसे द्विअर्थी बातें करते हैं, भद्दे कमेंट्स करते हैं लेकिन उन्हें नजरअंदाज करना पड़ता है। उन महिलाओं की मानसिक पीड़ा के बारे में सोचें जिन्हें अश्लील टिप्पणियां झेलनी पड़ती हैं और इसके साथ ही अपना काम भी करते रहना पड़ता है, क्योंकि उन्हें अपने परिवार का पालन पोषण भी करना पड़ता है।

इन रिपोर्टरों ने महिला सिक्यॉरिटी गार्ड्स से भी बात की, जो छोटे-छोटे शहरों से काम की तलाश में बड़े शहरों में आती हैं। उनमें से कइयों ने बताया कि किस तरह पुरुष उन पर अश्लील और कामुक टिप्पणियां करते रहते हैं। कुछ पुरुष कस्टमर तो इन महिला सुरक्षा गार्ड्स से शारीरिक तलाशी लेने तक की बात कह देते हैं।

कल्पना करें, एक महिला डरते-डरते अपने घर से काम पर निकलती है, सड़कों पर और दफ्तरों में बदसलूकी का सामना करती है। ये एक दिन की बात नहीं बल्कि रोज़ की कहानी है। उस मानसिक पीड़ा के बारे में सोचिए जिससे उन्हें गुजरना पड़ता है। पुलिस की नौकरी करने वाली महिलाओं के ड्यूटी के घंटे तय नहीं होते, वे देर से घर लौटती हैं। कई बार तो बच्चों को लेकर थाने में ड्यूटी करने वाली महिला पुलिसकर्मियों की तस्वीरें भी हमने देखी हैं, क्योंकि उनके बच्चों की देखभाल करने वाला कोई नहीं होता है।

हमारी लाखों नर्सों और डॉक्टरों ने कोरोना में सबकी सेवा की। जब हम सशस्त्र बलों, पुलिस और स्वास्थ्य सेवाओं में अपने देश की बहादुर महिलाओं के योगदान को देखते हैं, उनकी प्रेरणादायक कहानियां पढ़ते हैं तब हमे गर्व महसूस होता है, लेकिन जब हम दहेज के कारण होने वाली घरेलू हिंसा, बलात्कार और मौके-बेमौके महिलाओं के उत्पीड़न की खबरे पढ़ते हैं, तब यह गर्व हवा हो जाता है और हमारे सिर शर्म से झुक जाते हैं।

ऐसी लाखों महिलाएं कभी शिकायत नहीं करतीं। महिला चाहे गृहिणी हो या कामकाजी, उसे घर की जिम्मेदारी भी संभालनी पड़ती है। हम लाख बराबरी की बातें करते रहें पर सब मानकर बैठे हैं कि घर चलाना तो महिलाओं का काम है, भले ही वे दफ्तरों में भी काम करती हों। काम डबल है, जिम्मेदारी दोगुनी है, पर हक बराबरी का नहीं है। उन्हें फैसले लेने का अधिकार नहीं होता, और न ही पुरुषों की तुलना में समान सम्मान मिलता है।

अब सवाल है कि करें तो क्या करें? यह हम सब की जिम्मेदारी है कि शुरुआत अपने घर, अपने पड़ोस, अपने आस-पास से करें। महिलाओं को समानता दें, सम्मान दें, सुरक्षा दें। इसे महिलाओं पर अहसान नहीं, अपनी जिम्मेदारी समझें। अपने घरों में लड़कों को सिखाएं कि महिलाओं का आदर कितना जरूरी है और क्यों जरूरी है। अगर कभी लड़के किसी लड़की से बदसलूकी करें तो उन्हें इसकी सजा दें। यदि गुंडे बसों और ट्रेनों के अंदर महिला यात्रियों को परेशान करते हुए दिखें तो चुपचाप खड़े न रहें, बल्कि हस्तक्षेप करें। कल आपके परिवार की किसी महिला के साथ भी ऐसा हो सकता है।

जब हम उन महिलाओं की कहानियां सुनते हैं जिन्होंने शिक्षा हासिल करने के बाद आर्थिक आजादी पाई है तो हमें गर्व की अनुभूति होती है। यही उनकी वास्तविक ताकत है, उनकी 'शक्ति' है। ये महिलाएं इस 'शक्ति' को अपने दम पर हासिल कर रही हैं। लेकिन समाज इन्हें अपने हिसाब से चलाना चाहता है, इनके मन में डर बैठाने की कोशिश करता है।

अब वक्त आ गया है कि महिलाओं के पक्ष में मंदिरों, मस्जिदों, गिरजाघरों और गुरुद्वारों से आवाजें उठें, और समाज के दुश्मनों को चेतावनी दी जाए कि महिलाओं के खिलाफ बदसलूकी को कभी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसा करने वालों का सामाजिक बहिष्कार किया जाएगा। ऐसा करने के बाद ही हम महिला दिवस मनाने के असली हकदार होंगे।

हमें समाज में जागरूकता पैदा करने और लोगों को शिक्षित करने के लिए अपने इस संकल्प को हर रोज़ दोहराना होगा। ■

महिला दिवस

महिलाओं के अधिकारों का सही उपयोग और समाज में समानता

महिला दिवस के इस विशेष अवसर पर, हम महिलाओं के संघर्ष और उनकी शक्तियों को सम्मानित करते हैं। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि समाज में महिलाओं का योगदान अपार है और उन्हें समान अधिकार मिलना चाहिए। हालांकि, यह भी अत्यंत महत्वपूर्ण है कि महिलाएं अपने अधिकारों का सही तरीके से उपयोग करें, ताकि समाज में कोई गलत संदेश न जाए और न ही उनके अधिकारों का दुरुपयोग हो।

आजकल महिलाएं अपने अधिकारों की मांग करती हैं, लेकिन उन्हें यह समझने की आवश्यकता है कि अधिकारों का गलत इस्तेमाल समाज में न केवल महिलाओं, बल्कि पूरे समाज के लिए नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। जब महिलाएं अपने अधिकारों का सही तरीके से उपयोग करती हैं, तो न केवल उनका सम्मान बढ़ता है, बल्कि यह समाज में समानता और न्याय की दिशा में एक बड़ा कदम भी होता है।

अधिकारों का सही उपयोग

महिलाओं को यह समझना चाहिए कि उनके पास कई अधिकार हैं, जो उन्हें समाज में समानता और सम्मान दिलाने के लिए दिए गए हैं। हालांकि, अधिकारों का सही उपयोग करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका गलत उपयोग समाज में भ्रम और गलत संदेश पैदा कर सकता है। उदाहरण के लिए, यदि किसी महिला ने अपने अधिकारों का गलत इस्तेमाल किया, तो इससे समाज में यह गलत संदेश जाएगा कि महिलाओं का अधिकार सिर्फ उनके फायदे के लिए है, न कि समग्र रूप से समाज में सुधार लाने के लिए।

पुरुषों को भी वही सम्मान मिले जो महिलाएं चाहती हैं

महिलाओं को यह समझना चाहिए कि समानता का मतलब सिर्फ अधिकारों की मांग नहीं, बल्कि यह भी है कि हमें पुरुषों को भी वही सम्मान देना चाहिए, जो हम खुद चाहती हैं। केवल एकतरफा समानता से कोई परिणाम नहीं निकलता। हमें दोनों पक्षों के बीच आदान-प्रदान और सम्मान का रिश्ता बनाना होगा, ताकि समाज में एक सशक्त और समान वातावरण बने। 'जो समानता हम महिलाओं के लिए चाहती हैं, वही समानता हमें पुरुषों को भी देनी चाहिए।'

दहेज के नाम पर किसी का बेटा न छीनें

दहेज की कुप्रथा आज भी हमारे समाज में व्याप्त है। महिलाओं को यह समझने की जरूरत है कि दहेज के नाम पर किसी का बेटा या किसी के परिवार की खुशी छीनना गलत है। महिलाओं को दहेज के खिलाफ खड़ा होना चाहिए और इसे समाप्त करने के लिए समाज में जागरूकता फैलानी चाहिए। यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि किसी को भी दहेज की वजह से मानसिक और शारीरिक शोषण का सामना न करना पड़े।

'दहेज के नाम पर किसी को भी मानसिक, शारीरिक या भावनात्मक रूप से शोषित नहीं किया जाना चाहिए।'

समाज को गलत संदेश न दें

महिलाएं जब अपने अधिकारों का गलत तरीके से उपयोग करती हैं, तो इससे समाज में गलत संदेश जाता है। इस तरह के उदाहरण समाज में विकृति और भ्रम पैदा करते हैं। इसलिए, यह जरूरी है कि महिलाएं अपने अधिकारों का सही उपयोग करें और किसी भी गलत दिशा में कदम न बढ़ाएं। ऐसा न हो कि उनकी कोई भी कार्रवाई आने वाली पीढ़ियों को गलत संदेश दे और समाज में और भी अधिक असमानता और अव्यवस्था फैले।

महिलाओं के अधिकारों का दुरुपयोग करने के कुछ उदाहरण समाज में गंभीर परिणाम उत्पन्न करते हैं, जैसा कि एक वर्तमान (नाम गोपनीय) केस में हुआ। इस केस में एक महिला ने अपने अधिकारों का गलत इस्तेमाल करते हुए एक पुरुष को झूठे आरोपों में फंसा दिया था, जिससे न केवल उस पुरुष का जीवन प्रभावित हुआ, बल्कि समाज में महिलाओं के अधिकारों के प्रति संदेह भी पैदा हुआ। इस तरह के मामलों से महिलाओं के अधिकारों का सचमुच हनन नहीं होता, बल्कि समाज में यह गलत संदेश जाता है कि महिलाएं कभी-कभी अपने अधिकारों का दुरुपयोग कर सकती हैं।

यह मामला एक चेतावनी है कि महिलाओं को अपने अधिकारों का गलत इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। महिला अधिकारों के प्रति जागरूकता का सही दिशा में उपयोग करना आवश्यक है। महिलाओं को अपने अधिकारों की सुरक्षा के साथ-साथ उन अधिकारों का सही इस्तेमाल भी करना चाहिए, ताकि समाज में महिलाओं की स्थिति मजबूत हो और कोई भी महिला समाज में किसी अन्य के खिलाफ गलत तरीके से नहीं खड़ी हो।

महिला दिवस का यह संदेश है कि महिलाएं अपने अधिकारों का सही तरीके से उपयोग करें और समाज में समानता और सम्मान की भावना को बढ़ावा दें। महिलाओं को अपने अधिकारों का सही तरीके से उपयोग करने का अधिकार है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि इसका दुरुपयोग किया जाए। हमें समाज में समानता और सम्मान की दिशा में कदम बढ़ाने होंगे, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ एक बेहतर और सशक्त समाज में जी सकें।

'हर महिला को वही सम्मान मिलना चाहिए, जो एक पुरुष को मिलता है, और हर महिला को अपने अधिकारों का सही तरीके से उपयोग करना चाहिए।'

■ प्रीती रोमेश सोमानी

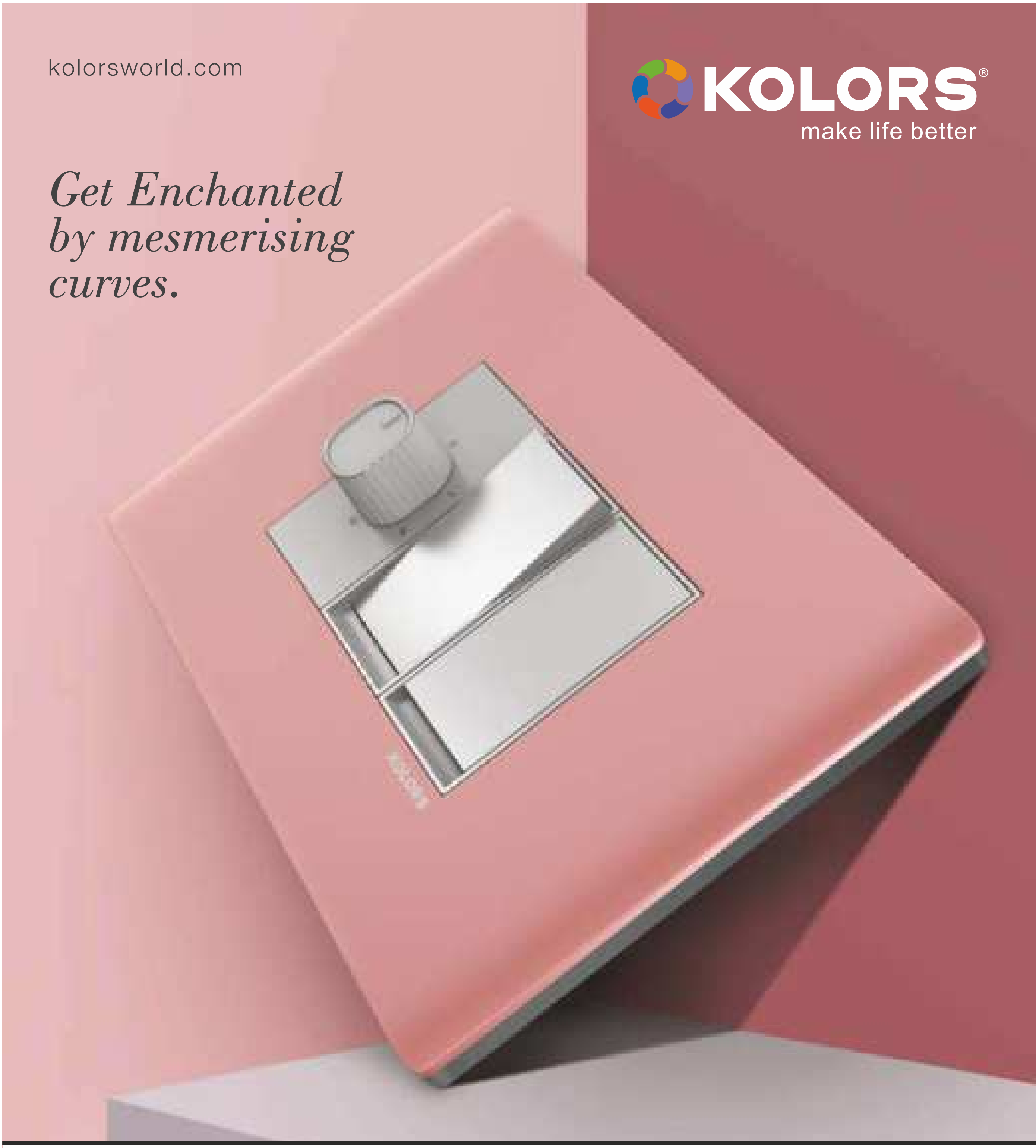

Corp Office: Kolors India Private Limited, Mumbai - 053
Toll-free: 1800 221 470 | E: sales@kolorsworld.com | Follow us on :

MAHESHWARI ELECTRICALS
G-71-72, Agrasen Tower, Back Side of PNB Bank, Central Spine, Vidhyadhar Nagar, Jaipur -302039
Contact : Mr. Rajesh Khator (Jaipur) +91 93524 79947

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर का 100वाँ वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह धूमधाम से सम्पन्न

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर ने अपना 100वाँ वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह मंगलवार, 04 फरवरी 2025 को जनोपयोगी भवन 'उत्सव' विधाधर नगर में मनाया। समारोह के मुख्य अतिथि श्री महेन्द्र कुमार काबरा (RR Cable) एवं विशिष्ट अतिथि श्री मुरलीधर राठी (समाज संरक्षक) रहे। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष श्री केदारमल भाला, महामंत्री श्री मनोज मूंदड़ा, उपाध्यक्ष श्री संजय माहेश्वरी, उपाध्यक्ष (शिक्षा) श्री बजरंग लाल बाहेती, महासचिव शिक्षा श्री मधुसूदन बिहाणी, महिला परिषद् अध्यक्ष श्रीमती ज्योति तोतला, समाज कार्यकारिणी के पदाधिकारीगण एवं पूर्व अध्यक्षगण, समाज संरक्षकगण सहित समाज के गणमान्य जन की उपस्थिति रही। सूर्य सप्तमी के अवसर पर आयोजित वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में खेलकूद, शैक्षणिक, सामाजिक, शिक्षा, साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं चिकित्सा आदि क्षेत्रों की लगभग 60 से अधिक प्रतिभाओं को मेडल एवं प्रशस्ति-पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया एवं महेश सेवा कोष में स्थापित कोषों से लगभग 75 प्रतिभावन छात्र-छात्राओं को सम्मान स्वरूप चैक व प्रशस्ति-पत्र संबंधित विद्यालय द्वारा भिजवाये गये। जयपुर माहेश्वरी पत्रिका के प्रधान सम्पादक श्री आशीष सोमानी ने बताया कि वर्तमान में माहेश्वरी समाज जयपुर का सामाजिक सरोकार, समाज बंधुओ के आर्थिक उत्थान, रोजगार तथा विवाह प्रकोष्ठ सहित शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट स्थान है। समाज के दस स्कूलों में करीब 25000 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। कार्यक्रम का समापन भोजन प्रसादी के साथ हुआ, जिसमें करीब 1000 से अधिक समाज बंधु सम्मिलित हुए।

समारोह झलकियाँ

झलकियाँ

झलकियाँ

होली : उमंग-उल्लास का त्यौहार

होली, दीपावली के बाद एक प्रमुख त्योहार है, जिसे हिन्दू पंचांग व महीने के फागुन मास की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है।

होली मनाने की कई पौराणिक कथाएं हैं।

हिरण्यकश्यपु राक्षसों का राजा था। उसका पुत्र प्रह्लाद, भगवान विष्णु का परम भक्त था। राजा हिरण्यकश्यपु भगवान विष्णु को अपना शत्रु मानता था। जब उसे पता चला कि प्रह्लाद विष्णु भक्त है, तो उसने प्रह्लाद को रोकने की कोशिश की, लेकिन प्रह्लाद के न मानने पर हिरण्यकश्यपु प्रह्लाद को यातनाएं देने लगा। हिरण्यकश्यपु ने प्रह्लाद को पहाड़ से नीचे गिराया, हाथी के पैरों से कुचलने की कोशिश की, लेकिन भगवान विष्णु की कृपा से प्रह्लाद बच गया। हिरण्यकश्यपु की होलिका नाम की एक बहन थी। उसे वरदान था कि वह अग्नि में नहीं जलेगी। हिरण्यकश्यपु के कहने पर होलिका प्रह्लाद को मारने के लिए अपनी गोद में बैठाकर आग में प्रवेश कर कई। किंतु भगवान विष्णु की कृपा से तब भी भक्त प्रह्लाद बच गया और होलिका जल गई। तभी से बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में होलिका दहन होने लगा और ये त्योहार मनाया जाने लगा।

शिवजी ने कामदेव को किया था भस्म

इंद्र ने कामदेव को भगवान शिव की तपस्या भंग करने का आदेश दिया। कामदेव ने उसी समय वसंत को याद किया और अपनी माया से वसंत का प्रभाव फैलाया, इससे सारे जगत के प्राणी काममोहित हो गए। कामदेव का शिव को मोहित करने का यह प्रयास होली तक चला। होली के दिन भगवान शिव की तपस्या भंग हुई। उन्होंने रोष में आकर कामदेव को भस्म कर दिया तथा यह संदेश दिया कि होली पर काम (मोह, इच्छा, लालच, धन, मद) इनको अपने पर हावी न होने दें। तब से ही होली पर वसंत उत्सव एवं होली जलाने की परंपरा प्रारंभ हुई। इस घटना के बाद शिवजी ने माता पार्वती से विवाह की सम्मति दी। जिससे सभी देवी-देवताओं, शिवगणों, मनुष्यों में हर्षोल्लास फैल गया। उन्होंने एक-दूसरे पर रंग गुलाल उड़ाकर जोरदार उत्सव मनाया, जो आज होली के रूप में घर-घर मनाया जाता है।

कुछ समय पूर्व शुभ मुहूर्त पर सच्चे भक्त प्रह्लाद के प्रतीक डंडे को रोपकर होलिका दहन की तैयारी शुरू होती है।

होली को कई तरह से मनाए जाने की परम्पराएं हैं। कहीं कवि सम्मेलन होते हैं, तो कहीं होली धमाल प्रतियोगिता होती है। बच्चे, युवक-युवतियों द्वारा होली पेंटिंग चित्र स्वांग आदि बनाकर होली के रंगों के त्यौहार को चित्रित करते हैं।

भारत में इस त्योहार में लोग आपस में रंग फेकते हैं, बच्चे, महिलाएँ और पुरुष पिचकारी से रंग, गुलाल व पानी उड़ाते हैं और मिठाई खाते हैं। होली का महत्व हमारे जीवन में आशा, उमंग, खुशियों और मिठास को जोड़कर एक खास स्थान रखता है। यह त्योहार सामाजिक समरसता, एकता, मित्रता और भाईचारे का प्रतीक है।

होली का त्योहार गिले शिकवे दूर करने का भी दिन है। होलिका दहन के दिन व मुहूर्त समय पर सभी परिवारों, मोहल्ले के लोग अपने घरों से निकलकर सामूहिक रूप में बिना जात-पाँत, ऊँच-नीच रंग भेद के एक निश्चित स्थान पर सामूहिक एकत्र होते है। इस दिन सबसे पहले भक्त प्रह्लाद की पूजा की जाती है।

होली के दिन भक्त प्रह्लाद का प्रतीक डांडे के चारों ओर असुरी होलिका-बुराई की प्रतिमूर्ति घास-फूस, गोबर के सूखे हुए बड़कूले की माला बनाकर भिन्न भिन्न प्रकार के आकृतियों के चाँद सूरज नारियल इत्यादि के उपले, लकड़ी के ढेर बनाकर को निकाल कर भगवान व भक्त प्रह्लाद के जयघोषों के साथ होलिका दहन करते हैं। यह परंपरा बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देती है।

अपने परिवार व घर आंगन में सुख शांति समृद्धि के लिए नये कच्चे जौ को होलिका दहन में सेंकते हैं, होलिका की पवित्र प्रज्वलन को घर आंगन में रख वातावरण शुद्धि करते हैं और इसके पश्चात मिठाई पकवान प्रसाद वितरण कर आपस में एक-दूसरे के गले मिलते हैं और इस दिन पुराने गिले शिकवे दूर कर आपस में रंग गुलाल लगाते हैं।

अगले दिन धुलंडी के रूप में सभी लोग छोटे-बड़े, युवा-बूढ़े आदि एक-दूसरे को रंग लगाते हुए होली की बधाईयाँ देते हैं। होली को एक-दूसरे के प्रति स्नेह का प्रतीक माना जाता है क्योंकि होली के मौके पर सभी लोग अपने आपसी मत-भेद भूलकर एक दूसरे के साथ होली खेलते हैं। होली के गीत कविताएँ धमाल गाते हैं और खुशियों का वातावरण बनाते हैं। होली का सामूहिक स्नेह मिलन समारोह मनाया जाता है।

होली पर समाज के प्रेरणादायी प्रतिष्ठित प्रिय लोगों को व्यंग्यात्मक मजाक में व्यक्तित्व शीर्षक दिए जाने की परंपरा रही है।

होली एक रंगों का त्यौहार है जो बसंत ऋतु में अर्थात् फाल्गुन मास में मनाया जाता है।

होली के त्योहार के पश्चात् ही ग्रीष्म ऋतु का आगमन होता है। मंदिरों में भगवान के ग्रीष्मकालीन वस्त्र, भोग लगने शुरू होते हैं।

खासतौर से उत्तर भारत में ढोलक, चंग ढँप की धमाल गाने सुनाये जाते है और लोकगीतों आदि पर से नृत्य इत्यादि करतें है। धुलंडी को कई हुल्लड़ी स्वांग रचकर रौचक मनोरंजन करते है।

होली के दिन ब्रज की होली का जिक्र ना करना अधूरा रह जाएगा, ब्रज की लठमार होली प्रसिद्ध है।

ब्रजवासी कृष्ण राधा के रूप में मधुर होलिया गीत गाते हैं।

समूह में एक जगह इकट्ठा होकर पुरुष महिलाओं से ठिठोली करते हैं।

महिलाएँ पुरुषों पर होली के गीत गाते हुए लट्ठ मारती हैं, तो पुरुष लाठियों से अपनी ढाल से बचते हैं।

होली आज आधुनिकता की दौड़ में प्रतीकात्मक होती जा रही है जब कि यह हमारे सनातन धर्म संस्कृति खेल हँसी ठिठोली से मनाने की परंपरा का त्यौहार है।

कुमार जयन्त बाहेती

।। श्री महेश्वराय नमः ।।

"उत्सव"

श्री माहेश्वरी समाज जनोपयोगी भवन

(अन्तर्गत : श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

पी—10, सेक्टर 2, विद्याधर नगर, जयपुर

फोन नं. 0141—2236743—44

Website: www.utsavjaipur.in | E-mail: utsavjaipur@yahoo.com

यूनिट	विवरण	किराया राशि
	ब्लॉक ए	
I	भोजन व्यवस्था के लिये उपयुक्त लॉन 2 एसी विश्राम कक्ष एवं रसोई सहित	25800/-
II	1000 व्यक्तियों के लिये सुसज्जित एसी बैंक्वेट हॉल, फूडकोर्ट, 1 पूजा कक्ष, 1 एसी शयनकक्ष एवं रसोई सहित	68800/-
III	एसी मिनी हॉल, 17 एसी कमरे (58 स्थापित बैड), रसोई, भोजन कक्ष	34400/-
IV	एसी मिनी हॉल, 17 एसी कमरे (58 स्थापित बैड), रसोई, भोजन कक्ष	34400/-
	अतिरिक्त शयनकक्ष मेजेनाईन तल पर (डबल बैड 5 कमरे)	800/- प्रति रूम
	प्रथम तल एवं द्वितीय तल पर ट्रांसिट रूम-2 (डॉरमिटॉरी 8 बैड)	2500/- प्रति रूम
	ब्लॉक बी	
V	300 व्यक्तियों के लिये सुसज्जित एसी हॉल रसोई व भोजन कक्ष सहित	22000/-
VI	11 एसी कमरे (30 स्थापित बैड) व पूजा घर	25800/-
	अतिरिक्त शयनकक्ष (डबल बैड 3 कमरे)	800/- प्रति रूम

विशेष : ★ यूनिट V (हॉल एवं भोजनकक्ष) की किराया दर रुपये 32800/- प्रतिदिन से अब कम करके रुपये 22000/- प्रतिदिन की गई है, लाभ उठावें।

★ भवन के सभी कमरों में कुल 186 बैड स्थापित है एवं 63 अतिरिक्त बैड लगाने की व्यवस्था है।

★ सभी यूनिट्स का किराया रुपये 211200/- प्रतिदिन है। 18% अतिरिक्त देय है।

- माहेश्वरी परिवारों को मांगलिक कार्यक्रमों के लिये किराया राशि में 50% छूट।
- माहेश्वरी परिवारों को धार्मिक आयोजनों हेतु एसी हॉल (भूतल) सहित 4 दिन या उससे अधिक के लिये आरक्षण करवाने पर मूल किराया राशि में 60% छूट।
- यूनिट III व IV में आवश्यकतानुसार कमरों, मिनी हॉल अथवा भोजन कक्ष व किचन की बुकिंग अलग-अलग भी की जा सकती है। (कार्यक्रम से अधिकतम 15 दिवस पूर्व)
- श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर बर्तन भंडार हलवाई के बर्तनों हेतु।
- सभी कमरे मिनी फ्रिज, इलेक्ट्रिक कैटल, टी.वी., गीजर, इंटरकॉम आदि सभी सुविधा सम्पन्न।
- 3 पैसेंजर लिफ्ट एवं 1 सर्विस लिफ्ट
- बेसमेंट कार पार्किंग एवं वैलेट पार्किंग की सुविधा।
- 3 स्टाफ रूम की सुविधा उपलब्ध (10 व्यक्ति प्रति रूम)
- 24 घंटे पावर बैकअप, स्वागत कक्ष पर डिजिटल डिस्प्ले, टी-कॉफी वेंडिंग मशीन एवं फ्री वाई-फाई सम्पूर्ण भवन में।

भवन के वीडियो टूर के लिये स्कैन करें।

अग्रिम बुकिंग का समय : प्रात: 10:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक
सम्पर्क : 9251033701, 9251033703

चैक इन टाइम – 12:00 PM
चैक आउट टाइम – 09:00 AM

संचालन समिति
(सत्र 2022–2025)

केदार मल भाला
अध्यक्ष, श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर

मनोज मूंदड़ा
महामंत्री, श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर

विनोद कुमार तोतला — चेयरमैन
सुरेश कालानी — सचिव
घनश्याम भूतड़ा — वाईस चेयरमैन (वित्त)
रामसहाय मांधना — सह सचिव
सुनील बिहाणी — भवन मंत्री
विपिन तोतला — कोषाध्यक्ष

सदस्य : एम.डी. बांगड़, गिर्राज प्रसाद सोढ़ानी, श्रीगोपाल भूतड़ा, कृष्ण कुमार राठी

होली पर्व - बुरा मानें या न मानें?

होली के दिन यदि कोई आपके ऊपर रंग डाले, तो क्या बुरा मानने वाली बात है? बिल्कुल नहीं। अगर कोई खुशी में झूमे-नाचे, तो क्या बुरा मानने वाली बात है? बिल्कुल भी नहीं। तभी तो रंगों से सराबोर होने के बाद सब यही कहते हैं- 'भई बुरा न मानो, होली है!'

लेकिन यदि रंग की जगह लोग एसिड फेंकने लग जाएँ... खुशी में झूमने की जगह नशे में होशो-हवास खोकर अश्लील और भद्दे काम करने लग जाएँ... पर्व से जुड़ी प्रेरणाएँ संजोने की बजाए, हम अंधविश्वास और रूढ़िवादिता में फँस जाएँ- तब? तब फिर इस पर्व में भीगने की जगह पर्व से भागना ही बेहतर है। प्रस्तुत है इस पर्व की कुछ बिगड़ी हुई झलकियाँ, जिनके चलते यही कहना सही है- 'बुरा कैसे न मानें?'

रंग हुए बदरंग

आज हमने अपने निजी स्वार्थ के लिए त्यौहारों के मूल रूप को ही बर्बाद कर दिया है। हमने मिलावट की सारी हदें पार कर दी हैं। होली के रंगों में अक्सर क्रोमियम, सीसा जैसे जहरीले तत्त्व, पत्थर का चूरा, काँच का चूरा, पेट्रोल, खतरनाक रसायन इत्यादि पाए गए हैं। इन मिलावटी रंगों से एलर्जी, अन्य बिमारियाँ, यहाँ तक कि कैंसर होने का खतरा भी होता है। अफसोस! जहाँ रंगों से ज़िंदगी खूबसूरत होनी चाहिए थी, वहाँ आज ये जानलेवा बन गए हैं।

न केवल होली के रंग स्वार्थ, द्वेष, लोभ आदि विकारों के कारण घातक हुए हैं, बल्कि अंधविश्वास और रूढ़िवादी परम्पराओं ने भी इस पर्व में दुर्गंध घोल दी है।

रूढ़िवादी परम्पराएँ

होलिका दहन की परम्परा हिरण्यकशिपु की बहन होलिका के अग्नि-दहन होने और भक्त प्रह्लाद की रक्षा से आरंभ हुई। दूसरे शब्दों में, यह बुराई के अंत और सच्चाई की जीत की द्योतक है। परंतु अज्ञानतावश आज इस परम्परा के साथ लोगों ने अलग-अलग भ्रांतियाँ जोड़ दी हैं। जैसे- मथुरा, राजस्थान आदि क्षेत्रों में एक प्रथा है- होलिका दहन के समय, जब आग की लपटें थोड़ी कम हो जाती हैं, तब उसमें से गाँव के कुछ लोग नंगे पाँव चलकर जाते हैं। जो भी उस आग में से सुरक्षित बाहर आ जाता है, ऐसा माना जाता है कि उसे भगवान ने बचाया है। अत: गाँव वाले उसे प्रह्लाद की संज्ञा दे देते हैं।

कैसी विडम्बना है- कहाँ तो हमें इतिहास के दृष्टांतों के पीछे मर्म को समझना था और कहाँ हमने इनके अर्थ का अनर्थ कर डाला। सबसे पहले तो, प्रह्लाद ने स्वयं जान-बूझकर अग्नि में प्रवेश नहीं किया था- यह जाँचने या परखने के लिए कि क्या भगवान उसे बचा सकते हैं। बल्कि उसे षडयंत्र के तहत उस धधकती ज्वाला में बिठाया गया था। ऐसे में, प्रह्लाद का दृढ़ विश्वास व सच्ची भक्ति उसके सुरक्षा कवच बने। हमारी तो प्रह्लाद जैसी भक्ति भी नहीं है, फिर भी हम भगवान की शक्ति को परखने चल पड़ते हैं। इस प्रकार की भ्रान्तियों के चलते कई बार हादसे भी घटित हो जाते हैं। अत: हमें ऐसी कोई भी धारणा या प्रथा नहीं अपनानी चाहिए, जिससे हमारा या समाज का अहित हो। पर्व तो आनंद और उल्लास के लिए मनाए जाते हैं, न कि खतरनाक करतब करके किसी अनहोनी या दुर्घटना को जन्म देने के लिए।

परम्पराओं के नाम पर आज होली के साथ भांग-शराब को जोड़ दिया गया है, जिसने इसके चेहरे को और विकृत बना दिया है। लोगों के अनुसार होली और भांग- दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। कैनाबिस के पौधे से बनने वाली भांग एक नशीला पदार्थ है। वैसे तो भारत में कैनाबिस का सेवन गैरकानूनी है। ऐसा प्रतीत होता है, जैसे होली पर हर व्यक्ति यह मानकर चलता है कि उसके पास भांग के नशे में डूब जाने का सर्टिफिकेट उपलब्ध है।

सराहनीय होली

जहाँ होली का चेहरा समय के साथ और ज्यादा खराब तथा भयावह होता जा रहा है, वहाँ अभी भी कुछ क्षेत्र, कुछ प्रांत और कुछ प्रथाएँ ऐसी हैं, जो इसे खूबसूरत बनाए रखने में प्रयासरत हैं। आइए, अब उनकी बात करते हैं ताकि उनसे प्रेरणा ले सकें-

उत्तरप्रदेश, बंगाल इत्यादि में कुछ जगहों पर आज भी होली को रंग-बिरंगे फूलों से और टेसू के फूलों से बने शुद्ध रंगों से खेला जाता है। इससे न तो लोगों को किसी प्रकार से हानि पहुँचती है, न ही प्रकृति को। इसी प्रकार दक्षिण भारत के कुदुम्बी तथा कोंकण समुदायों में होली हल्दी के पानी से खेली जाती है। इसलिए वहाँ होली को 'मंजल कुली' नाम से मनाया जाता है, जिसका मतलब होता है- हल्दी स्नान! केरल के लोक-गीतों के संग इस पर्व में सभी लोग शामिल होते हैं। अत: इस प्रकार हल्दी के औषधीय गुणों से खुद को तथा वातावरण को लाभ देते हैं।

नि:संदेह, ऐसे उदाहरण सराहनीय हैं। ऐसी प्रेरणाओं को अपनाकर हम इस रंगों के पर्व को फिर से सुंदर बना सकते हैं। परंतु होली की वास्तविक खूबसूरती सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है। मूल रूप से यह पर्व दिव्यता एवं शुद्धता से परिपूर्ण है। इतिहास के पन्नों से कई दृष्टांत त्यौहार की पावनता, अलौकिकता एवं आनंद की गहराई को दर्शाते हैं। उनकी दिव्य प्रेरणा से हम लाभान्वित होते हैं-

संत हरिदास की अपने कृष्ण के संग होली

एक बार एक व्यापारी संत हरिदास के लिए इत्र लेकर आया। हरिदास जी ने प्रभु- मस्ती में गाते हुए वह बोतल उठाई और उसे पूरा का पूरा मिट्टी में उड़ेल दिया। व्यापारी की भौंहें कुछ सिकुड़ी। बोला- 'यह क्या किया आपने? इतना कीमती इत्र... और उसे यूँ ही...'

संत हरिदास मुस्कुराते हुए बोले- 'कीमती था, तभी तो उसे उचित स्थान पर अर्पित कर दिया।'

व्यापारी ने प्रश्नवाचक दृष्टि से देखा। संत के वचन समझ जो नहीं पाया था। संत हरिदास बोले- 'मैंने इस इत्र से अपने कृष्ण संग होली खेली।' वे जानते थे कि व्यापारी की तार्किक बुद्धि को उनका कथन हजम नहीं होगा। सो खुद ही बोले- 'जाओ, मंदिर में कृष्ण की मूर्ति देख आओ। वह भीगी है कि नहीं...'

संत हरिदास जी के इन शब्दों को सुनकर व्यापारी ही नहीं, वहाँ मौजूद अन्य जिज्ञासु भी चल दिए। आश्चर्य!! कृष्ण के वस्त्र सचमुच भीगे हुए थे और उनसे उसी इत्र की भीनी-भीनी महक आ रही थी, जिससे मंदिर का समूचा प्रांगण महक उठा था।

देखा आपने- होली ऐसी होती है, जहाँ दिव्य प्रेम की खुशबू है। जहाँ ईश्वर से अंतरंग सम्बन्ध है। जहाँ अंधविश्वास नहीं, बल्कि अनंत विश्वास है। फिर ऐसे अनोखे खेलने के अंदाज पर कोई कैसे बुरा मान सकता है?

लेकिन जानते हैं, ऐसी होली कब खेली जाती है? अमीर खुसरो क्या खूब लिखते हैं-

कपड़े रंग के कुछ न होत है,
या रंग में मन को डुबोया री
दैया रे मोहे भिजोया री...

यानी यह शुद्धता, सुन्दरता, सौम्यता एवं दिव्यता वास्तव में तभी इस पर्व में झलकते हैं- जब इंसान अपने मन को सद्‌गुरु के माध्यम से ईश्वर के रंग में रंग लेता है।

तो आएँ, अपने मन को ईश्वरीय रंग में रंग कर इस पर्व की बिगड़ी हुई सूरत को फिर से खूबसूरत बनाएँ। फिर भीतर और बाहर- दोनों ओर शुद्धता और पावनता के रंग ही बरसेंगे... न कोई बुरा मानेगा... न कोई बुरा करेगा... और इस पर्व के आने पर सब खुशी से एक स्वर में कह उठेंगे... होली है।

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर

जनोपयोगी भवन

''अभिनन्दन''

कृष्णा सागर कॉलोनी, पत्रकार कॉलोनी रोड

वी.टी. रोड के सामने, मानसरोवर, जयपुर-302020

सम्पर्क : फोन : 0141-2980659, मो.: 7414038883

Location (GPS) : 26.84000, 75.75102

चैक इन टाइम : 12 PM • चैक आउट टाइम : 9 AM

अत्याधुनिक सुविधा सम्पन्न

- 70 वातानुकूलित कमरे (8 डॉरमेट्री सहित+ 2 पूजा रूम सहित)
- भव्य वातानुकूलित बैंक्वेट हॉल (105'x 78'-डबल हाइट)
- सुसज्जित वातानुकूलित डायनिंग हॉल एवं मंडप एरिया (ग्राउंड फ्लोर पर)
- 2 मिनी बैंक्वेट हॉल, 2 डायनिंग हॉल
- 4 किचन, 2 पैसेंजर व 1 लगेज लिफ्ट
- प्रत्येक कमरे में मिनि फ्रिज एवं टी-कैटल सुविधा
- डबल बैसमेंट सहित वैलेट पार्किंग सुविधा
- सम्पूर्ण भवन wi-fi & CCTV सुविधायुक्त
- प्रत्येक कमरे में डिजिटल लॉकर व इंटरकॉम सुविधा
- 24 hrs Room Services, Receptionist & House Keeping Staff, Security Guard, Electricity Backup Facility Available.

ग्राउण्ड फ्लोर (Unit-I) : डायनिंग हॉल, लॉन व किचन

द्वितीय तल (Unit-II) : 22 कमरे (4 डॉरमेट्री सहित)

चतुर्थ तल (Unit-V) : 13 कमरे (पूजा रूम सहित), 1 मिनी हॉल, 1 डायनिंग हॉल, किचन

प्रथम तल (Unit-II) : मुख्य बैंक्वेट हॉल (डबल हाइट)

तृतीय तल (Unit-IV) : 13 कमरे (पूजा रूम सहित), 1 मिनि हॉल, 1 डायनिंग हॉल, किचन

पंचम तल (Unit-VI) : 22 कमरे (4 डॉरमेट्री सहित)

केदार मल भाला
अध्यक्ष
श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर

मनोज मूंदड़ा
महामंत्री
श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर

संचालन समिति
(सत्र 2022-25)

शांति लाल जागेटिया
चेयरमैन

गिरिराज प्रसाद मोदानी
वाईस चेयरमैन (वित्त)

अशोक कुमार फलोड़
वाईस चेयरमैन (संचालन)

महेश कुमार साबू
सचिव

सुरेन्द्र कुमार मान्धना
सह सचिव

राधामोहन तोतला
भवन मंत्री

कैलाश चन्द्र परवाल
कोषाध्यक्ष

सदस्यगण : द्वारकादास सोढ़ानी, जुगलकिशोर साबू, राघव बिहानी, विनोद अजमेरा

विश्व स्काउट दिवस : 22 फरवरी

जीवन जीने की कला है स्काउटिंग

स्काउट के जन्मदाता लार्ड बेडन पावल ने कहा था "Once a Scout always a Scout"

जब 10 वर्ष की उम्र में स्काउटिंग से जुड़ी थी तब इस वाक्य को समझ नहीं पायी थी, लेकिन अब ये शब्द जीवन से जुड़ गए हैं। स्काउटिंग सिर्फ एक संगठन या संस्था नही है, 'जीवन जीने की कला है स्काउटिंग।'

स्काउट गाइड का स्लोगन है, 'तैयार रहो'।

चाहे कैसी भी परिस्थिति आ जाए उसका सामना बिना कोई घबराहट करने के लिए बालकों को खेल खेल में प्रशिक्षित किया जाता है, जो जीवन पर्यंत काम आता है। स्काउटिंग में, एक लड़के को निर्देश दिए जाने के बजाय खुद को शिक्षित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और 'एक स्काउट सभी परिस्थितियों में मुस्कुराता और सीटी बजाता है।'

इसी तरह, यह भी सिखाया जाता है कि आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें और आपको जैसा संसार मिला है, उसे उससे बेहतर करके छोड़कर जाएं। यदि हम स्वयं को अनुशासित कर लें तो सभी स्वत: ही अनुशासित हो जायेंगे।

मुख्य रूप से स्काउटिंग, बालकों को स्वावलंबन और अनुशासन सिखाती है, जिसकी आज के समय में बहुत आवश्यकता है ताकि बचपन से ही बालकों की मानसिकता मजबूत हो सके और जीवन में आने वाली कठिनाइयों का सामना सरलता से कर सकें।

इंडियन स्काउट एंड गाइड फैलोशिप, वयस्कों की संस्था है, जिसमें वे लोग जुड़ सकते हैं जो बचपन में स्काउट थे या फिर स्काउट की भावना रखते हैं ताकि ताउम्र स्काउटिंग को अपने जहन में जीवित रख सके और हर क्षेत्र में सेवा व सहायता कर सके साथ ही राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में भाग लेकर स्काउटिंग भ्रमण का आंनद भी ले सकें।

– **सीमा राठी**, सेक्रेट्री जनरल, इंडियन स्काउट एंड गाइड फैलोशिप
मो. 9829888813

महेश अस्पताल में गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण

महेश अस्पताल, जयपुर में 26 जनवरी को 76वें गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्री के. एस. बूब ने ध्वजारोहणकर सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में अस्पताल पदाधिकारी, डॉक्टर्स, मेडिकल स्टाफ के साथ ही माहेश्वरी समाज के गणमान्य व्यक्ति एवं कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे। अस्पताल में दूसरी मंजिल की छत पर टीन शेड के नीचे 5000 स्क्वायर फीट हॉल का निर्माण कार्य प्रगति पर है। जिस पर 25 किलोवाट का अतिरिक्त सोलर पैनल लगाने से कुल विद्युत उत्पादन क्षमता 45 किलोवाट हो गई है। कार्यक्रम में श्री शिव रतन मोहता द्वारा स्वरचित देश भक्ति कविता प्रस्तुत की गई।

महेश अस्पताल में अनुभवी दन्त चिकित्सक डॉ. मानवेन्द्र सिंह गहलोत (इम्पलांट विशेषज्ञ) की सेवाएँ शुरू की गई हैं।

होली : परिवार में प्यार, विश्वास व माफ़ी का संदेश

होली का त्यौहार केवल रंगों और खुशियों का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा अवसर है जब हम अपने दिलों को भी रंगीन और साफ करते हैं। यह समय होता है पुराने गिले-शिकवे को भुलाकर एक नई शुरुआत करने का। होली का पर्व हमें यह सिखाता है कि जीवन में कोई भी रिश्ता बिना विश्वास और प्यार के मजबूत नहीं हो सकता। होली में, हमें एक और महत्वपूर्ण संदेश मिलता है, और वह है-'माफ़ी देना और आगे बढ़ना।'

माफ़ी और पुराने मतभेदों को भुलाना

परिवार में चाहे भाई-बहन हो, पति-पत्नी, माता-पिता और बच्चों के बीच हो, या फिर दोस्त हों-कभी-कभी आपस में छोटी-मोटी बातों पर मनमुटाव हो जाता है। इन मतभेदों को समय रहते सुलझाना जरूरी है, क्योंकि जीवन बहुत संक्षिप्त है। होली का पर्व हमें यह याद दिलाता है कि हम अपनी नाराजगी और गुस्से को छोड़कर एक-दूसरे को माफ़ करें। जब हम किसी से प्यार करते हैं, तो हमें यह समझना चाहिए कि सभी से गलती हो सकती है, और हम सभी इंसान हैं।

हमारे रिश्ते तभी मजबूत होते हैं जब हम पुराने मतभेदों को भुलाकर एक नई शुरुआत करते हैं। इस होली, हम हर प्रकार के रिश्ते में जरा भी गुस्से और नफरत को जगह न दें। हम अपने भाई-बहन, पति-पत्नी, माता-पिता और बच्चों के साथ रिश्तों में सद्भावना और शांति लाएं, और उन पुरानी लड़ाइयों को भूलकर एक दूसरे के साथ प्यार से मिलें।

होली के साथ एक नई शुरुआत

हमारा जीवन कभी स्थिर नहीं रहता, उसमें हमेशा उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। लेकिन जो हमें सबसे ज्यादा जरूरी है, वह है-हमारे रिश्ते। अगर हम चाहते हैं कि हमारी जिन्दगी खुशहाल हो, तो हमें परिवार के सभी रिश्तों को बेहतर बनाने की आवश्यकता है। होली का दिन हम सभी के लिए एक नये दृष्टिकोण और नये जीवन की शुरुआत का मौका है। होलिका दहन के साथ हमें अपने दिलों से घृणा और नाराजगी को जलाकर राख कर देना चाहिए, और एक नया दिन नए विश्वास और प्यार के साथ शुरू करना चाहिए। यही सही समय है जब हम अपने रिश्तों को फिर से निखारें और एक दूसरे से सच्चे दिल से माफ़ी मांगें।

हमें माफ़ी क्यों चाहिए?

जब हम किसी से माफ़ी मांगते हैं, तो यह हमारी विनम्रता को दर्शाता है। माफी से रिश्तों में ताजगी आती है और प्यार बढ़ता है। इस होली, अगर हम अपने पुराने तकरार और बहसों को भूलकर एक दूसरे को गले लगाते हैं, तो हम अपने परिवार में विश्वास और एकता को फिर से जीवित कर सकते हैं।

सारांश

हम सभी को यह याद रखना चाहिए कि जीवन बहुत छोटा है और रिश्तों की अहमियत अत्यधिक है। किसी भी प्रकार के पुराने विवादों को भुलाकर हम एक दूसरे के साथ नये रिश्ते की शुरुआत कर सकते हैं। होलिका दहन का संदेश यही है कि हमें अपने दिल से नफरत को जलाकर प्यार को बढ़ाना चाहिए। इस होली पर, हर परिवार में प्यार, विश्वास और माफ़ी का माहौल हो, ताकि हम एक नई और सुखमय जिंदगी की शुरुआत कर सकें।

इस होली, अपने परिवार के साथ मिलकर प्यार, विश्वास और एकता को मजबूत करें। एक दूसरे को माफ़ करें, पुरानी लड़ाईयों को भुलाकर, एक नये जीवन की शुरुआत करें। इस रंगीन और खुशहाल दिन पर अपने परिवार के साथ मिलकर जीवन को और भी खास बनाएं।

■ प्रीती रोमेश सोमानी

आरोग्यम्

A NATUROPATHY CENTER

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा संचालित)

6th Floor, C-1/1, जयसिंह हाइवे, बनीपार्क, जयपुर-16

प्रवेश तुलसी मार्ग गेट से

सभी रोगों का प्राकृतिक तरीके से उपचार

मोटापा, मधुमेह, रक्तचाप, रक्ताल्पता, कब्ज, अपच, वायु विकार, ऑव, एसिडिटी, जोड़ों का दर्द, आर्थराइटिस, कमर दर्द, घुटनों का दर्द, सरवाईकल-लम्बर, स्पॉंडिलाइटिस, साइटिका, पक्षाघात, अनिद्रा, मानसिक तनाव, माइग्रेन, जुकाम, सायनस, एलर्जी, अस्थमा, पीलिया, पथरी, मासिक धर्म रोग, श्वेत प्रदर, दुर्बलता आदि अनेक रोगों का उपचार किया जाता है।

उपचार सुविधाएँ

- गर्म ठण्डा सेंक
- मिट्टी पट्टी
- सर्वांग मिट्टी लेप
- कटि स्नान
- रीढ़ स्नान
- गर्मपाद स्नान
- भाप स्नान
- आयुर्वेदिक सर्वांग मालिश
- एक्यूप्रेशर
- आहार चिकित्सा
- शुद्धिकरण क्रियाएँ- कुंजल, जलनेति
- फिजियोथैरेपी
- वैक्स बाथ
- चुम्बक चिकित्सा
- चादर लपेट

उपचार दरें

पंजीकरण (One Time)	₹ 100
परामर्श शुल्क (One Time)	₹ 100
दैनिक उपचार	₹ 300
साप्ताहिक उपचार	₹ 1300
पाक्षिक उपचार	₹ 2,500
मासिक उपचार	₹ 4,500
वार्षिक उपचार (12 आ. मालिश सहित)	₹ 25,000
आयुर्वेदिक सर्वांग मालिश + भाप स्नान	₹ 400 +100
सर्वांग मालिश + भाप स्नान	₹ 400 +100
फिजियोथेरेपी/वैक्स/एक्यूप्रेशर (प्रतिदिन)	₹ 100
फिजियोथेरेपी/वैक्स/एक्यूप्रेशर [साप्ताहिक-6 दिन]	₹ 500

केदार मल भाला
अध्यक्ष

मनोज मूंदड़ा
महामंत्री

चन्द्रमोहन कासट
(संयोजक)
9314460785

सम्पर्क करें : डॉ. शेखर शर्मा (कन्सलटेन्ट)
योग नैचुरोपैथी एवं लाईफ स्टाईल

9680058890
9829058890

समय : प्रातः 7:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक
(सोमवार का साप्ताहिक अवकाश)

दी एजुकेशन कमेटी ऑफ दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

एक शताब्दी पूर्व, जब हमारे दूरदर्शी पूर्वजों ने शिक्षा के माध्यम से समाज के उत्थान का स्वप्न देखा था, तब उन्होंने यह भली-भांति समझ लिया था कि सशक्त समाज की नींव शिक्षा, सेवा और संस्कारों पर ही रखी जा सकती है। उनकी इसी सोच से प्रेरित होकर श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा सन् 1926 में दी एजुकेशन कमेटी ऑफ दी माहेश्वरी समाज सोसायटी की स्थापना की गई, जिसने ज्ञान की अखंड धारा प्रवाहित करने का संकल्प लिया।

समय के साथ शिक्षा का स्वरूप बदला है, चुनौतियाँ बदली हैं, और ज़रूरतें भी बदली हैं। लेकिन शिक्षा समिति का उद्देश्य सदैव अडिग रहा है-ज्ञान के माध्यम से नई पीढ़ी को सशक्त बनाना, ताकि वे आत्मनिर्भर, जागरूक और नैतिकता से परिपूर्ण बनकर समाज और राष्ट्र की सेवा कर सकें। आज, जब हम एक गौरवशाली शताब्दी पूर्ण कर रहे हैं, अब समय आ गया है कि भविष्य की दिशा की दिशा निर्धारित करने हेतु आत्म मंथन करते हुए निर्णय लिये जायें।

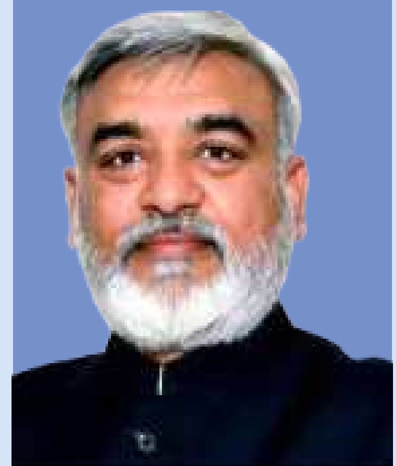

मधुसूदन बिहाणी
महासचिव, शिक्षा

स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की ओर एक कदम

आज शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रह सकता। इसे रोजगार, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता से जोड़ना होगा। शिक्षा समिति इस दिशा में ठोस प्रयास कर रही है-ब्याज मुक्त वित्तीय सहायता हेतु कोष की स्थापना, उच्च तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा का विस्तार और विद्यार्थियों को कौशल विकास के लिए प्रेरित करना, जिससे वे केवल नौकरी चाहने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले बन सकें।

खेल और व्यक्तित्व विकास-एक संतुलित शिक्षा प्रणाली

शिक्षा केवल परीक्षा में अंकों की दौड़ नहीं है, बल्कि यह एक संतुलित व्यक्तित्व का निर्माण करती है। खेल-कूद, नेतृत्व कौशल और सामाजिक सहभागिता विद्यार्थियों में अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास को बढ़ाती है। शिक्षा समिति इस दिशा में भी सक्रिय है, ताकि विद्यार्थी जीवन के हर क्षेत्र में चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हो सकें।

चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा में समाज की भूमिका

एक स्वस्थ समाज ही प्रगति का आधार है। शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाना समय की माँग है। इसी उद्देश्य से माहेश्वरी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़ एंड रिसर्च संस्थान की स्थापना का संकल्प लिया गया है। इसका उद्देश्य न केवल चिकित्सा शिक्षा को उच्च स्तर तक पहुँचाना है, बल्कि समाज को सुलभ और गुणवत्ता युक्त स्वास्थ्य सेवाएँ भी उपलब्ध कराना है। आने वाले वर्षों में, चिकित्सा विश्वविद्यालय और स्वास्थ्य संस्थानों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिससे समाज और राष्ट्र को योग्य चिकित्सक और उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सकें।

नई शिक्षा नीति और भविष्य की दिशा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने यह स्पष्ट किया है कि शिक्षा का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास है। शिक्षा समिति भी इसी दिशा में कार्य कर रही है, जहाँ ज्ञान केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रहकर नैतिक मूल्यों, तार्किकता, समस्या-समाधान, और रचनात्मकता को भी विकसित करने की दिशा में किया जा रहा है। विद्यालय केवल ज्ञान के केंद्र नहीं, बल्कि संस्कारों और संस्कृति के मंदिर हैं, जहाँ विद्यार्थियों की कल्पनाशक्ति और सृजनशीलता को पोषित किया जा रहा है।

सुदृढ़ प्रशासन–केंद्रीय प्रशासनिक कार्यालय की भूमिका

एक सशक्त संस्था के संचालन हेतु एक सुदृढ़ प्रशासनिक व्यवस्था आवश्यक होती है। इसी दृष्टि से शिक्षा समिति केंद्रीय प्रशासनिक कार्यालय की स्थापना करने जा रही है, जिसमें Human Resource, Finance, Academic, Establishment and Information Technology & Marketing Departments के माध्यम से समस्त प्रशासनिक गतिविधियों का कुशलतापूर्वक संचालन सुनिश्चित किया जा सकेगा। इस प्रकार आधुनिक तकनीकी नवाचारों के साथ पारदर्शी और सुगठित प्रशासनिक प्रक्रिया को स्थापित करते हुए, निर्णय लेने की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी, मितव्ययी और सुलभ बनाया जा सकेगा। इस सुव्यवस्थित तंत्र के माध्यम से शिक्षा समिति अपनी योजनाओं को और अधिक व्यवस्थित, संगठित तथा प्रभावशाली ढंग से क्रियान्वित कर सकेगी।

आइए, हम सब मिलकर नूतन भारत के निर्माण हेतु हमारी भावी पीढ़ी, युवाओं को भारतीय संस्कृति की जड़ों से जोड़कर, शिक्षा को अपेक्षाकृत अधिक लचीला एवं पारदर्शी बनाते हुए शोधाधारित बहुभाषीय परिवेश, स्वरोजगार प्रदान करने वाली गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का प्रयास करें, जिससे भावी पीढ़ी को अनुशासन, संस्कार एवं सशक्तीकरण के सुपथ पर अग्रसर किया जा सकें।

उच्च, तकनीकी एवं व्यवसायिक शिक्षा सहयोग हेतु कोष

''हर बच्चा पढ़े हर बच्चा बढ़े'' समाज के हर बच्चे को उच्च शिक्षा का अधिकार देना हमारी कोशिश

वर्तमान समय में उच्च, तकनीकी एवं व्यवसायिक शिक्षा हेतु मेधावी व ज़रूरतमंद विद्यार्थियों की आर्थिक सहायता के लिए कोष की स्थापना की गई है, जिससे मेधावी शिक्षार्थी अर्थ के अभाव में भी आर्थिक सहयोग प्राप्त कर अपनी पढ़ाई आसानी से पूर्ण कर सकता है। इस कारण इस कोष की स्थापना का मुख्य उद्देश्य मेधावी व ज़रूरतमंद शिक्षार्थी को उच्च, तकनीकी एवं व्यवसायिक शिक्षा हेतु पूर्णतया वापसी योग्य ब्याज मुक्त आर्थिक सहयोग उपलब्ध करवाना होगा। इस योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नानुसार समिति का गठन किया गया है–

1.श्री मधु सूदन जी बिहाणी, महासचिव शिक्षा
2. सीए अनिल कुमार जी सारडा, कोषाध्यक्ष
3.श्री रमेश जी मणिहार, समाज संरक्षक
4. श्री मनोहर लाल जी सारडा, समाज संरक्षक
5.श्री सत्यनारायण जी काबरा (अम्बाबाड़ी)
6. श्री अरुण जी लोहिया

राष्ट्र एवं समाज की धरोहर शिक्षार्थी को तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा प्रदत्त कर स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता के पथ पर अग्रसर करना श्री माहेश्वरी समाज की शिक्षा समिति का परम ध्येय है। इसके माध्यम से शिक्षार्थी विशेष शिल्प व कौशल में दक्षता व प्रशिक्षण प्राप्त कर अपना भविष्य चुन सकता है, उसे सुरक्षित बना सकता है। अध्ययनावधि में शिक्षा समिति शिक्षार्थी व अभिभावकों से समय-समय पर संवाद कर, उनकी शैक्षणिक एवं अन्य स्तरों पर की गई प्रगति की जानकारी लेंगे, ताकि उनकी प्रगति के मार्ग में आने वाली बाधाओं, समस्याओं को इंगित व चिह्नित कर उनका यथासमय- यथोचित समाधान किया जा सके। कोष की सहायता व सहयोग से शिक्षार्थी को उद्यम प्रदर्शन, प्रतिस्पर्धात्मकता, अनुसंधान व नवाचारों के समुचित प्रयोग की प्रवृति को बढ़ावा दिया जाएगा, साथ ही तकनीकी शिक्षा से जुड़े कार्यक्रमों के पाठ्यक्रमों और विषय सामग्री की समय-समय पर समीक्षा की जाएगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप देश की तकनीकी एवं व्यावसायिक आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से पूर्ण किया जा रहा है।

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर द्वारा इस प्रयोजनार्थ'' महेश उच्च शिक्षा सहयोग कोष'' की स्थापना की जाएगी, जिसके अनुसार उक्त समिति को प्रतिवर्ष अधिकतम रुपये 5 करोड़ की समग्र निधि (Corpus fund) उपलब्ध करवाई जाएगी। सोसायटी (ECMS) को उक्त समिति को एक वर्ष में अधिकतम रुपये 5 करोड़ तक का आर्थिक सहयोग प्रदान करने का अधिकार होगा। यदि किसी वर्ष 5 करोड़ से कम राशि का आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है तो समिति स्तर पर संबंधित वर्ष में जितनी राशि का सहयोग प्रदान किया गया है उतनी ही राशि उक्त समग्र निधि (Corpus fund) में अगले वर्ष सोसायटी (ECMS) द्वारा हस्तान्तरित की जाएगी। समिति के पास कुल जमा कोष की अधिकतम सीमा 5 करोड़ रु. होगी। इससे ज़्यादा रकम होने पर समिति को तिमाही आधार पर राशि ECMS को वापस जमा करवाना होगा। उक्त समिति अपने पास उपलब्ध फण्ड को बचत खाता अथवा स्थाई निधि (Fixed Deposit) बैंक में करवाएगी ताकि ब्याज का कोई नुकसान न हो।

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर (ECMS) द्वारा ''उच्च, तकनीकी एवं व्यवसायिक शिक्षा सहयोग हेतु नौ सदस्यीय समिति का गठन तीन वर्ष हेतु किया जाएगा।

उक्त समिति मेधावी/ज़रूरतमंद शिक्षार्थियों के उच्च, तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के आर्थिक सहयोग हेतु कार्य करेगी।

चयनित शिक्षार्थी को संबंधित पाठ्यक्रम के लिए उसके द्वारा भुगतान की जाने वाली कुल फीस का 80 प्रतिशत अथवा 15 लाख रुपये (जो भी कम हो) तक की सहयोग राशि प्रदान की जाएगी। सहयोग राशि का निर्धारण समिति द्वारा कोर्स की फीस के आधार पर किया जाएगा। उक्त समिति द्वारा सहयोग राशि का निर्धारण संस्थान की फीस तथा हॉस्टल में रहने व खाने के खर्चे के आधार पर आनुपातिक रूप से किया जाएगा।

इस सुविधा की अधिक जानकारी हेतु सोसायटी कार्यालय एमपीएस इन्टरनेशनल स्कूल, तृतीय तल,
भाभा मार्ग, तिलक नगर, जयपुर पर सम्पर्क कर सकते हैं।

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर
एक नए कीर्तिमान की ओर

शिक्षा समिति पिछले 100 वर्षों से शिक्षा के प्रचार-प्रसार में सतत् योगदान दे रही है। इस यात्रा में समिति ने न केवल विद्यालयों और महाविद्यालयों की स्थापना की, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज के सर्वांगीण विकास को भी प्राथमिकता दी है। अब इसी क्रम को और अधिक प्रभावी बनाते हुए, समाज स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित करने की दिशा में अग्रसर हो रहा है।

समिति द्वारा गणपतपुरा में 20,243 वर्ग गज भूमि पर ''माहेश्वरी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज'' की स्थापना की संभावनाओं पर गहन विचार-विमर्श किया जा रहा है। यह संस्थान केवल चिकित्सा शिक्षा प्रदान करने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह समाज के प्रति उत्तरदायित्व को निभाते हुए नवीनतम चिकित्सा सुविधाओं से युक्त एक उत्कृष्ट चिकित्सा केंद्र के रूप में भी विकसित होगा।

मेडिकल इंस्टीट्यूट की स्थापना का उद्देश्य देश में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा का विस्तार, आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, तथा मेडिकल रिसर्च को प्रोत्साहित करना है। इस संस्थान में एमबीबीएस, पीजी डिग्री/डिप्लोमा, नर्सिंग, पैरामेडिकल और फार्मेसी जैसी विभिन्न चिकित्सा पाठ्यक्रमों की शुरुआत की जाएगी। साथ ही, एक सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल की स्थापना भी प्रस्तावित है, जो न केवल समाज के जरूरतमंद वर्ग को आधुनिकतम चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करेगा, बल्कि संपूर्ण भारतवर्ष में चिकित्सा क्षेत्र में एक आदर्श संस्थान के रूप में अपनी पहचान स्थापित करेगा।

माहेश्वरी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि समाज की सेवा और राष्ट्र के उत्थान का एक सशक्त माध्यम होगा, जो भविष्य में चिकित्सा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में नए मानदंड स्थापित करेग। शिक्षा समिति का यह प्रयास भारतवर्ष में चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक नई क्रांति लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

परियोजना का चरणबद्ध विकास

उल्लेखनीय है कि विगत 8 माह में इस हेतु विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों यथा आई.बी. विद्यालय, खेलकूद से संबंधित विद्यालय, व्यावसायिक शिक्षा हेतु संस्थान एवं चिकित्सा शिक्षा हेतु विश्वविद्यालय सहित अन्य योजनाओं पर गहन मथंन किया गया तत्पश्चात शिक्षा समिति की सभा दिनांक में गणपतपुरा भूखंड पर चिकित्सा शिक्षा से जुडी परियोजना प्रारम्भ करने हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। इस प्रस्ताव पर शिक्षा समिति द्वारा सर्व सम्मिति से सहमती व्यक्त करते हुये इस महत्वाकांक्षी योजना के सूचारु क्रियान्वयन हेतु 2 प्रमुख समितियाँ निम्नानुसार गठित की गयी है।

1. परियोजना नियोजन, संचालन एवं वित्तीय प्रबंधन समिति (11 सदस्य)

पदनाम	संख्या
1. परियोजना समिति चेयरमैन	1
2. परियोजना संयोजक	1
3. परियोजना सचिव	1
4. वित्तीय सलाहकार	1
5. कानूनी एवं नियामक विशेषज्ञ	1
6. स्वास्थ्य प्रबंधन विशेषज्ञ	2
7. अन्य सदस्य	4

2. भूमि एवं भवन निर्माण समिति (11 सदस्य)

पदनाम	संख्या
1. निर्माण समिति चेयरमैन	1
2. निर्माण संयोजक	1
3. निर्माण सचिव	1
4. आर्किटेक्ट एवं सिविल इंजिनीयर	2
5. बजट एवं वित्तीय विशेषज्ञ	1
6. स्वास्थ्य प्रंबंधन विशेषज्ञ	1
7. अन्य सदस्य	4

प्रथम चरण **समयावधि 24-36 माह, अनुमानित लागत ₹ 150 करोड़**

300-बेड मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल कॉलेज, टेलीमेडिसिन सुविधा।

द्वितीय चरण **समयावधि 48-60 माह, अनुमानित लागत ₹ 250 करोड़**

मेडिकल विश्वविद्यालय, 500+ बेड अस्पताल, रिसर्च एवं डायग्नोस्टिक सेंटर, अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से सहयोग।

यह परियोजना समाज के लिए एक ऐतिहासिक पहल है, जिसमें श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के सदस्यों में से विषय विशेषज्ञों अथवा अनुभवी महानुभावों का सहयोग लिया जाएगा।

शिक्षा समिति की सभा में लिये गये निर्णयानुसार उपरोक्त वर्णित परियोजना **नियोजन, संचालन एवं वित्तीय प्रबंधन समिति** के चेयरमैन पद हेतु **श्री मधूसूदन जी बिहाणी** तथा **भूमि एवं भवन निर्माण समिति** के चेयरमैन पद हेतु **श्री मनोज जी मूंदडा** को सर्व सम्मिति से नियुक्त किया गया।

माननीय अध्यक्ष श्री केदार मल जी भाला, समाज महामंत्री एवं महासचिव शिक्षा को उपरोक्त समितियों हेतु निर्धारित विशिष्ट योग्यतानुसार सदस्यों की नियुक्ति के लिए सर्वसम्मति से अधिकृत किया।

समाजबंधुओं से आग्रह है कि इस महान संकल्प को साकार करने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

आप सभी के स्नेह, सहयोग और समर्थन के लिए पुनः हार्दिक धन्यवाद।

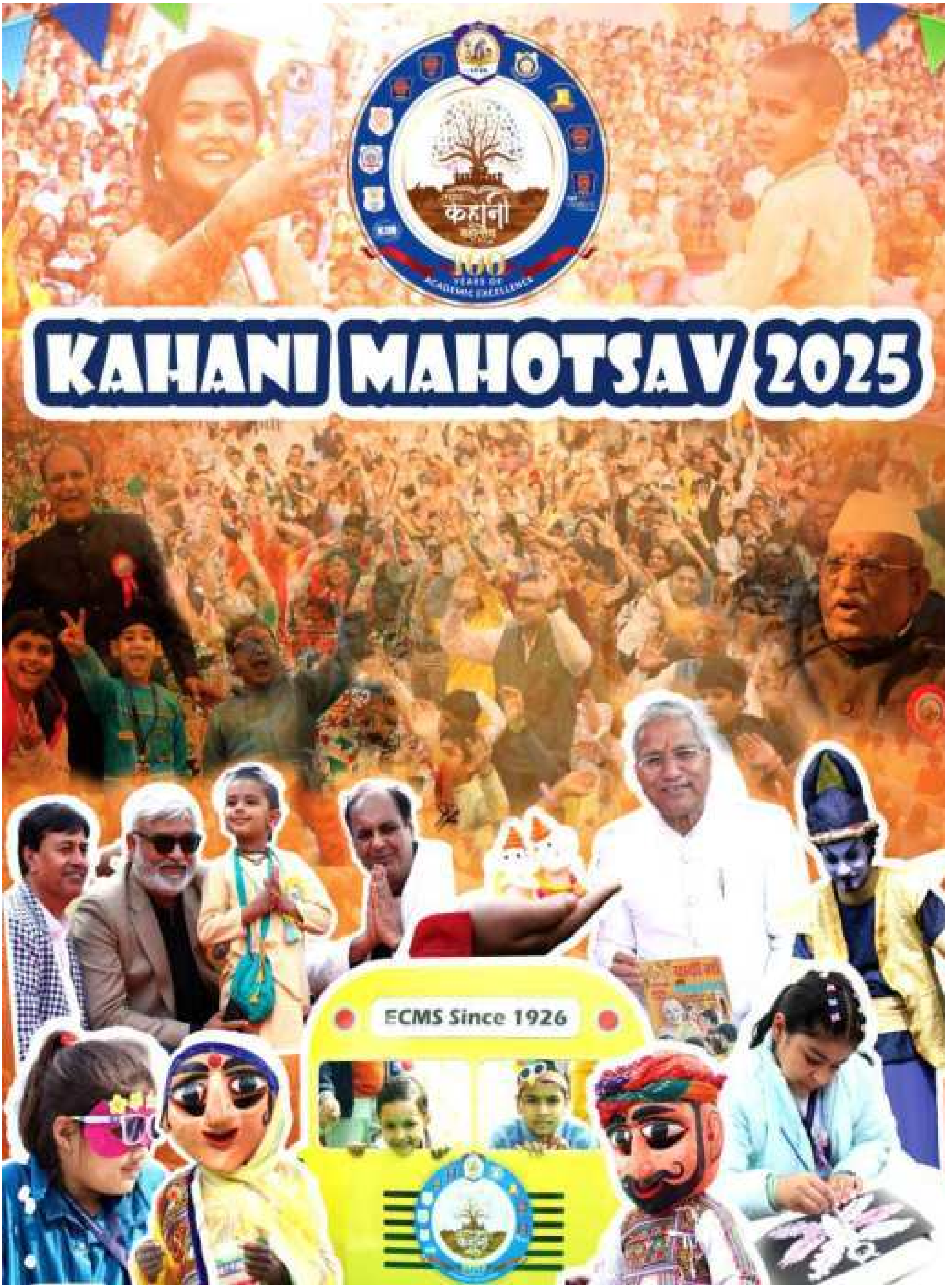
100 YEARS OF ACADEMIC EXCELLENCE
KAHANI MAHOTSAV 2025
ECMS Since 1926

mps कहानी महोत्सव
The Education Committee of The Maheshwari Samaj (Society), Jaipur
WELCOMES YOU
कहानी महल

कहानी
छोटे बच्चों का
MAHAKUMBH
" कहानी केवल कल्पना और संवाद नहीं, आत्मा की अभिव्यक्ति है।"
कहानी की दुनिया
कहानी महल
कहानी घर
रंग मंच
कल्पना कुंज
कहानी कुटिया
कहानी कुंड
कला आँगन
GOODIE BAG
नवोदित 150 छात्र/छात्रा और अध्यापक पुस्तक लेखकों को सम्मानित किया
DOODLE WALL
कहानी के 60 सत्रों के लिये भारत के अनेकों शहरों से प्रसिद्ध कथाकार आये

Kahani Mahotsav in MEDIA
जयपुर सिटी भास्कर 24-01-2025
बच्चों ने सुनी अकबर-बीरबल, पृथ्वीराज चौहान की कहानी... मैजिक, पपेट शो के साथ इंटरेक्टिव सेशन
विक्रम-बेताल की दुविधाएं, तेनालीराम की चतुराई, अकबर-बीरबल के किस्से सुनेंगे बच्चे
'ट्विंकल-ट्विंकल लिटिल स्टार, कृष्णा मेरे सुपर स्टार', बच्चों ने वॉइस आर्टिस्ट से सुनी कहानियां
SUNDAY patrika.com
पौराणिक कथाएं और कहानियां बौद्धिक क्षमता के विकास का आधार : राज्यपाल
बचपन के सभी रंगों में बुनी हुई कहानियां सुनाएंगे कथाकार
नुक्कड़ नाटक और मैजिक शो, विभिन्न भाषाओं में होंगे सेशन
mps कहानी महोत्सव
100 YEARS OF ACADEMIC EXCELLENCE
जवाहर कला केंद्र में MPS कहानी महोत्सव का आगाज
FOLLOW US
1st & 2nd February 2025

ईसीएमएस ने मनाया 76वाँ गणतंत्र दिवस

दिनांक 26 जनवरी, 2025 को माहेश्वरी समाज की शिक्षा समिति के तत्वावधान में 76वें गणतंत्र दिवस को बड़े उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया, जिसमें संचालित सभी शैक्षणिक संस्थान एक ही परिसर में एकत्रित हुए। समग्र कार्यक्रम 'स्वर्णिम भारत: विरासत और विकास' थीम पर आधारित था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फर्स्ट इंडिया न्यूज के सीईओ और प्रधान संपादक श्री जगदीश चंद्र और विशिष्ट अतिथि सुप्रसिद्ध व्यवसायी और समाजसेवी श्री बजरंग जाखोटिया थे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि समेत शिक्षा समिति के अध्यक्ष श्री केदारमल भाला, उपाध्यक्ष श्री बजरंग लाल बाहेती, महासचिव शिक्षा श्री मधुसूदन बिहाणी, समाज महामंत्री श्री मनोज मूंदड़ा और पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलित करने के साथ हुई। मुख्य अतिथि के द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया जिसके बाद छात्रों द्वारा अनुशासन और समर्पण का परिचय देते हुए एक सुव्यवस्थित परेड की गई। स्कूल बैंड के लाइव प्रदर्शन ने इस अवसर को और भी उत्साह व उमंग पूर्ण बना दिया। बैंड की मनोरम धुनों से वातावरण देशभक्ति से सराबोर हो गया। स्वतंत्रता और एकता के प्रतीक तिरंगे गुब्बारों के गुच्छ आसमान में उड़े। पूरे स्कूल परिसर को तिरंगे की सजावट से सजाया गया था, जिससे राष्ट्रीय गौरव का माहौल बना।

दोनों ही अतिथियों का विशुद्ध भारतीय परंपरा के अनुसार पुष्पहारों से स्वागत और पारंपरिक साफा पहनाकर बहुमान किया गया तथा आभार के प्रतीक के रूप में उन्हें शॉल ओढ़ाकर स्मृति चिह्न प्रदान किया गया। शिक्षा समिति के अध्यक्ष ने अपने भाषण में उपस्थित सम्मानित लोगों का स्वागत किया। शिक्षा महासचिव ने शिक्षा समिति के विज़न और मिशन को प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने युवा मन में देशभक्ति और एकता के मूल्यों को विकसित करने की समिति की तीव्र इच्छा पर ज़ोर दिया। विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की एक समृद्ध श्रृंखला ने भारत की विविधतापूर्ण विरासत व विकास-यात्रा को प्रदर्शित किया। संचालित प्रत्येक स्कूल ने एक अनूठा प्रदर्शन प्रस्तुत किया, जिसमें पारंपरिक नृत्य, देशभक्ति गीत और राष्ट्रीय गौरव और एकता के विषय को दर्शाते हुए नाट्य-नृत्य शामिल थे। शिक्षा समिति द्वारा संचालित पूर्व प्राथमिक विद्यालयों के नौनिहालों ने टॉय परेड के माध्यम से सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समूचे सांस्कृतिक कार्यक्रम में हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और उपलब्धियों को भी दर्शाया गया, जिसने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया।

समारोह का मुख्य आकर्षण छात्रों द्वारा प्रस्तुत 'विकसित भारत' शीर्षक वाली झाँकियों का जीवंत प्रदर्शन था। इस रचनात्मक प्रदर्शन में भारत की समृद्ध विरासत और प्रगति यात्रा को दर्शाया गया, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि ने ईसीएमएस के ऐसे भव्य समारोहों की सावधानीपूर्वक योजना और क्रियान्वयन के लिए समिति के प्रयासों की सराहना की तथा छात्रों में देशभक्ति और राष्ट्रीय कर्तव्यबोध के मूल्यों को पल्लवित व पुष्पित करने के लिए समस्त पदाधिकारियों के समर्पण को शिक्षा जगत के लिए प्रेरणा-स्रोत बताया। अंत में कार्यक्रम का समापन करते हुए आयोजक विद्यालय एमपीएस जवाहरनगर के शिक्षा सचिव सीए अमित गट्टानी ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र गीत के साथ हुआ।

केदार मल भाला
अध्यक्ष
मो. 93145 03259

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर

वार्षिक प्रतिवेदन

(फरवरी 2024 से जनवरी 2025)

मनोज मूंदड़ा
महामंत्री
मो. 93142 22222

सम्माननीय बन्धुओं, मातृशक्ति एवं युवा साथियों,

जय महेश!

अत्यन्त गौरव की बात है कि हमारे समाज संस्थापकों की दूरदर्शी सोच के कारण सूर्य सप्तमी के शुभ दिन सन् 1925 ई. में स्थापित ''श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर'' अपनी स्थापना के गौरवशाली 100वाँ वर्ष पूर्ण कर चुका है। श्री महेश भगवान की असीम अनुकम्पा, समाज बंधुओं के अथक सहयोग व स्नेह के फलस्वरूप श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर विशाल जनसमुदाय की सेवा करता हुआ 101वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है एवं नित नये कीर्तिमान स्थापित करने के लिए कृत संकल्प है। समाज के इस वार्षिकोत्सव के शुभ अवसर पर आप सभी को कोटि–कोटि मंगलकामनाएँ।

प्रबन्धन :- समाज का संचालन श्री माहेश्वरी समाज के सदस्यों द्वारा चुनी गई कार्यकारिणी के निर्वाचित अध्यक्ष, 90 निर्वाचित सदस्य एवं 2 पदेन सदस्य सहित कुल 93 सदस्यों द्वारा किया जाता है। वर्तमान में अध्यक्ष, 41 पदाधिकारी एवं 49 सदस्य व 1 पदेन सदस्य हैं। कार्यकारिणी का कार्यकाल विधान के अनुसार तीन वर्ष का है। समाज का पंजीकृत कार्यालय माहेश्वरी भवन, चौड़ा रास्ता, जयपुर में स्थित है। समाज का प्रशासनिक कार्यालय एम.पी.एस. इन्टरनेशनल, तिलक नगर स्थित परिसर में संचालित किया जा रहा है।

सत्र 2022–25 के लिए अध्यक्ष **श्री केदार मल भाला** तथा महामंत्री **श्री मनोज मूंदड़ा** हैं।

1. **महेश सेवा कोष :-** ''धन के अभाव मे कोई भी स्वजातीय बालक–बालिका, वृद्धजन एवं असहाय परिवार के सदस्य शिक्षा, चिकित्सा एवं भरण–पोषण से वंचित न रहें'' इस पुनीत कार्य हेतु महेश सेवा कोष की स्थापना की गई है। जिसका संचालन एक समिति द्वारा किया जा रहा है। **श्री मालचन्द बाहेती**–महेश सेवा कोष मंत्री, **श्री बृजमोहन बाहेती** एवं **श्री संदीप कचौलिया**–समन्वयक है। **श्री महेश मूंदड़ा**, जोन–1 संयोजक, **श्री रवि तामड़ी** (चौकड़ी संयोजक, चारदिवारी दक्षिण), **श्री मनीष बाहेती** (चौकड़ी संयोजक, चारदिवारी उत्तर), **श्री महावीर नोवाल** (चौकड़ी संयोजक, मोती डूंगरी), **श्री राजीव बागडी** जोन–2 संयोजक, **श्री महेश कुमार मालपानी** (चौकड़ी संयोजक, विद्याधर नगर), **श्री रामसहाय मांधना** (चौकड़ी संयोजक, शास्त्री नगर), **श्री कृष्ण गोपाल होलानी** जोन–3 संयोजक, **श्री विष्णु तोषनीवाल** (चौकड़ी संयोजक, झोटवाड़ा), **श्री अरूण मंत्री** (चौकड़ी संयोजक, मुरलीपुरा) **श्री हरीश भराड़िया** जोन–4 संयोजक, **श्री रमेश कुमार भैया** (चौकड़ी संयोजक, वैशाली नगर), **श्री सुनील साबू** (चौकड़ी संयोजक, बनीपार्क), **श्री हरीश डागा** जोन–5 संयोजक, **श्री अनिल साबू** (चौकड़ी संयोजक, मानसरोवर), **श्री सुष्मित बागला** (चौकड़ी संयोजक, श्याम नगर), **श्री ओम प्रकाश जैथलिया** जोन–6 संयोजक, **श्री वासुदेव बंग** (चौकड़ी संयोजक, टोंक फाटक), **श्री आशीष गाँधी** (चौकड़ी संयोजक, बापू नगर) एवं **श्री मोहित मैनाना** (चौकड़ी संयोजक, सांगानेर) के संयोजक हैं। महेश सेवा कोष के नियमों के सरलीकरण एवं समस्या निवारण हेतु 5 सदस्यों की समिति का गठन किया गया है जिसके **श्री बालकिशन सोमानी**, **श्री बजरंग जाखोटिया, श्री रामकिशन जाजू, श्री पुरुषोत्तम बिहानी एवं श्री बनवारी लाल मारू** सदस्य हैं।

फरवरी 2024 से जनवरी 2025 तक महेश सेवा कोष एवं स्थायी कोषों से समाज द्वारा विभिन्न मदों में करीब रु. **1,20,00,000/–** की सहायता समाज बन्धुओं को प्रदान की गई। महेश नवमी पर्व के शुभ अवसर पर दानदाताओं से प्राप्त भेंट राशि ही इस कोष की आय का मुख्य स्त्रोत है। इस वर्ष महेश नवमी पर्व पर समाज के कर्मठ कार्यकर्त्ताओं द्वारा दानदाताओं से 1 अप्रेल, 2024 से अब तक एकत्रित की गई राशि लगभग रु. **24,55,689/–** व स्थायी कोषों के हस्ते रु. **2,21,07,395/–**, तथा कोषों पर प्राप्त ब्याज लगभग रु. **86,00,000/–** सहित कुल राशि रु. **3,31,63,084/–** है। श्री ज्योति कुमार माहेश्वरी (समाज संरक्षक) द्वारा महेश नवमी पर लगातार पाँचवी बार सर्वाधिक राशि **3,00,000/–** भेंट की गई। नवीन सत्र 2022–25 के लिए राशि संकलन **श्री पवन बजाज**–उपाध्यक्ष (वित्त) एवं **श्री रविन्द्र झंवर**–अर्थमंत्री द्वारा सहयोग प्रदान किया जा रहा है। श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर सभी दानदाता बंधुओं का हृदय से आभार व्यक्त करता है।

महेश सेवा कोष के माध्यम से दी जा रही सहायता :

(अ) शिक्षा सहायता– जिन परिवारों की कुल मासिक आय **10,000 रु.** तक है उन माहेश्वरी परिवारों के शिक्षार्थियों को श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा संचालित विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण करने पर विद्यालय शुल्क का सहयोग दिया जाता है। ऐसे परिवारों के शिक्षार्थियों को जो अन्य विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं प्रति शिक्षार्थी अधिकतम **7500 रु.** वार्षिक का सहयोग दिया जाता है जो प्रति परिवार अधिकतम **15000 रु.** वार्षिक है।

(ब) मासिक सहायता– विधवा बहनों एवं वृद्धजनों बन्धुओं जिनकी आय का कोई भी साधन नहीं है उनके भरण–पोषण हेतु समाज बन्धुओं को माह **जून 2023 से सहायता राशि 4,500/– रुपये** मासिक भरण–पोषण हेतु NEFT द्वारा बैंक खाते में प्रदान की जा रही है।

(स) चिकित्सा सहायता – जिन माहेश्वरी परिवारों की कुल मासिक आय **रु.10,000/–** से कम है उन परिवारों को महेश अस्पताल एवं राजकीय चिकित्सालयों की दवाईयाँ के लिए प्रति परिवार अधिकतम **रु.11,000/–** वार्षिक सहायता दी जाती है।

(द) इस कोष से आर्थिक रूप से कमजोर माहेश्वरी परिवारों को पुत्री विवाह के अवसर पर **'कन्यादान'** के रूप में भी सहायता राशि प्रदान की जाती है।

2. **महेश सेवा कोष में स्थायी कोष**– स्थायी कोष स्थापित करने वाले समाज बंधु एवं उनके प्रेरक बधाई के पात्र हैं। अब तक **478 स्थायी कोष** स्थापित किये जा चुके हैं, **जिनकी वर्तमान में कुल जमा राशि 10.53 करोड़ रुपये है।**

3. **समाज कोष**– विवाह आदि मांगलिक अवसरों पर समाज बन्धुओं द्वारा दिये गये आर्थिक सहयोग हेतु एक पृथक् कोष की स्थापना की गई है। इसमें फरवरी, 2024 से अब तक लगभग **13,00,000/–** रुपये की राशि प्राप्त हुई है।

4. **माहेश्वरी इंटरनेशनल मैरिज ब्यूरो (MIMB):**– माहेश्वरी इंटरनेशनल मैरिज ब्यूरो (MIMB) द्वारा दिनांक 24 व 25 फरवरी 2024 को अखिल भारतीय स्तर पर माहेश्वरी युवक/युवती परिचय सम्मेलन में 316 युवक एवं 144 युवती प्रत्याशी सहित कुल 460 बायोडाटा पंजीयन हुए और इस आयोजन के माध्यम से 8 संबंध होने के समाचार प्राप्त हुये है। इस अवसर पर परिचय स्मारिका–2024 भी प्रकाशित की गई। जिसका आयोजन जनोपयोग भवन उत्सव में श्री राजीव बागड़ी के संयोजन में सम्पन्न हुआ। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए जून एवं सितम्बर माह में ऑन लाईन परिचय सम्मेलन आयोजित किये गयें इसी कड़ी में माह दिसम्बर–2024 में समाज परिसर में भौतिक रूप से परिचय सम्मेलन आयोजित किया जिसमें 169 युवक एवं 38 युवतियों के बायोडाटा पंजीयन हुए जिसकी ई–बुक तैयार की गई। जिसमें पूरे भारतवर्ष से लगभग 250 समाज बन्धुओं की उपस्थिति रही। वेबसाइट का प्रचार प्रसार कर 1700 से अधिक नए बायोडाटा पंजीयन किये गए। सरलीकरण और अधिक उपयोगिता पूर्ण बनाने हेतु वेबसाइट अपडेशन कार्य निरंतर जारी जिसमें कुल बायोडाटा 3825 सक्रीय हैं। मैरिज ब्यूरो चेयरमैन **श्री संजय माहेश्वरी**, विवाह प्रकोष्ठ मंत्री **श्री सत्यनारायण करवा** की देखरेख में मैरिज ब्यूरो की गतिविधियों का सुचारू रूप से संचालन किया जा रहा है।

5. **श्री माहेश्वरी समाज जनोपयोगी भवन 'उत्सव'**– ''उत्सव'' भवन गत लगभग 17 वर्षों से समाज के वैवाहिक, धार्मिक व अन्य मांगलिक कार्यों में लगातार उपयोग में आ रहा है। यह भवन गत वर्षों के इतिहास में माहेश्वरी समाज, जयपुर की सर्वाधिक लोकप्रिय व महत्वपूर्ण उपलब्धि है। समाज बन्धु ''उत्सव'' की उपलब्धता के अनुसार मुहूर्त निकलवाने में प्राथमिकता देतें हैं। सामाजिक आयोजनों के अतिरिक्त अन्य राष्ट्रीय व प्रादेशिक स्तर के आयोजनों में भी ''उत्सव'' सभी की पहली पसंद है।

   ''उत्सव'' की प्रबन्ध समिति सत्र 2022–25 का गठन नवम्बर 2022 में हुआ। प्रबन्ध समिति के 49 सदस्यों व संचालन समिति के 11 सदस्यों द्वारा भवन का संचालन किया जा रहा है। प्रबन्ध समिति के चेयरमैन **श्री विनोद कुमार तोतला** व सचिव **श्री सुरेश कालानी** हैं।

   विगत काफी समय से भवन के उपयोगकर्ताओं एवं सम्माननीय समाज बन्धुओं द्वारा भवन में कमरों की संख्या में वृद्धि का सुझाव प्राप्त होता रहा था। अतः प्रबन्ध समिति के निर्णय से ब्लॉक ए के तृतीय तल के निर्माण की महत्वाकांक्षी योजना पर कार्य प्रगति पर है। इस तल पर 22 अत्याधुनिक सुख सुविधा युक्त कमरे जिनमें एक Suit Room, किचन, डाईनिंग हॉल, स्टोर, पार्लर एवं प्रेस की सुविधा भी अलग से दी गई है। अप्रैल 2025 में उपरोक्त तक ाी उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध करवाने का प्रयास किये जा रहें। ''उत्सव'' में उपलब्ध सुविधाओं व अन्य सभी विषयों की जानकारी ''उत्सव'' की वेबसाईट www.utsavjaipur.in के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है। मो.न. 9251033701 व 9251033703 पर सम्पर्क कर आरक्षण सम्बन्धी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

6. **श्री माहेश्वरी समाज जनोपयोगी भवन 'अभिनन्दन'**– श्री माहेश्वरी समाज जनोपयोगी भवन ''अभिनन्दन'' सर्व समाज बन्धुओं के लिए सामाजिक, धार्मिक एवं पारिवारिक अनुष्ठान व विवाह समारोह आदि के लिए किफायती दरों पर उपलब्ध है।भवन 152 बैड क्षमता के साथ पूर्णतः सुसज्जित एवं वातानुकूलित है। भवन में सुसज्जित एवं वातानुकूलित 1 बड़ा बैंक्वेट हॉल, फूड कोर्ट व मण्डप एरिया, 2 मिनि बैंक्वेट हॉल, 2 डायनिंग हॉल, 4 छोटे किचन, 2 बडे किचन, 2 पैसेंजर लिफ्ट, 1 लोडिंग लिफ्ट व डबल बेसमेन्ट वैले पार्किंग की सुविधा के साथ उपलब्ध है। इसी के परिणामस्वरूप मांगलिक, धार्मिक, सामाजिक कार्यक्रमों के लिए भवन अप्रैल 2024 से वर्तमान माह तक 152 दिन बुक रहा है। द्वितीय निर्वाचित प्रबन्ध समिति (सत्र 2022–25) के चेयरमैन **श्री शांति लाल जागेटिया**, सचिव **श्री महेश कुमार साबू** व अन्य पदाधिकारियों के नेतृत्व में भवन का सफल संचालन किया जा रहा है। भवन की अन्य जानकारी हेतु फोन नं. 0141–2980659, 7414038883 abhinandanmansarover@gmail.com पर सम्पर्क किया जा सकता है।

7. **श्री माहेश्वरी समाज जनोपयोगी भवन 'आनन्दम्'**– श्री माहेश्वरी समाज जनोपयोगी भवन 'आनन्दम्' जगदम्बा नगर, वैशाली नगर का भूमि पूजन 6 मार्च, 2022 को सम्पन्न हुआ था। जिसके पश्चात् जेडीए से नक्शे पास करवाते हुए भवन का निर्माण कार्य प्रारम्भ कर दिया गया। भवन का कुल निर्माण क्षेत्रफल 30,000.00 वर्ग फीट है अब तक भवन में 1 बेसमेन्ट, भूतल एवं 5 मंजिल का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। भवन की फिनिशिंग का कार्य प्रगति पर है। जिसमें 28 कमरे, एक बडा वैंक्वेट हॉल (डबल हाइट), स्टिल्ट फ्लोर पर फूडकोर्ट, डाइनिंग हॉल तथा महिला–पुरुष हेतु अलग–अलग टॉयलेट की व्यवस्था की गई है। इस भवन में ऑफिस ब्लॉक व स्टोर रूम की भी व्यवस्था रहेगी। इस भवन समिति के चेयरमैन (निर्माण) **श्री विष्णु लढ्ढा** चेयरमैन (वित्त) **श्री राधेश्याम काबरा** सचिव (निर्माण) **श्री हरीश मालू**, सचिव (वित्त) **श्री हरीश भुराड़िया**, समन्वयक (भवन) **श्री विकास मोहता** है।

8. **'कृष्णधाम' वृद्धाश्रम**– आज के भौतिक युग में बुजुर्गों को जो सम्मान मिलना चाहिये वह नहीं मिल पा रहा है। उन्हें श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर अपनी अलौकिक कृति ''कृष्णधाम'' में पूर्ण सम्मान के साथ एवं सुख–शांति से जीवन जीने की व्यवस्था करता है। आश्रम 2 मंजिला है उसमें 27 कमरे है 40 निवासियों के रहने की व्यवस्था है और प्रत्येक रविवार को गीता जी के पाठ व शनिवार को सुन्दर कांड का पाठ किये जाते है।

   दोनों मंजिलों व छत पर धूप सेवन/योगासन (Exercise) हेतु आने जाने के लिए लिफ्ट की सुविधा उपलब्ध है। आश्रमवासियों के लिए पौष्टिक भोजन के साथ दूध, फल भी समय पर दिया जाता है। प्रत्येक मंजिल पर वाटर कूलर, टीवी, सोफा आदि की Comman व्यवस्था है। प्रत्येक शयन कक्ष में बेड, गद्दा, तकिया, रजाई,कंबल, टेबल, कूलर, अलमारी, मिरर, गीजर, Cool-hot बोटल/कप आदि जरुरी सामान के साथ Attached Toilet भी सभी सुविधाओं से युक्त है। मासिक ब्लड प्रेशर, सुगर आदि की जाँच के अलावा समय समय पर एक्यूप्रेसर व फिजियोथेरेपी की सेवाओं का प्रावधान भी है। **श्री श्रीबल्लभ मारू**–वरिष्ठजन आवास एवं कल्याण मंत्री, **श्री रमेश पचीसिया एवं श्री प्रमोद लखोटिया** वृद्धाश्रम संभालने का निर्वहन कर रहे हैं।

9. **माहेश्वरी डायग्नोस्टिक सेन्टर, विद्याधर नगर :**– डायग्नोस्टिक सेन्टर में आधुनिक मशीनों द्वारा जाँच की जा रही है। अन्य डायग्नोस्टिक सेन्टरों की अपेक्षा में जाँचे बहुत कम दरों पर रखी गई है। सेन्टर की सेवाओ के विस्तारांतर्गत फिजियोथेरेपिस्ट, जनरल फिजिशियन एवम चर्म रोग विशेषज्ञ की सेवाएँ भी शुरू कर दी गई है। स्वास्थ्य मंत्री **डॉ. अरूण परतानी**, संयोजक **श्री पवन बजाज** (मुरलीपुरा) एवं समन्वयक **श्री संदीप मूंदड़ा** की देखरेख में संचालन किया जा रहा है। **जाँचों की सुविधाओ के विस्तार में निम्न मशीने स्थापित की गई है :–**

   1. Fully Automated Electrolyte Analyzer
   2. Fully Automated ESR Machine
   3. Fully Automated Hba1c Machine With **HPLC**
   4. Fully Automated Biochemistry Analyzer
   5. Fully Automated Immunoassay Analyzer (Under Process)

डायग्नोस्टिक सेन्टर में फरवरी 2024 से जनवरी 2025 की अवधि में 133342 मरीजों का जांच हेतु पंजीकरण हुआ, जिनके द्वारा सेन्टर में करवाई गई जाँचों का विवरण निम्न प्रकार है :

Service	X-Ray	USG	Package	MRI	CT Scan	Echo	Pathology	Total Patient
Total No. of Patient	4499	7182	2871	636	376	849	116929	133342

10. **माहेश्वरी डायलिसिस डायग्नोस्टिक एण्ड रिसर्च सेन्टर, निर्माण नगर**– आमजन को रियायती दरों पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से श्री माहेश्वरी डायलिसिस, डायग्नोस्टिक एवं रिसर्च सेन्टर को सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। आगन्तुकों तथा समाज के द्वारा प्राप्त सुझावों एवं पेशेन्ट की सुविधा को ध्यान में रखते हुये निर्माण नगर, सेन्टर में डेन्टल यूनिट का भी सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। श्री माहेश्वरी डायलिसिस डायग्नोस्टिक एण्ड रिसर्च सेन्टर समाज के उद्देश्य की ओर अग्रसर होते हुये टोंक रोड़, श्याम नगर ब्लड कलेक्शन सेन्टर का निर्माण नगर सेन्टर के द्वारा संचालन किया जा रहा है।

प्रबंधन समिति का पुनर्गठन मार्च 2023 में हुआ जिसके सदस्य **श्री अशोक खटोड़** (विद्याधर नगर) और **श्री गिरिराज लढ्ढा** तथा समाज के अध्यक्ष **श्री केदार मल भाला**, महामंत्री **श्री मनोज मूंदड़ा** व स्वास्थ्य मंत्री **श्री अरूण परतानी** के मार्गदर्शन से सेन्टर का संचालन किया जा रहा है। सेन्टर के अथक प्रयासों से समाज को 59 लाख रुपये का सहयोग प्रदान किया गया। श्री माहेश्वरी डायलिसिस, डायग्नोस्टिक एवं रिसर्च सेन्टर में फरवरी, 2024 से जनवरी 2025 की अवधि में कुल 33668 मरीजों को सुविधाएँ उपलब्ध करवाई गई जिनके द्वारा सेन्टर में करवाई गई जाँचों का विवरण निम्न प्रकार है :

Service	X-Ray	ECG	Sonography	Dialysis	2D-ECHO	Other	Total
Total No. of Patient	3119	1401	4059	1814	402	22873	33668

समाज के द्वारा प्राप्त सुझावो एवम् पेशेंट की सुविधा को ध्यान में रखते हुये OPD का शुभारम्भ किया गया जिसमें Gynecologist, General Physicians, Orthopedic तथा Pediatric Doctors अपनी सेवाऐ दे रहे हैं, निर्माण नगर सेन्टर के द्वारा समय–समय एवम् आवश्यकतानुसार जरूरतमद व्यक्तियों के शिविर आयोजित किये गये एवं 235 मरीजों को निःशुल्क डायलिसिस की सेवायें प्रदान की गई।

11. **ब्लड कलेक्शन सेन्टर**

श्याम नगर : डायग्नोस्टिक सेन्टर, विद्याधर नगर के अन्तर्गत श्याम नगर व सोडालावासियों की सुविधा हेतु कलेक्शन सेन्टर संचालित किया जा रहा है। जिसकी देख रेख के लिए **श्री सत्यनारायण मोदानी** संयोजक है।

टोंक रोड़ : श्री माहेश्वरी डायलिसिस डायग्नोस्टिक एण्ड रिसर्च सेन्टर निर्माण नगर, द्वारा टोंक रोड़ स्थित महेश कॉलोनी के महेश सत्संग भवन के बेसमेन्ट में सभी प्रकार जाँचों के ब्लड कलेक्शन सेन्टर संचालित किया जा रहा है। जिसकी देख रेख के लिए **श्री राकेश फोफलिया** संयोजक है।

12. **श्री माहेश्वरी महिला परिषद, जयपुर**– नवीन सत्र 2022–25 के लिए निवार्चित अध्यक्ष **श्रीमती ज्योति तोतला** एवं सचिव **श्रीमती अल्पना सारड़ा** है। श्री माहेश्वरी महिला परिषद द्वारा फरवरी 2024 से जनवरी 2025 तक के कार्यों विवरण निम्नानुसार है :

श्री माहेश्वरी महिला परिषद द्वारा 19 मार्च 2024 को 'फाग' का कार्यक्रम आयोजित किया गया इसमें करीब 250 महिलाओं ने भाग लिया। 20 अप्रैल, 2024 को 'नारी शक्ति सम्मान समारोह' का आयोजन किया। इसमें 15 सशक्त महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर उनका सम्मान किया गया। इसी कड़ी में माह मई में दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम नानी बाई का मायरा का आयोजन किया गया। दिनांक 16 जून, 2024 को महेश नवमी के उपलक्ष में श्री माहेश्वरी महिला परिषद द्वारा सांस्कृतिक संध्या 'मधुरम' का सफल आयोजन किया गया। महिला परिषद की बहनों ने शुद्ध सत्तू का आटा तैयार कर रियाती दरों पर उपलब्ध करवाया तथा तीज के त्यौहार पर जयपुर नगर निगम के साथ मिलकर सतरंगी मेले का आयोजन धूमधाम किया गया। 13 सितंबर को जन्माष्टमी के उपलक्ष में युगल महोत्सव का आयोजन किया गया इसमें करीब 150 महिलाओं ने कार्यक्रम का आनंद उठाया। महिला परिषद द्वारा 'श्रृंगार मेला' का दो दिवसीय आयोजन 30 व 31 अगस्त, 2024 को उत्सव भवन में किया गया। इसमें कुल 90 स्टॉल्स लगाई गई। महिला परिषद द्वारा मेला 'नवरंग' का तीन दिवसीय आयोजन 3, 4 व 5 अक्टूबर 2024 को उत्सव भवन में किया गया। इसमें कुल 100 स्टॉल्स लगाई गई। इस आयोजन में लगभग प्रतिदिन 1500 से 2000 समाज बंधुओ का आवागमन रहा। एक सामूहिक विवाह में 25 जोड़ों को हाथ की घड़ियों के सेट भेंट किए गए।

13. **श्री माहेश्वरी नवयुवक मण्डल, जयपुर**– श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के अन्तर्गत सन् 1961 से माहेश्वरी युवकों की उन्नति के निमित्त सेवा, सहयोग, संगठन एवं सुधार कार्य करते हुए श्री माहेश्वरी नवयुवक मण्डल जनसमुदाय की सेवा में कार्यरत है। श्री माहेश्वरी नवयुवक मण्डल (सत्र 2022–25) अध्यक्ष **श्री अभिषेक मांधना** एवं सचिव **सी.ए. अखिल भाला** है। दि. 17 फरवरी, 2024 को रिंगस से खाटू श्याम पद यात्रा का आयोजन **श्री श्याम सोनी** के संयोजन में किया। 19–23 जून तक एस.एम.एस. स्टेडियमें एम.पी.एल का आयोजन किया जिसके संयोजक श्री वैभव बिड़ला थे। दिनांक 15 सितम्बर, 2024 को श्री माहेश्वरी समाज द्वारा आयोजित सामूहिक गोठ में महेश मेला का भी आयोजन किया गया जिसमें लगभग 70 स्टॉल प्रदर्शनी की लगाई गई जिसके संयोजक **श्री अनुज सोनी** एवं कोषाध्यक्ष **श्री आदित्य सोनी** रहे। दिनांक 13 अक्टूबर, 2024 को माहेश्वरी स्कूल तिलक नगर में डांडिया महोत्सव का आयोजन किया गया जिसके लिए समाज बन्धुओं को प्रशिक्षण देने हेतु 8 दिनों तक माहेश्वरी स्कूल, तिलक नगर एवं एमजीपीएस विद्याधर नगर में प्रशिक्षण दिया गया, जिसके संयोजक **श्री पंकज चितालांग्या** रहे।

14. **सर्वधर्म मोक्षधाम चांदपोल :** श्री माहेश्वरी समाज जयपुर द्वारा वर्ष 2022 में नगर निगम, जयपुर से चांदपोल में स्थित मोक्षधाम की जमीन 19 साल 11 महीने के लिए लीज पर ली गई है। जिसे 3 मई 2022 से सर्वधर्म मोक्षधाम के नाम से संचालित किया जा रहा है। इसे सुचारु रूप से संचालित करने के लिए समिति का गठन किया गया है जिसमें चेयरमैन **श्री प्रदीप बाहेती**, कोषाध्यक्ष **सीए. राजेन्द्र परवाल**, सचिव **श्री ओमप्रकाश मांधना** हैं जो कि एक कर्मठ समाजसेवी के रूप में अपनी सेवाएं मोक्षधाम को दे रहे हैं। मोक्षधाम में 4 शवदाह स्थल हैं, जिसमें प्रतिदिन 7–8 दाहसंस्कार किये जा सकते हैं। यहां विश्राम हेतु दो बड़े हॉल भी है जिन्हें भव्य रूप देने के लिए हॉल में भगवत चित्रण कराया गया है और सुविधा हेतु कुर्सियों एवम् पंखों की व्यवस्था भी है अब इसमें कूलर की व्यवस्था भी जोड़ दी गई है। अन्य क्रिया कार्यों के लिए टीन शेड में पक्के फर्श का निर्माण कराया गया है एवं हवन–पूजा के लिए आसन, बर्तन, हवन–कुंड आदि एवं यहां पर अस्थिपुष्प को रखने के लिये लॉकर भी उपलब्ध कराए जाते हैं। मोक्षधाम में दाह संस्कार के लिए गोकाष्ट व थापडी का उपयोग किया जाता है जो कि पर्यावरण में संतुलन बनाए रखने में एक महत्वपूर्ण कदम है।

15. **आरोग्यम् – माहेश्वरी–योग, प्राकृतिक चिकित्सा एवं शिक्षण संस्थान :** व्याधियों के उपचार के लिए श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा संचालित 'माहेश्वरी आरोग्यम् प्राकृतिक चिकित्सालय' का शुभारंभ बनीपार्क, जयपुर में किया गया। यहां चिकित्सालय में अनेक प्राकृतिक उपचार विधियों द्वारा जन साधारण को अत्याधुनिक, सुसज्जित व सुव्यवस्थित रूप से उपचार दिया जाता है, जिसकी देख–रेख के लिए **श्री चन्द्र मोहन कासट** संयोजक हैं।

16. **पत्रिका प्रकाशन–** समाज द्वारा 'जयपुर माहेश्वरी पत्रिका' नई साज–सज्जा, आकर्षक कलेवर एवं सामयिक विषयों पर आधारित विभिन्न विशेषांकों के रूप में प्रतिमाह प्रकाशित की जा रही है। विशेषांक से संबंधित सारगर्भित एवं उपयोगी सामग्री के अतिरिक्त सामाजिक, शैक्षणिक, ECMS से संबंधित सभी जानकारियाँ– आवश्यक सूचनाएँ एवं अन्य सामाजिक गतिविधियों की जानकारी समाज बन्धुओं को पहुँचाने हेतु पत्रिका का प्रकाशन श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर की ओर से प्रचार मंत्री **श्री अरुण बाहेती** की देखरेख में किया जा रहा है। पत्रिका के प्रधान संपादक **श्री आशीष सोमानी** एवं संपादक **श्री संजय बियानी** है।

17. **सदस्यता समिति :–** समाज के विधानानुसार वर्तमान कार्यकारिणी सत्र 2022–25 के सदस्यों से प्राप्त सदस्यता प्रपत्रों का निरीक्षण व स्वीकृति समाज के संगठन मंत्री **श्री विमलकिशोर सारड़ा** द्वारा किया जा रहा है। 25 जनवरी, 2025 तक समाज में लगभग कुल 6021 परिवार हैं एवं 22541 मतदाता पंजीकृत सदस्य हैं।

18. **विधान संशोधन समिति :–** श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा नवीन सत्र 2022–25 हेतु विधान संशोधन समिति का गठन किया गया है जिसके **श्री जुगल किशोर कोठ्यारी**–संयोजक, **श्री घनश्याम दास मूंदड़ा, श्री मनोहर लाल सारड़ा, श्री राधा बल्लभ अजमेरा, श्री कैलाश चन्द परवाल, श्री सुरेन्द्र बजाज, श्री संजय माहेश्वरी एवं श्री बृजमोहन बाहेती** सदस्य है।

19. **वस्तु भंडार–** वस्तु भंडार की शाखाएँ माहेश्वरी विद्यालय भवन, तिलक नगर, 'उत्सव' भवन, विद्याधर नगर एवं 'अभिनन्दन' भवन, पत्रकार कॉलोनी, मानसरोवर में संचालित की जा रही हैं। भंडार में शादी विवाह तथा अन्य अवसरों पर आयोजित भोज में काम आने वाले सभी प्रकार के बर्तन उपलब्ध करवाये जाते हैं। वस्तु भण्डार की देखरेख सत्र 2022–25 के लिये **श्री श्याम दास मंत्री** –भंडार मंत्री संभाल रहे हैं। विद्यालय भवन में आयोजित तीये की बैठकों / शोक सभाओं में वस्तु भण्डार दरियाँ, कुर्सियाँ, माइक की व्यवस्था निःशुल्क उपलब्ध करवा रहा है।

20. **माहेश्वरी गोल्ड कार्ड योजना–** समाज के समस्त सदस्यों को विभिन्न क्षेत्रों (अस्पताल, डायग्नोस्टिक सेन्टर, मेडिकल स्टोर, रेस्टोरेन्ट, होटल, स्वीट्स शॉप, ग्रोसरी स्टोर, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रोनिक्स, गारमेन्ट्स, ज्वैलरी इत्यादि) में आकर्षक रियायतें उपलब्ध करवाने के लिए इस योजना की शुरूआत की गई थी। योजना से जुड़े संस्थानों की सूची समाज पत्रिका में समय–समय पर प्रकाशित की जाती है। नवीन सत्र 2022–25 के लिए गोल्ड कार्ड संयोजक **श्री हरीश कुमार डागा** हैं। नये गोल्ड कार्ड बनवाकर समाज के सदस्यों द्वारा समाज बन्धुओं में वितरित कर दिये गये है।

21. **मध्यस्थता एवं विवाद निराकरण समिति–** श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा नवीन सत्र 2022–25 हेतु मध्यस्थता एवं विवाद निराकरण समिति का गठन किया गया है जिसके **सीए. ब्रह्मप्रकाश मूंदड़ा**–संयोजक, **श्री सत्यनारायण काबरा** (अम्बाबाडी), **श्री द्वारका दास सोमानी**, **श्री गोपाल सोमानी** (मिठ्डी वाले) एवं **श्री विश्वनाथ सिंगची** (एडवोकेट) सदस्य है।

22. **विधि सलाहकार समिति–** श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा ऐतिहासिक कदम उठाते हुए प्रथम बार विधि सलाकार समिति का गठन किया गया जिसके संयोजक **एडवोकेट श्री विकास सोमानी** हैं।

23. **रोजगार प्रकोष्ठ :** संयोजक **श्री खगेश चितलांग्या** की देखरेख में माहेश्वरी युवक–युवतियों को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु रोजगार प्रकोष्ठ प्रारम्भ किया गया। माहेश्वरी समाज, जयपुर के लिए छात्रों का सर्वांगीण विकास हमेशा ही सर्वोपरि रहा है। वर्तमान में युवाओं के लिए रोजगार प्राप्त करना एक चुनौती बन गया है। इसके अन्तर्गत कई समाज बन्धुओं को रोजगार उपलब्ध करवाया गया है।

24. **महेश अन्न सेवा :** श्री माहेश्ववरी समाज, जयपुर नवीन सत्र 2022–25 द्वारा माह जुलाई, 2023 से आरम्भ की गई महेश अन्न सेवा वर्षपर्यन्त प्रत्येक गुरूवार को किया जा रहा है। इस अन्न सेवा के अन्तर्गत लगभग 500 जरूरतमंद बंधुओं को भोजन प्रसादी उपलब्ध करवाई जा रही है, आप अपने परिजनों की पुण्य तिथि, जन्मदिन एवं वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर पर इस सेवा का लाभ उठा सकतें है। इच्छुक समाज बंधु तिथि की उपलब्धता एवं अधिक जानकारी के लिए संयोजक **श्री शंकर लाल लढ्ढ़ा** 9414071813 व 0141–2623500 पर सम्पर्क कर सकते है।

25. **निःशुल्क एम्बुलेंस की सुविधा :** मानव सेवा में समर्पित एम्बुलेंस की सेवायें समाज के सभी परिवारों के लिए उपलब्ध है। इस सेवा को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए श्री माहेश्वरी डायलिसिस, डायग्नोस्टिक एण्ड रिसर्च सेन्टर, निर्माण नगर, जयपुर को इसकी जिम्मेदारी दी गई है।

26. **महेश बैकुंठ :** मई, 2024 से मानव सेवा में समर्पित महेश बैकुंठ (मोक्ष वाहिनी) की सेवायें समाज के सभी बन्धुओं को निःशुल्क उपलब्ध करवाई जा रही है। इस सेवा को सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है।

27. **व्हाट्सअप नम्बर की सेवायें प्रारम्भ :** व्हाट्सअप नम्बर 01412623500 की सेवायें प्रारम्भ कर दी गई है। उक्त सेवा का समाज बन्धु न केवल लाभ उठा रहे हैं, वरन् इस सेवा के चालू होने के बाद से कार्यालय में आने–जाने में श्रम एवं समय की भी बचत हो रही है।

28. **लेखों का अंकेक्षण:–** मैसर्स एमजीबी एण्ड कं. एलएलपी (सी.ए.) द्वारा वित्तीय वर्ष 2023–24 के लेखों का अंकेक्षण किया जा चुका है। आन्तरिक अंकेक्षण मैसर्स बिड़ला गुप्ता एण्ड कम्पनी द्वारा वित्तीय वर्ष 2024–25 के माह सितम्बर, 2024 तक किया जा चुका है।

29. **आयकर की धारा 80G–** श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर को दी जाने वाली दान राशि पर आयकर की धारा **80जी** के अन्तर्गत छूट प्राप्त होती है।

30. **समाज की परिसम्पत्तियों का किराया प्रबंधन–** समाज को दान में मिली हुई एवं किराए पर चल रही परिसम्पत्तियों के प्रबंधन एवं देखरेख **समाज भवन मंत्री श्री श्याम लाल मालपानी** द्वारा किया जा रहा है। समाज को दान में मिली हुई सम्पत्तियाँ इस प्रकार हैं :–

(1) परतानियों का रास्ता की सम्पत्ति– श्री बुलाकी चन्द मालपानी (भेंट–1954 में)
(2) पितलियों का चौक की सम्पत्ति– श्री कल्याणबक्स, अंचीबाई मणिहार (भेंट–1964 में)
(3) जोबनेर की सम्पत्ति– श्री रामस्वरूप साबू (भेंट–1972 में)

समाज कार्यकारिणी सत्र 2022–25 द्वारा नई पहल आरम्भ करते हुए प्रत्येक समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में समाज संरक्षको एवं पूर्व अध्यक्षों में से एक सदस्य को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जा रहा है।

31. 99वाँ वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह– श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर का 99वाँ वार्षिकोत्सव सूर्यसप्तमी शुक्रवार, 16 फरवरी, 2024 को माहेश्वरी समाज जनोपयोगी भवन 'अभिनन्दन' मानसरोवर, जयपुर में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि **श्री हेमंत राठी** विशिष्ट अतिथि **श्री प्रमोद जाखोटिया** एवं स्वागताध्यक्ष **श्री अरविंद राठी** एवं विशेष अतिथि **श्री सत्यनारायण मांधना**, समाज संरक्षक (हस्ति पाईप), एडवोकेट जनरल **श्री राजेन्द्र प्रसाद लढ्ढ़ा** थे। आयोजित 'प्रतिभा सम्मान' में खेलकूद, शैक्षणिक, सामाजिक, शिक्षा, साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं चिकित्सा आदि क्षेत्रों की लगभग 40 से अधिक प्रतिभाओं को समाज द्वारा स्वर्ण पदक एवं प्रशस्ति–पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया एवं महेश सेवा कोष में स्थापित कोषों से लगभग 75 प्रतिभावान छात्र–छात्राओं को सम्मान स्वरूप चैक व प्रशस्ति–पत्र कोष स्थापितकर्ताओं के द्वारा संबंधित विद्यालय द्वारा भिजवाये गये। कार्यक्रम **श्री दीपक काबरा** के संयोजन में आयोजित किया गया।

32. होली स्नेह मिलन एवं चंग-ढफ-धमाल– दिनांक 16 मार्च, 2024 को 'होली स्नेह मिलन समारोह एवं चंग–ढफ–धमाल' माहेश्वरी विद्यालय, तिलक नगर में आयोजित किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि **श्री सुरेन्द्र काबरा** (प्रमुख व्यवसायी एवं समाजसेवी), विशिष्ट अतिथि **डॉ. श्याम पचीसिया** (शल्य चिकित्सक एवं समाजसेवी) एवं स्वागताध्यक्ष **डॉ. अशोक काबरा** (विशेषज्ञ नवजात शिशु), विशेष अतिथि श्री रामकिशन जाजू (समाज संरक्षक) थे। कार्यक्रम में बीकानेर के सुप्रसिद्ध गायक गोपाल बिस्सा एण्ड पार्टी द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ स्वादिष्ट ठण्डाई एवं अल्पाहार का आनन्द लिया। कार्यक्रम **श्री रमेश पचीसिया** के संयोजन में आयोजित किया गया।

33. महेश नवमी महोत्सव– श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर ने अपना वंशोत्पत्ति दिवस महेश नवमी शनिवार दिनांक 15 जून, 2024 को महोत्सव के रूप में अनेक कार्यक्रमों के साथ उमंग व उल्लास से मनाया गया। महेश नवमी के उत्सव को लगातार दुसरी बार पंचदिवसीय रूप में मनाया गया। जिसमें जयपुर जिला माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन तिलक नगर में हुआ और साथ ही श्री माहेश्वरी महिला परिषद्, जयपुर द्वारा सांस्कृतिक संध्या मधुरम् कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। माहेश्वरी जाति का उत्पत्ति दिवस 'महेश नवमी' के शुभ अवसर पर प्रातः 8.30 बजे चौड़ा रास्ता स्थित भवन में समाज की स्थापना के समय से विराजमान भगवान महेश के चित्र की विशेष पूजा–अर्चना के साथ प्रारम्भ हुआ। सायंकाल महेश भगवान की शोभा यात्रा माहेश्वरी गर्ल्स पब्लिक स्कूल, विद्याधर नगर से प्रारम्भ हुई। शोभा यात्रा में केसरिया परिधान में सुसज्जित महिलाएँ तथा सफेद धोती–कुर्ता व केसरिया दुपट्टा धारण किये पुरुष चल रहे थे। मार्ग में जगह–जगह पर समाज बन्धुओं द्वारा शोभा यात्रा का स्वागत किया गया। श्री माहेश्वरी समाज जनोपयोगी भवन 'उत्सव', विद्याधर नगर में भगवान महेश की महाआरती की गई। इस समारोह के मुख्य अतिथि **श्री गौरी शंकर गुप्ता (आगीवाल)**, स्वागताध्यक्ष **श्री शंभू प्रसाद बियानी** (सिंगापुर प्रवासी), विशिष्ट अतिथि **श्री राजकुमार झंवर** एवं विशेष अतिथि **श्री आर.डी. बाहेती** (समाज संरक्षक) थे। कार्यक्रम में महेश सेवा कोष के लिए राशि प्रदान करने वाले भामाशाहों को बधाई पत्र, दुपट्टा व माला पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के पश्चात् प्रसादी का आयोजन किया गया। संयोजक **श्री विजय मोहता** तथा कोषाध्यक्ष **श्री अर्पित कासट** रहे।

34. सामूहिक गोठ एवं महेश मेला– रविवार, दिनांक 15 सितम्बर, 2024 को दूसरी बार विद्याधर नगर स्टेडियम में 55वीं सामूहिक गोठ एवं महेश मेले का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में माहेश्वरी परिवारों ने भाग लेकर मेले व स्वादिष्ट दाल–बाटी–चूरमे का आनन्द प्राप्त किया। बादाम के चूरमे को समाज बंधुओं ने खूब सराहा। मेले में खाद्य सामग्री, गेम्स, डिस्प्ले आदि की अनेक स्टॉल्स लगाई गईं एवं मनोरंजन के कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। इस समारोह के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष **श्री ओम जी बिड़ला** एवं विशिष्ट अतिथि राजस्थान की उपमुख्यमंत्री **श्रीमती दीया कुमारी जी** रही। कार्यक्रम अध्यक्ष **श्री विवेक लढ्ढ़ा** (प्रमुख व्यवसायी एवं समाजसेवी), कार्यक्रम उपाध्यक्ष **श्री हरिनारायण कासट** स्वागताध्यक्ष **श्री रामअवतार होलानी** (प्रमुख व्यवसायी एवं समाजसेवी) विशेष अतिथि **श्री सीताराम मालपानी** (समाज संरक्षक) **श्री सुनील जाजू** (प्रमुख व्यवसायी एवं समाजसेवी) द्वारा मेले का उद्घाटन किया गया। स्वादिष्ट प्रसादी का करीब 12 हजार समाज बन्धुओं ने आनन्द प्राप्त किया। गोठ संयोजक **श्री रमेश कुमार समधानी** तथा गोठ कोषाध्यक्ष **श्री नवीन मूंदड़ा** रहे।

35. माहेश्वरी भारत गौरव व माहेश्वरी समाज रत्न सम्मान 2024 – गत सत्रों से प्रारम्भ सम्मान समारोह की शृंखला में दिनांक 15 सितम्बर, 2024 को सामूहिक गोठ एवं महेश मेले के अवसर पर अनूठी सज्जायुक्त समारोह में हजारों समाज बंधुओं की उपस्थिति में देश के सुप्रसिद्ध समाजसेवी विभूतियों में से **श्री रामअवतार जाजू** (इन्दौर), **श्री रामरतन भूतड़ा** (सूरत, गुजरात) एवं **श्री जयदीप बिहाणी** (विधायक–श्रीगंगानगर) को माहेश्वरी भारत गौरव सम्मान तथा **श्री ज्योति कुमार माहेश्वरी** (समाज संरक्षक) **श्री नटवर लाल अजमेरा** (पूर्व महासचिव शिक्षा, ECMS) एवं **श्री नथमल मालू** (पूर्व उपाध्यक्ष, श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर) को माहेश्वरी समाज रत्न सम्मान से विभूषित किया गया। श्री माहेश्वरी समाज जयपुर द्वारा ऐसा कार्यक्रम था जो कि समाज अध्यक्ष **श्री केदार मल भाला** एवं महामंत्री **श्री मनोज मूंदड़ा** तथा उनकी टीम की भावना को दर्शाता है।

36. दीपावली स्नेह मिलन एवं अन्नकूट महोत्सव– रविवार, दिनांक 10 नवम्बर, 2024 को माहेश्वरी विद्यालय, तिलक नगर प्रांगण में दीपावली स्नेह मिलन समारोह के अन्तर्गत भक्ति संगीत संध्या तथा अन्नकूट प्रसादी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गिरिराज पर्वत की झांकी उठाये हुए भगवान श्रीराम दरबार की सजीव व गौऊ पूजन की झांकी की विशेष झांकी (छप्पन भोग सहित) सजाई गई व महाआरती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 5,000 समाज बंधुओं ने सम्मिलित होकर अन्नकूट प्रसादी का आनन्द लिया। अन्नकूट महोत्सव के मुख्य अतिथि **श्री उमेश सोनी** (प्रमुख व्यवसायी एवं समाजसेवी), विशिष्ट अतिथि **श्री कमल कुमार काबरा** (प्रमुख व्यवसायी एवं समाजसेवी), स्वागताध्यक्ष **श्री सुरेन्द्र बजाज** (प्रमुख व्यवसायी एवं समाजसेवी), विशेष अतिथि **श्री मनोहर लाल सारड़ा** थे। अन्नकूट महोत्सव के **श्री आलोक झंवर** तथा कोषाध्यक्ष **श्री योगेश मैनाना** रहे

37. श्री शिवमहापुराण कथा – सात दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन दिनांक 18 से 24 जुलाई, 2024 तक माहेश्वरी जनोपयोगी उत्सव भवन में आयोजन किया गया। इस अवसर पर व्यास पीठ से वृंदावन निवासी डॉ. उमेश चन्द्र शास्त्री द्वारा कथा सुनाई गई।

38. महेश अस्पताल (मुख्य संरक्षक श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)– वर्ष 2024 में महेश अस्पताल में ओ.पी.डी. (बाह्य रोगी) संख्या 32858, भर्ती रोगियों की संख्या 2002 रही। अस्पताल परिसर में लगभग राशि 23 लाख रूपये की लागत से ग्राउण्ड फ्लोर का नवीनीकरण करवाया गया। अस्पताल की छत पर 5500 वर्ग फीट का टीन शेड जिसमें से 5000 वर्ग फीट पर हॉल काल निर्माण कार्य प्रगति पर है तथा 45 किलोवॉट का सोलर प्लांट तैयार कर चालू किया जिसमें लगभग 18 लाख रूपये का खर्च हुआ। जिसमें अध्यक्ष–**श्री तेजप्रकाश रांधड़** एवं सचिव– **श्री रामअवतार आगीवाल** हैं।

Kedar Bhala
केदार मल भाला
अध्यक्ष

मनोज मूंदड़ा
महामंत्री

2024-25

वार्षिक प्रतिवेदन

दी एजुकेशन कमेटी ऑफ दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

केदार मल भाला
अध्यक्ष
मो. 93145 03259

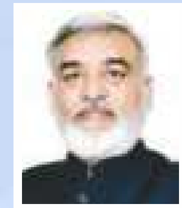

मधु सूदन बिहाणी
महासचिव शिक्षा
मो. 88901 40000

श्री माहेश्वरी समाज (जयपुर) की शिक्षा समिति ''दी एजुकेशन कमेटी ऑफ दी माहेश्वरी समाज (ईसीएमएस)'' शैक्षणिक क्षेत्र में एक प्रमुख संस्थान के रूप में स्थापित है। यह समिति इस वर्ष अपने शताब्दी अमृत वर्ष में प्रवेश कर चुकी है, जो एक लंबे और समृद्ध इतिहास की ओर संकेत करता है। इस समिति ने 1926 में शिक्षा के क्षेत्र में अपना सफर शुरू किया था, और आज यह शिक्षा के मार्ग पर एक दैदीप्यमान नक्षत्र बनकर उभरी है।

समिति के अधीन संचालित 10 विद्यालय एवं 1 महाविद्यालय में लगभग 23,966 विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इन संस्थानों में 1140 शिक्षक और कर्मचारी समर्पित होकर विद्यार्थियों के शैक्षणिक, नैतिक और सामाजिक विकास पर ध्यान दे रहे हैं। इन संस्थानों में आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, डिजिटल कक्षाओं, अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का संचालन किया जाता है।

समिति के विद्यार्थियों ने प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे IIT, NIT, AIIMS, NDA आदि में प्रवेश पाकर सफलता की नई ऊँचाइयाँ हासिल की हैं। इसके अतिरिक्त, समाज के जरूरतमंद और मेधावी छात्रों के लिए 10 करोड़ रुपये से अधिक की छात्रवृत्तियाँ दी गईं, जिससे 'हमारा समाज शिक्षित हो, हमारा समाज विकसित हो' का उद्देश्य सशक्त हुआ है।

समिति ने शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों, संस्कारों और सामाजिक जिम्मेदारी को भी प्रोत्साहित किया है। इसके लिए कई विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए, जैसे गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, हार्मनी-स्पोर्ट्स वीक, करियर फेयर, योग दिवस, एम.पी.एस. कहानी महोत्सव, एम.पी.एस. मैराथन आदि। सभी कर्मचारियों का वृहद स्तर पर स्वास्थ्य परीक्षण इसके साथ ही, शिक्षकों के विकास के लिए कार्यशालाएँ आयोजित की गईं, जिससे उनकी दक्षता और शिक्षण कौशल में वृद्धि हुई है।

शताब्दी अमृत वर्ष में प्रवेश करते हुए, शिक्षा समिति का संकल्प और भी मजबूत हुआ है। इसका उद्देश्य एक ऐसे उज्जवल भविष्य की ओर बढ़ना है, जहाँ ज्ञान, संस्कार, और सामाजिक जिम्मेदारी को एक साथ बढ़ावा दिया जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ सशक्त और जिम्मेदार नागरिक बन सकें।

सोसायटी के अन्तर्गत संचालित शिक्षण संस्थाओं की जानकारी : (फरवरी 2024 से जनवरी 2025)

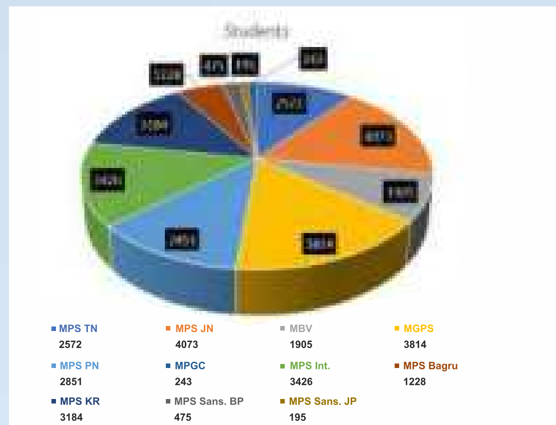

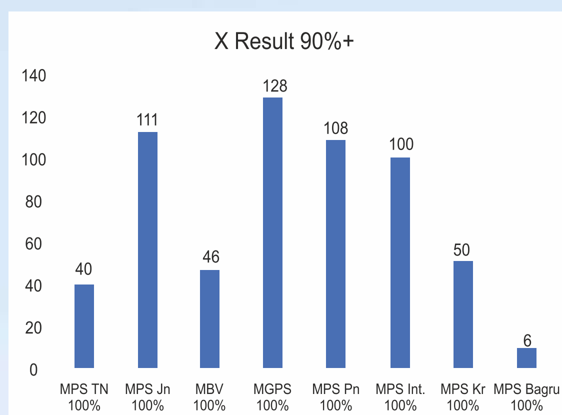

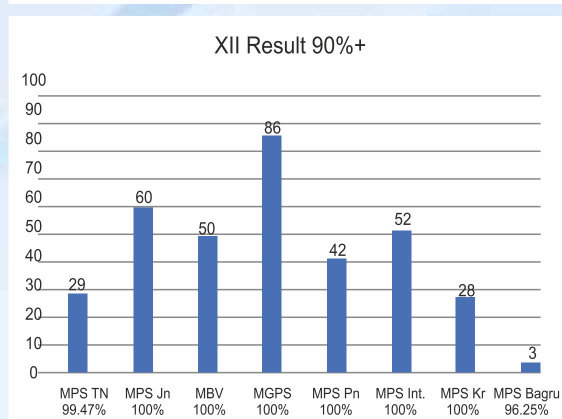

विद्यालय/ महाविद्यालय में बोर्ड / विश्वविद्यालयी परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों का विवरण निम्नानुसार है-

Class	Institute	MPS TN	MPS JN	MBV	MGPS	MPS PN	MPS Int.	MPS KR	MPS Bagru	MPGC
X	नाम प्रतिशत	टीना शर्मा 98.50%	अनुभव दुसाद 97.60%	साक्षी राजावत 97.67%	मोनिशा अग्रवाल 98.60%	दर्शिता शर्मा 98.40%	जानविका बिहाणी 99.40%	देवांशी बंसल / शिवाक्षी सिंह 98.20%	याशिका चौधरी 95.17%	खुशी बेनीबाल बीएससी 82.07%
XII Sci.	नाम प्रतिशत	राहुल सैनी 97.80%	चैतन्य माहेश्वरी 97.40%	इशिका अग्रवाल 94.80%	अवनी झालानी 96.80%	दिवाकर झालानी 95.60%	हिमिका माहेश्वरी 94.40%	हितेश अग्रवाल / आर्यमन शर्मा 96.20%	अभिषेक सिंह शेखावत 87.20%	भूमिका माहेश्वरी बी.कॉम. 71.44%
XII Com.	नाम प्रतिशत	अनुष्का सोनी 95.40%	उत्कर्ष विजयवर्गीय 97.00%	भूमि सोंखिया 97.40%	नेहा सोनी 98.20%	नेहा माहेश्वरी 97.20%	हार्दिक खण्डेलवाल 97.20%	परी मोदानी 95.40%	अक्षरा परवाल 94.00%	अंजली गंग बीबीए 66.22%
XII Hum.	नाम प्रतिशत	उषा नारानिया 97.40%	चाहत गुप्ता 98.60%	––	देवश्री पालावत 98.40%	कनिका सोनी / शाक्षी यादव 96.80%	मन्नत शर्मा 96.20%	अनुराग कुमार 95.00%	जयशिखा पारिक 94.02%	तन्नु जांगिड़ बी.ए. 72.11%

शैक्षणिक दृष्टिकोणः

आगामी शिक्षा सत्र 2025-26 से पूर्व प्राथमिक कक्षाओं का संचालन

भारत सरकार की नई शिक्षा नीति के अनुसार प्रत्येक विद्यालय में बाल वाटिका के अन्तर्गत पूर्व प्राथमिक कक्षाओं का संचालन आवश्यक किया जा रहा है जिसकी अनुपालना में सोसायटी के अन्तर्गत संचालित माहेश्वरी पब्लिक स्कूल जवाहर नगर, माहेश्वरी गर्ल्स पब्लिक स्कूल विद्याधर नगर एवं माहेश्वरी पब्लिक स्कूल- प्रताप नगर, जयपुर में आगामी शिक्षा सत्र 2025-26 से पूर्व प्राथमिक कक्षाओं का संचालन प्रारम्भ किया जाना सुनिश्चित किया गया है। विद्यालयों में इसके लिए आवश्यक बुनियादी ढाँचे का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

शिक्षक अभिमुखीकरण कार्यशाला

शिक्षकों के उन्नयन और शिक्षण कौशल के विकास हेतु 13 से 17 मई 2024 तक माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, जवाहर नगर में एक विशेष शिक्षक अभिमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप नवीन शिक्षण पद्धतियों से अवगत कराना था। शिक्षकों को पाठ्यक्रम निर्माण एवं शिक्षण सामग्री विकसित करने का प्रशिक्षण दिया गया, जिससे वे विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से श्रेष्ठ ज्ञान प्रदान कर सकें। इस कार्यशाला में पूर्व-प्राथमिक विद्यालय एमपीएस संस्कृति के शिक्षकों के उन्नयन हेतु विशेष सत्र भी आयोजित किए गए। इसके अलावा, पुस्तकीय शिक्षा के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और संस्कारों के बोध पर भी विशेष बल दिया गया।

केन्द्रीय परीक्षा समिति (CEC) का सशक्तीकरण

शिक्षा समिति ने केन्द्रीय परीक्षा समिति (CEC) को पूर्ण स्वायत्तता प्रदान करते हुए परीक्षा प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में कार्य किया। इस क्रम में, शिक्षकों के सहयोग से विभिन्न विषयों के प्रश्न बैंक का निर्माण किया गया तथा छात्रों की परीक्षा तैयारी को मजबूत करने हेतु वर्षभर अभ्यास पत्रों का निर्माण एवं संचालन किया गया। CEC के संयोजक सी.ए. प्रमोद कुमार बूब एवं सी.ए. अमित गट्टानी के नेतृत्व में परीक्षा प्रणाली को अत्यधिक सुव्यवस्थित और प्रभावी बनाया गया।

सह-शैक्षणिक दृष्टिकोण:

एकेडमिया वर्ल्ड एड्यू एण्ड बुक फेयर

छात्रों को सम्पूर्ण विश्व में संचालित प्रमुख विश्वविद्यालयों में प्रचलित कोर्स तथा भविष्य के करियर निर्माण के क्षेत्रों से अवगत कराने हेतु दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर के तत्त्वावधान में दो दिवसीय विशाल करियर फेयर 'अकेडमिया वर्ल्ड एड्यू एंड बुक फेयर-2024' का आयोजन 21 व 22 अक्टूबर, 2024 को राजस्थान इन्टरनेशनल सेंटर में किया गया। दिनांक 21 अक्टूबर, 2024 को आयोजित उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि श्री झावर सिंह जी खर्रा, राज्य मंत्री, राजस्थान सरकार तथा मुख्य वक्ता डायनमिक इंडिया ग्रुप के फाउडंर व मोटिवेशनल स्पीकर श्री सोनू जी शर्मा व दिनांक 22 अक्टूबर, 2024 को आयोजित समापन समारोह एवं सांस्कृतिक संध्या में मुख्य वक्ता कवयित्री श्रीमती अनामिका जी अम्बर उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम में लगभग 70 से अधिक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों की सहभागिता रही। 80 से अधिक वक्ताओं ने विभिन्न सत्रों में विद्यार्थियों के साथ करियर निर्माण को लेकर संवाद करते हुए उनकी समस्याओं का समाधान किया। इस करियर फेयर में कक्षा 9 से 12 के कुल 20000 शिक्षार्थी लाभान्वित हुए। इस मेगा करियर फेयर का मुख्य आकर्षण कौशल विकास पर आधारित प्रदर्शनी रही जिसका उद्घाटन इसरो के भूतपूर्व एसोसियएट प्रोफेसर डॉ. रामरतन जी द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, प्रताप नगर की मेजबानी में किया गया।

शिक्षा समिति द्वारा केन्द्रीय गृहमंत्री का स्वागत

केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित जी शाह ने 20 फरवरी 2024 को माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, जवाहर नगर के तक्षशिला सभागार में आयोजित प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित किया। दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर के पदाधिदारियों ने मान्नीय केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित जी शाह का स्वागत किया। इस दौरान श्री अमित जी शाह को शिक्षा समिति के द्वारा सन् 1926 से किये जा रहे शैक्षणिक कार्यों एवं संस्थाओं की गतिविधियों की जानकारी दी गई जिस पर उनके द्वारा शिक्षा समिति के सामाजिक दायित्वों के निर्वहन प्रशंसा की गई।

मिशन 100 IAS का आयोजन

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के ड्रीम प्रोजेक्ट को कार्यरूप देते हुए दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर के सानिध्य में एवं पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशित माहेश्वरी सभा के संयोजन में स्वजातीय 18 से 28 वर्ष की युवा प्रतिभाओं के लिए एक बहुउपयोगी कार्यशाला 'MISSION 100 IAS' का आयोजन रविवार 29 सितम्बर, 2024 को माहेश्वरी गर्ल्स पब्लिक स्कूल के कलानिधि सभागार में किया गया। इस कार्यशाला में देश के प्रतिभावान, अनुभवी माहेश्वरी IAS /IFS/ IPS / IRS / IRAS अधिकारीगण श्री श्रीकांत जी बाल्दी, श्री लक्ष्मीकांत जी मंत्री, श्री विनोद जी अजमेरा, श्री पुरुषोत्तम जी बियानी, श्री ललित जी माहेश्वरी एवं श्री अक्षय जी काबरा ने सभी जिज्ञासुओं को संबोधित कर उनकी UPSC परीक्षा की तैयारी के विषय में मार्गदर्शन किया।

'गो ग्रीन' अभियान

पर्यावरण संरक्षण को शिक्षा प्रणाली से जोड़ने हेतु 29 जुलाई से 15 अगस्त 2024 तक 'गो ग्रीन' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ माँ के नाम' प्रकल्प के अंतर्गत 25,000 पौधों का रोपण किया गया। इस योजना को प्रभावी बनाने हेतु प्रत्येक छात्र द्वारा रोपित पौधे की प्रगति को उसकी शैक्षणिक मूल्यांकन प्रणाली से जोड़ते हुए अधिकतम 5 अंक देने का निर्णय लिया गया। अभियान की शुरुआत राजस्थान सरकार के शिक्षा मंत्री श्री मदन जी दिलावर के करकमलों द्वारा हुई। इस कार्यक्रम को तीन चरणों में पूर्ण किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को औषधीय एवं पर्यावरण हितैषी पौधों का निःशुल्क वितरण किया गया। प्रत्येक छात्र द्वारा लगाए गए पौधे की देखभाल सुनिश्चित करने हेतु उन्हें अपनी प्रगति रिपोर्ट ऑनलाइन अपलोड करने की व्यवस्था भी की गई।

अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस

बच्चों में योग के प्रति जागरूकता एवं अरस्तू के कथन ''स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है'' की सार्थकता को जीवन में चरितार्थ करने हेतु सोसायटी द्वारा शुक्रवार 21 जून, 2024 को माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, तिलक नगर के विशाल मैदान में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया जिसकी थीम 'योग, स्वयं के साथ-साथ समाज के लिए भी' रखी गई थी। कार्यक्रम का शुभारम्भ सम्मानित अतिथि श्री दीपक जी माहेश्वरी, पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान उच्च न्यायालय व श्री त्रिपुरारि जी शर्मा, सीनियर फैकल्टी, आर्ट ऑव् लिविंग संस्था द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में सोसायटी के सभी माननीय पदाधिकारीगण, सम्माननीय सदस्यगण, समाज कार्यकारिणी के पदाधिकारीगण, विद्यालयों की प्रबंध समिति के पदाधिकारीगण तथा सोसायटी के अन्तर्गत संचालित शिक्षण संस्थाओं के स्टॉफ की सहभागिता रही। इसी श्रृंखला में एम.पी.एस. संस्कृति की पाँचों शाखाओं के स्टॉफ की वर्कशाप का आयोजन बनीपार्क स्थित एमपीएस संस्कृति के रघुकुल सभागार में किया गया।

एम.पी.एस. मैराथन : एक नई शुरूआत

जयपुर शहर में बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का प्रसार करने के लक्ष्य को ध्यान में रखकर रविवार 7 अप्रैल, 2024 को सोसायटी द्वारा एम.पी.एस. मैराथन (रन फॉर हैप्पीनेस) के प्रथम संस्करण का आयोजन किया गया, जिसमें 7000 से भी अधिक धावकों ने भाग लेकर इसे सफल बनाया। मैराथन को तीन अलग-अलग श्रेणियों में आयोजित किया गया- 3 किमी, 6 किमी व 10 किमी। इस अवसर पर जयपुर ग्रेटर की मेयर सौम्या गुर्जर जी ने मैराथन का फ्लेग ऑफ किया। मैराथन के लिए भारतवर्ष से माहेश्वरी धावकों को आमंत्रित किया गया। इस कड़ी में डॉ. लीना बल्दवा, आयरमैन शिवांगी सारड़ा, आयरनमैन सुयोग काबरा, सीए संदीप मूंदड़ा, स्मिता मूंदड़ा, डॉ. जे.पी. मारू, अभिषेक कालानी एवं आशा कालानी, सीए विनोद हेड़ा-गोआ, सीए संजय काबरा-मुम्बई, रानी माहेश्वरी-गुरूग्राम, सीए सुशील बंग-मुम्बई एवं अमित तापड़िया-गोआ को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, जवाहर नगर की मेजबानी में किया गया।

HARMONY, 2024

छात्रों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करने हेतु 21 से 23 नवंबर 2024 तक विद्याधर नगर स्टेडियम में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 'HARMONY-2024' का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर के मापडंडों पर इनडोर एवं आउटडोर खेल प्रतिस्पर्धाएँ आयोजित की गईं, जिससे 2700 से अधिक प्रतिभावान विद्यार्थियों ने सहयोग, मैत्री एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ विभिन्न खेलों में भाग लिया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ श्री महेंद्र सिंह जी शेखावत (CTO, Indian Railway) एवं श्री अनिल कुमार जी टाँक (DIG, Rajasthan Police) के कर कमलों द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन माहेश्वरी गर्ल्स पब्लिक स्कूल की मेजबानी में विद्याधर नगर स्टेडियम में किया गया।

'एक शाम जीत के नाम'

विजयादशमी के पावन अवसर पर 1 अक्टूबर 2024 को माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, जवाहर नगर के तक्षशिला सभागार में 'लंका कांड में हनुमान जी की भूमिका' विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता जीवन प्रबंधन गुरु पूज्य विजयशंकर जी मेहता रहे, जिन्होंने अपने ओजस्वी विचारों के माध्यम से बताया कि जीवन में चुनौतियों एवं संघर्षों का सामना करते हुए विजय कैसे प्राप्त की जा सकती है। हनुमान जी के धैर्य, आत्मविश्वास एवं समर्पण की भावना से प्रेरणा लेकर हम कठिन परिस्थितियों में भी अडिग रह सकते हैं। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण संस्कार चैनल पर किया गया।

शिक्षक दिवस समारोह, 2024

शिक्षकों के योगदान को सम्मानित करने एवं उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने हेतु 5 सितंबर 2024 को माहेश्वरी समाज की शिक्षा समिति द्वारा शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, जवाहर नगर के तक्षशिला सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में पूज्य चिदानंद सरस्वती जी महाराज (परमार्थ निकेतन आश्रम, ऋषिकेश) कार्यक्रम के अध्यक्ष रहे, जबकि राजस्थान सरकार के शिक्षा मंत्री श्री मदन जी दिलावर मुख्य अतिथि रहे। साध्वी भगवती जी सरस्वती (अध्यक्ष, डिवाइन शक्ति फाउंडेशन, ऋषिकेश) ने इस अवसर पर अपने प्रेरणादायक विचार व्यक्त किए। इस कार्यक्रम में शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को विशेष पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

Money Matters-Value Investing टॉक शो

सोसायटी के शताब्दी वर्ष में Money Matters-Value Investing पर टॉक शो का आयोजन दिनांक 24 अगस्त 2024 को तक्षशिला सभागार में किया गया। शेयर मार्केट में इनवेस्टमेंट वर्तमान युग की आवश्यकता व ट्रेंड है। इस इनवेस्टमेंट के खतरों से अवगत करवाने के साथ ही लक्ष्य निर्धारण के साथ सफलता के गुर सिखाने के उद्देश्य से इस टॉक शो का आयोजन किया गया। इसमें शेयर मार्केट के प्रख्यात विश्लेषक श्री आशीष जी बाहेती (CNBC Aawaaj Fame) और जैन साहब के जेम्स से ख्याति प्राप्त श्री संदीप कुमार जैन (ZEE Business Fame) मुख्य वक्ता थे। आप दोनों ने स्टॉक मार्केट में सफलता अर्जित करने के गुर बताने के साथ-साथ अत्यधिक लालच से बचने की सलाह दी।

प्रशासनिक दृष्टिकोण :

केन्द्रीय कार्यालय की स्थापना

सुदृढ़ प्रशासन की ओर एक कदम

शिक्षा समिति के अंतर्गत संचालित 10 विद्यालय एवं 1 महाविद्यालय में वर्तमान में 23,966 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, जबकि 1,140 शिक्षकों एवं कर्मचारियों की टीम इन संस्थानों के सुचारू संचालन में योगदान दे रही है। सोसायटी की निरंतर बढ़ती शैक्षणिक गतिविधियों, संस्थानों के विस्तार एवं प्रशासनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, एक समन्वित एवं प्रभावी संचालन तंत्र की आवश्यकता महसूस की गई। इसी उद्देश्य से, सोसायटी ने केन्द्रीय कार्यालय की स्थापना का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है, जो प्रशासनिक नियंत्रण, वित्तीय अनुशासन एवं शैक्षणिक नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करेगा।

केन्द्रीय कार्यालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य शिक्षण संस्थानों के समस्त कार्यों का सुव्यवस्थित संचालन, प्रशासनिक प्रक्रियाओं की सुदृढ़ता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करना है।

इस कार्यालय का कार्यक्षेत्र सोसायटी की नीतियों के अनुरूप तय किया जाएगा, जिसके तहत सभी पत्रावलियों की तकनीकी एवं तथ्यात्मक समीक्षा की जाएगी और उन्हें उचित सुझावों के साथ सोसायटी के समक्ष स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया जाएगा। इससे निर्णय लेने की प्रक्रिया अधिक संगठित, सुगम और प्रभावी होगी।

केन्द्रीय कार्यालय को कार्य-कुशलता बढ़ाने एवं समन्वय सुनिश्चित करने के लिए चार प्रमुख विभागों में विभाजित किया जाएगा:

1. Human Resource (मानव संसाधन विभाग) शिक्षकों एवं कर्मचारियों की नियुक्ति, प्रशिक्षण, कार्य मूल्यांकन एवं संगठनात्मक संरचना को सुदृढ़ करना।
2. Academics (शैक्षणिक विभाग) पाठ्यक्रम विकास, शिक्षण गुणवत्ता, नवीन शैक्षणिक नीतियों का क्रियान्वयन एवं संस्थानों में शैक्षणिक उत्कृष्टता सुनिश्चित करना।
3. Finance (वित्त विभाग) वित्तीय पारदर्शिता, बजट नियंत्रण, लेखा परीक्षण एवं प्रभावी प्रबंधन।
4. IT (सूचना प्रौद्योगिकी विभाग) डिजिटल संरचना, डाटा सुरक्षा, सूचना संचार प्रणाली एवं तकनीकी नवाचारों का समन्वय।
5. Administration & Establishment (प्रशासन एवं स्थापना विभाग) सामान्य प्रशासन एवं संसाधनों का प्रभावी प्रबंधन।

केन्द्रीय कार्यालय की स्थापना केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि सोसायटी की दीर्घकालिक विकास योजना का एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे न केवल संचालन प्रक्रियाओं में पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व बढ़ेगा, बल्कि शिक्षकों, विद्यार्थियों और प्रशासन के बीच समन्वय भी बेहतर होगा।
यह पहल सोसायटी के संस्थानों को एक आधुनिक, अनुशासित एवं प्रभावी प्रशासनिक ढांचे की ओर अग्रसर करेगी, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा और श्री माहेश्वरी समाज की शिक्षण संस्थाएँ अपने लक्ष्य ''सर्वोत्तम शैक्षणिक एवं नैतिक मूल्यों के संवर्धन की दिशा में और अधिक मजबूती से आगे बढ़ सकेंगी।

सोसायटी द्वारा लिये गये महत्वपूर्ण निर्णय

1. दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर के विधान में वर्तमान आवश्यकतानुरूप तथा उच्च शिक्षा सहयोग प्रदान करने के लिए आवश्यक संशोधनों की रूपरेखा तैयार की जा रही है। शीर्घ ही निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार विधान संशोधन को मूर्त रूप प्रदान किया जाएगा।
2. श्री माहेश्वरी सीनियर सैकण्डरी स्कूल, विजय पथ, तिलक नगर, जयपुर को राजस्थान बोर्ड (RBSE) के स्थान पर केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) से सम्बद्धता प्राप्त हो गई है साथ ही विद्यालय का नाम माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, विजय पथ, तिलक नगर, जयपुर की भी विभागीय स्वीकृति प्राप्त हो गई है।
3. माहेश्वरी बालिका सीनियर सैकण्डरी स्कूल, चौडा रास्ता, जयपुर की प्रबंध समिति द्वारा पारित प्रस्ताव के अनुसार आगामी शिक्षा सत्र 2025-26 से विद्यालय का संचालन दो पारियों के स्थान पर एक ही पारी में किया जाना सुनिश्चित किया गया है।
4. शिक्षा समिति द्वारा संचालित माहेश्वरी महाविद्यालय में विगत कई वर्षो में लगातार प्रयासो के उपरांत भी निरंतर घटती शिक्षार्थी संख्या के कारण महाविद्यालय को बंद करने का निर्णय सर्वसम्मति से प्रबंध समिति, शिक्षा समिति एवं समाज कार्यकारिणी द्वारा लिया गया।
5. शिक्षा समिति के अंर्तगत संचालित संस्थाओं में वित्तीय अनियमितताएँ सामने आईं, जिसके उपरांत शिक्षा समिति द्वारा सभी संस्थाओं की 1 अप्रेल 2020 से आज तक की (Special Investigative Audit) स्वतंत्र वित्त विशेषज्ञों द्वारा करवाई जा रही है।

उपलब्धियाँ

महेश उच्च शिक्षा सहायता कोष की स्थापना

'हर बच्चा पढ़े, हर बच्चा बढ़े' उद्धेश्य के साथ

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर द्वारा समाज हित में एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए मेधावी व जरूरतमंद स्वजातीय विद्यार्थियों को उच्च, तकनीकी,व्यावसायिक शिक्षा एवं RPSC/UPSC/Judicial Services की कोचिंग हेतु पूर्णतया वापसी योग्य ब्याज मुक्त आर्थिक सहयोग देने का निर्णय लिया गया है। जिसके क्रियान्वयन हेतु 9 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया। इस निर्णय के अनुसार चयनित शिक्षार्थी को दी जाने वाली फीस (Study Fee, Hostel Fee & Mess Fee) का 80% अथवा 15 लाख जो भी कम हो आर्थिक सहयोग राशि का भुगतान समिति/सोसायटी द्वारा सीधे संबंधित संस्थान को ही निर्धारित मापदण्डों एवं प्रक्रिया के अनुसार किया जाएगा।

माहेश्वरी शिक्षा समिति की शिक्षण संस्थाएँ 'एज्यूकेशन वर्ल्ड' द्वारा सम्मानित

- माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, जवाहर नगर, जयपुर ने एज्यूकेशन वर्ल्ड इंडिया स्कूल रैंकिंग सत्र 2024-25 में सहशिक्षा डे कैटेगरी में राजस्थान में द्वितीय स्थान (रैंक-2) प्राप्त किया।
- माहेश्वरी गर्ल्स पब्लिक स्कूल, जयपुर ने एज्यूकेशन वर्ल्ड इंडिया स्कूल रैंकिंग सत्र 2024-25 में बालिका शिक्षा डे कैटेगरी में भारत में 17 वाँ , राजस्थान में तृतीय (रैंक-3) तथा जयपुर शहर में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, कालवाड रोड, जयपुर ने एज्यूकेशन वर्ल्ड इंडिया स्कूल रैंकिंग सत्र 2024-25 में Global Citizenship Education Excellence कैटेगिरी में राजस्थान में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

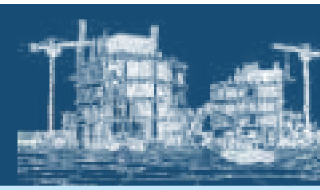

निर्माण कार्य :

- **MPS-JAWAHAR NAGAR :**

  माहेश्वरी पब्लिक स्कूल जवाहर नगर के प्रांगण में दशहरे की पूर्व संध्या पर शुक्रवार 11 अक्टूबर, 2024 को एम.पी.एस. कल्चरल सेंटर के भवन का शिलान्यास पंडित श्री विजय शंकर जी मेहता, मुख्य अतिथि श्रीमती कांतादेवी जगदीश प्रसाद जी बागला एवं श्री अशोक जी बागला-सुप्रसिद्ध व्यवसायी व समाजसेवी के कर कमलों से सम्पन्न हुआ। भवन में कुल 29000 वर्गफुट क्षेत्र में कैफेटेरिया, एक्टिविटी हॉल, विशाल पुस्तकालय एवं भव्य पूर्व प्राथमिक अनुभाग का निर्माण कार्य प्रगति पर है। मानद सचिव एवं भवन सचिव कक्ष, मीटिंग हॉल, एलीवेटेड पार्किंग, प्राईमेरी लाईब्रेरी, भूगोल लेब का निर्माण अथवा नवीनीकरण करवाया गया।

- **MPS SANSKRITI - BANIPARK:**

  दशहरे की पूर्व संध्या पर शुक्रवार 11 अक्टूबर, 2024 को एम.पी.एस. संस्कृति, बनीपार्क के ऑडिटोरियम का लोकार्पण पंडित श्री विजय शंकर जी मेहता द्वारा किया गया।

- **MPS-KALWAR ROAD :** 9044 sqft स्वीमिंग पुल का निर्माण द्रुतगति से प्रगति पर है।

- **MBV-CHOURA RASTA :** विद्यालय में लिफ्ट लगवाई गई।

- **MPS INTERNATIONAL :** स्वागतकक्ष का नवीनीकरण एवं सौन्दर्यीकरण करवाया गया।

- **MPS-PRATAP NAGAR :**

  नया सी.सी.टी.वी. सिस्टम लगवाया गया, स्वागत कक्ष का सौन्दर्यीकरण करवाया गया जिसके अन्तर्गत 3 काउंसलर कक्ष व 1 विद्यार्थी प्रतीक्षा कक्ष का निर्माण करवाया गया। हॉस्टल भवन में एम.पी.एस. संस्कृति हेतु नवीनीकरण कार्य प्रगति पर है।

- **MGPS-VIDYADHAR NAGAR :**

  स्वागतकक्ष का सौन्दर्यीकरण करवाया गया जिसके अन्तर्गत डी.एस.ए. कक्ष, फीस काउंटर, स्वागतकक्ष, हेल्थ रूम का निर्माण करवाया गया। पूर्व प्राथमिक अनुभाग हेतु कक्षा कक्षों के नवीनीकरण एवं अन्य सुविधाओं संबंधी कार्य प्रगति पर हैं। विद्यालय में ब्यूटी वैलनेस लैब का निर्माण करवाया गया।

- **MPS-TILAK NAGAR :**

  विद्यालय में लिफ्ट लगवाई गई। पूर्व प्राथमिक अनुभाग में स्वीमिंग पूल का निर्माण व प्ले जॉन का विस्तार करवाया गया। आवश्यकता को देखते हुए नए कक्षा कक्षों का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

- **MPS-AJMER ROAD :**

  पुस्तकालय का नवीनीकरण करवाया गया। विद्यार्थियों हेतु अलग से शांतिपूर्ण वातावरण से युक्त अध्ययन कक्ष का निर्माण करवाया गया।

- **NIRMAN NAGAR PROJECT :**

  नवीन भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

संकल्प

शिक्षा समिति का उद्देश्य केवल शिक्षा का प्रसार ही नहीं, बल्कि संस्कार, संस्कृति और सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन भी है। शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों के नैतिक एवं चारित्रिक विकास को सुनिश्चित करना समिति की प्राथमिकता है। आगामी वर्ष में भी शिक्षा समिति अपने नवाचारों, पर्यावरण संरक्षण एवं शैक्षणिक उत्थान के कार्यों को और अधिक ऊँचाइयों तक ले जाने हेतु प्रतिबद्ध है।

शिक्षा प्रणाली के स्थापित दिशा-निर्देशों एवं मानकों की पालना करते हुए सीखने की उत्कंठा जाग्रत करते हुए, आनंदमय पद्धति से छात्रों का सर्वतोमुखी विकास कर, उन्हें आदर्श - संस्कारवान, सुयोग्य नागरिक बनाकर देश - समाज की मानव शक्ति को समृद्ध एवं सशक्त करना ही शिक्षा समिति का संकल्प है।

''शिक्षा केवल ज्ञान नहीं, संस्कार भी है। यही श्री माहेश्वरी समाज की शिक्षा समिति का संकल्प और ध्येय है।''

केदार मल भाला
अध्यक्ष

मधु सूदन बिहाणी
महासचिव शिक्षा

समाज का 100वाँ वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में सम्मानित प्रतिभाएँ

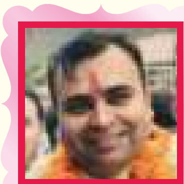

श्री मनीष गगरानी सुपुत्र श्री कैलाश चन्द्र गगरानी को दो बार एसोसिएशन जयपुर में महासचिव पद पर निर्वाचित होने पर।

श्री राजेश काबरा सुपुत्र श्री मिश्री लाल काबरा को केबिनेट मंत्री श्री गिरिराज सिंह द्वारा ET Now and arracuss media Presented SME सशक्तिकरण का अवार्ड प्राप्त करने पर।

हर्षिता कालानी सुपुत्री श्री जुगल किशोर कालानी को IIT जोधपुर से CS & Engeering में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने एवं देश के उपराष्ट्रपति से स्वर्ण पदक से सम्मानित होने पर।

श्री जय किशन कोठारी सुपुत्र स्व.श्री बालकृष्ण जी कोठारी को श्री भजन लाल जी शर्मा, मुख्यमंत्री, राज. सरकार द्वारा लोकतंत्र सेनानी सम्मान-2024 से सम्मानित एवं सिविल लाईन्स विधायक श्री गोपाल शर्मा से राष्ट्र समर्पण सम्मान से सम्मानित होने पर।

श्री सुरेन्द्र बजाज सुपुत्र स्व. श्री सोहन लाल बजाज को बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में 26 पेज का थिसिस लिखने पर जर्मनी की Hesseh International University द्वारा पीएचडी डिग्री के विशेष समारोह में भारतीय चैनल पार्टनर WISE INSCTURE नई दिल्ली में सम्मानीत होने पर।

डॉ. सविता कालिया धर्मपत्नी श्री सुनिल कुमार कालिया को जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में मुख्यमंत्री नि:शुल्क जांच योजना सोशियोलोजी स्टडी विषय से पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने पर।

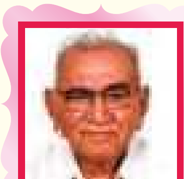

श्री लेखराज माहेश्वरी सुपुत्र स्व.श्री मथुरा दास माहेश्वरी को अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन का राष्ट्रीय संयुक्त सचिव नियुक्त होने पर।

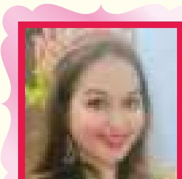

टीना माहेश्वरी धर्मपत्नी श्री रणजीत तोतला को MRS. INDIA GLAM में MRS. राजस्थान विनर बनने पर

शिखा जाखोटिया लढ्ढा धर्मपत्नी श्री कृष्ण कुमार लढ्ढा को भोपाल नोबल यूनिवर्सिटी, उदयपुर से फार्मेसी में पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने पर।

श्री जय राठी सुपुत्र श्री जीतेश राठी को CA Final परीक्षा में All India Rank-37 प्राप्त करने पर।

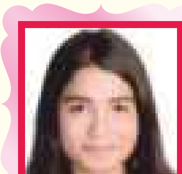

पूजन मोदानी सुपुत्री श्री मुकेश कुमार मोदानी को CA Final परीक्षा में All India Rank-50 प्राप्त करने पर।

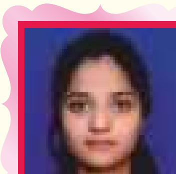

श्रद्धा माहेश्वरी सुपुत्री श्री श्यामसुन्दर माहेश्वरी को कॉस्ट एवं मैनेजमेंट अकाउंट में ऑल इंडिया रैंक 32 प्राप्त करने पर।

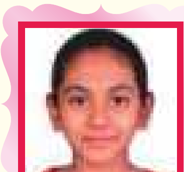

नयनिका माहेश्वरी सुपुत्री श्री निखिल माहेश्वरी को CA Inter. 2024 में All India 43 रैंक प्राप्त करने पर।

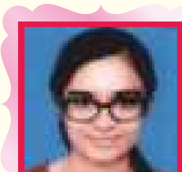

डॉ. हर्षिता बियानी सुपुत्री श्री देवी प्रसाद बियानी को UPSC कंबाइंड मेडिकल साईस में आल इण्डिया में 55वीं रैंक प्राप्त करने पर।

दर्श माहेश्वरी सुपुत्र श्री दिनेश माहेश्वरी को IIT JEE ADVANCE 2024 में AIR 278 रैंक प्राप्त करने पर।

चेतन्य जाखोटिया सुपुत्र स्व. श्री कमल माहेश्वरी को CBSE सीनियर सैकण्डरी परीक्षा में 97.40% अंक प्राप्त करने एवं IIT JEE Advance में All India Rank-768 प्राप्त करने पर।

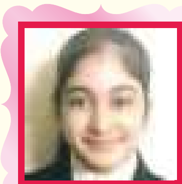

मोनिषा बाँगड़ सुपुत्री श्री योगेन्द्र बाँगड़ को CBSE सीनियर सैकण्डरी परीक्षा में 98.00% अंक प्राप्त करने एवं IIT JEE Advance में All India Rank-1483 प्राप्त करने पर।।

आनिका माहेश्वरी सुपुत्री श्रीमती अरुणा चाण्डक को NEET Exam-2024 में प्रथम प्रयास में ऑल इण्डिया में 7136 वां स्थान प्राप्त करने पर।

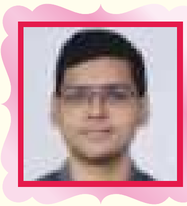

मनु सारड़ा सुपुत्र श्री नटवर कुमार सारडा को CAT-2024 में 99.99 Percentile अंक प्राप्त करने व पूरे भारत में टॉप 43 में स्थान प्राप्त करने पर।

निखलेश गट्टानी सुपुत्र श्री अविनाश गट्टानी को CFA All Three Level Clear करने पर।

सुरभी सोढ़ानी सुपुत्री श्री श्रीकान्त सोढ़ानी को CFA All Three Level Clear करने पर।

उदिता सोमानी सुपुत्री श्री फनिन्द्र नाथ सोमानी को ACCA परीक्षा 2024 में इंटरनेशनल लेवल अकाउंटेंट की परीक्षा पास करने पर।

आशीनी फलोड़ सुपुत्री श्री हेमन्त कुमार फलोड़ को वि.वि. से BA. LLB में प्रथम स्थान प्राप्त किया और गोल्ड मेडल से सम्मानित होने पर।

केशव खटोड़ सुपुत्र श्री नवल किशोर खटोड़ को इंटीग्रेटेड बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन मास्टर में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर ।

हर्षिल माहेश्वरी सुपुत्र श्रीमती अरुणा चाण्डक को राज. इंजिनीयरिंग कॉलेज, अजमेर से फर्स्ट डिवीजन से इंजिनीयरिंग डिग्री हांसिल करने पर।

प्रगति काबरा सुपुत्री श्री राकेश काबरा को RTU, कोटा से कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरंग में गोल्ड मेडल एवं प्रथम स्थान प्राप्त करने पर

कृति ए माहेश्वरी सुपुत्री डॉ. आलोक कुमार माहेश्वरी को मास्टर्स इन अरबन एण्ड रूरल प्लानिंग, IIT रूड़की नेशनल बेस्ट थीसिस अवार्ड प्राप्त करने पर।

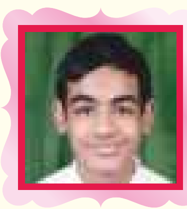

आदित्य माहेश्वरी सुपुत्र श्री पवन माहेश्वरी को नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर से लॉ की डिग्री प्राप्त करने पर।

पलक माहेश्वरी सुपुत्री श्री हिमांशु गगरानी को MBBS MD जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज व अस्पताल से पूरी करने पर।

हर्षिता माहेश्वरी सुपुत्री श्री प्रवीण लढ्ढा को AIMC LBS, Banglore में एमबीए फाइनेंस में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर।

मेघा मालीवाल सुपुत्री श्री मनीष मालीवाल को IIT Kanpur से ग्रेजुएशन कर USA University Honours से मास्टर ऑफ साइन्स इन बिजनेस एनालेस्टिक्स करने पर।

मेहुल मालानी सुपुत्र श्री राकेश कुमार मालानी को अगस्त 2024 में न्यूजीलैंड से पाइलेट की ट्रेनिंग पूर्ण कर पाइलेट का लाइसेंस प्राप्त करने पर।

मोहित मालीवाल सुपुत्र श्री मनीष मालीवाल को Cleared IAPT NSE-2024 And Selected too Indoe-2025 (Chemistry).

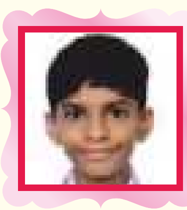

हार्दिक पचीसिया सुपुत्र श्री नितिन पचीसिया को इंटरनेशनल गोजु-र्‍यू कराटे चेम्पियनशिप-2024 में 2 गोल्ड मेडल प्राप्त करने पर।

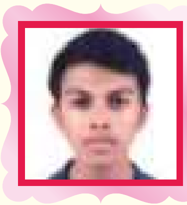

जय वर्धन जाजू सुपुत्र श्री विक्रम माहेश्वरी को AIKF राष्ट्रीय स्तर टूर्नामेंट में एक रजत एवं एक कांस्य पदक प्राप्त करने एवं RKDA राज्य चैम्पियनशिप में 3 स्वर्ण पदक प्राप्त करने पर।

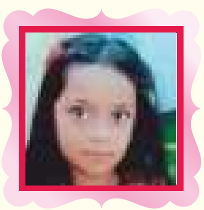

सानवी माहेश्वरी (कासट) सुपुत्री श्री अभिषेक माहेश्वरी को 7 साल की आयु में हुलाहूप (रिंग) को बालो के जूडे पर 1 मिनट में 139 बार चारों और घुमाने का रिकार्ड गोल्डन बुक ऑफ दर्ज करवाने एवं 6 वर्ष की आयु में गोल्डन बुक ऑफ रिर्काड लन्दन में अन्तर्राष्ट्रीय, इण्डिया एवं एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में भी अपना नाम दर्ज करने पर।

लव्या माहेश्वरी सुपुत्री श्री अभिषेक माहेश्वरी को 3 वर्ष की आयु में एक साथ दो हुलाहूप (रिंग) को कमर के चारों ओर 30 सैकेण्ड में 82 बार घुमाते हुए एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवाने एवं इंटरनेशनल इण्डिया एवं गोल्डन बुक ऑफ रिकॉर्ड में भी अपना नाम दर्ज करवाने पर।

भविया लाहोटी सुपुत्री श्री गौरव लाहोटी को इंटर स्कूल फोल्क डांस प्रतियोगिता में तीसरा स्थान तथा राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर बसकर्स की तरफ से विजेता होने पर।

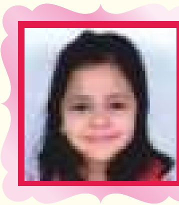

हर्षिता लाहोटी सुपुत्री श्री वैभव लाहोटी को ऑल राजस्थान कराटे चैम्पियनशिप-2024 में सिल्वर मेडल प्राप्त करने पर।

सिद्धिका माहेश्वरी सुपुत्री श्री आशीष मंत्री को CBSE Games-2024 में ताइक्वांडो प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल प्राप्त करने पर।

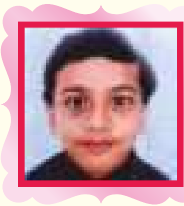

गुणव सोढ़ाणी सुपुत्र श्रीमती अंकिता कुमारी माहेश्वरी को अण्डर-10 वर्ष केटेगिरी में ठोडा स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप-2024 में राजस्थान का प्रतिनिधत्व करते हुए फुलसो खेल में सिल्वर मैडल प्राप्त करने पर।

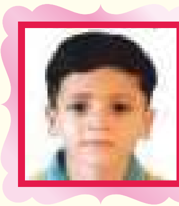

गर्वित करनानी सुपुत्र श्री शैलेश करनानी को UCMAS कॉम्पिटीशन में चेम्पियन ऑफ राजस्थान एवं रनर अप इन वर्ल्ड चैम्पियरशीप एवं सैकेण्ड रनर अप इन इण्डिया प्राप्त करने पर।

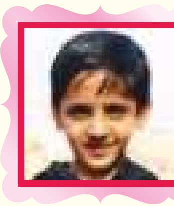

मिहिर साबू सुपुत्र श्री संदीप साबू को ब्रेनवीटा अबेकस राजस्थान में 30 सैकेण्ड में 3/4 की कैल्कुलेशन स्पीड से 2 डिजिट मल्टिप्लीकेशन सोल्व कर नेशनल एवं स्टेट लेवल पर रिकॉर्ड बनाने पर।

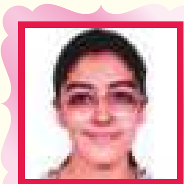

रेनिशा माहेश्वरी सुपुत्री श्री सुरेश कुमार धूत को 67वीं राज्य स्तरीय विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता में शतरंज अण्डर-19 में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर।

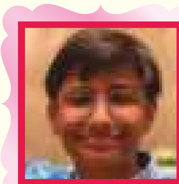

अथर्व माहेश्वरी सुपुत्र श्री कपिल माहेश्वरी को पिकल बाज की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में रजत पदक एवं नेशनल लेवल प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त करने पर।

जानविका बियानी सुपुत्री श्री विक्रम बियानी को CBSE सीनियर सैकेण्डरी परीक्षा में 99.8 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर।

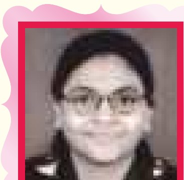

रिद्धी माहेश्वरी सुपुत्री श्री संदीप माहेश्वरी को CBSE सीनियर सैकेण्डरी परीक्षा में 98.5 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर।

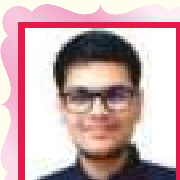

अश्मित डोड़िया सुपुत्र श्री हेमन्त माहेश्वरी को CBSE सीनियर सैकेण्डरी परीक्षा में 97.60 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर।

नेहा माहेश्वरी सुपुत्री श्री चन्द्र प्रकाश माहेश्वरी को CBSE सीनियर सैकेण्डरी परीक्षा में 97.2 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर।

तुषार दरक सुपुत्री श्री घनश्याम दरक को CBSE सैकेण्डरी परीक्षा में 97.0 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर।

सुजल माहेश्वरी सुपुत्र श्री राजू माहेश्वरी को CBSE सीनियर सैकेण्डरी परीक्षा में 97.0 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर।

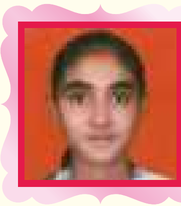

धारा डागा सुपुत्री श्री संजय कुमार डागा को RBSE सीनियर सैकेण्डरी परीक्षा में 97.0 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर।

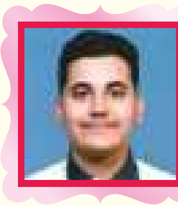

चन्दन भराडिया सुपुत्र श्री मुकेश कुमार भराडिया को CBSE सैकेण्डरी परीक्षा में 98.6 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर।

अंशिका माहेश्वरी सुपुत्री श्री राकेश कुमार माहेश्वरी को CBSE सैकेण्डरी परीक्षा में 98.2 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर।

श्रीया मंत्री सुपुत्री श्री वैभव मंत्री को CBSE सैकेण्डरी परीक्षा में 98.0 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर।

शौर्य गांधी सुपुत्र श्री कमल कुमार गांधी को CBSE सैकेण्डरी परीक्षा में 97.6 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर।

सनेमी माहेश्वरी सुपुत्री श्री महेश माहेश्वरी को CBSE सैकेण्डरी परीक्षा में 97.4 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर।

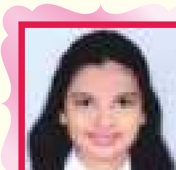

सोनाक्षिका शारदा सुपुत्री श्री उमाशंकर शारदा को CBSE सैकेण्डरी परीक्षा में 97.2 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर।

श्रीया बियानी सुपुत्री श्री श्रीधर बियानी को CBSE सैकेण्डरी परीक्षा में 97.0 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर।

महेश सेवा कोष में स्थापित कोषों से मेधावी छात्र/छात्राओं का सम्मान

क्र.सं.	छात्र/छात्रा का नाम	पिता का नाम	कक्षा	विद्यालय का नाम	प्रतिशत	प्रोत्साहन राशि
		श्री केदारनाथ एवं श्रीमती सरोज माहेश्वरी (चाण्डक) सेवा कोष				
1	चैतन्या माहेश्वरी	श्री कमल माहेश्वरी	12वीं विज्ञान वर्ग	एमपीएस, जवाहर नगर	97.40	1100
2	जानविका बियानी	श्री विक्रम बियानी	10वीं	एमपीएस इन्ट., तिलक नगर	99.40	1100
		श्री गिर्राजदास एवं शकुन्तला देवी मालपानी सेवा कोष				
1	नेहा माहेश्वरी	श्री चन्द्र प्रकाश माहेश्वरी	12वीं वाणिज्य वर्ग	एमपीएस, प्रताप नगर	97.20	1100
2	चंदन भराडिया	श्री मुकेश कुमार भराडिया	10वीं	एमपीएस इन्ट., तिलक नगर	97.60	1100
		श्रीमती शोभा जैसलमेरिया स्कॉलरशिप कोष				
1	रिद्धि माहेश्वरी	श्री संदीप माहेश्वरी	12वीं वाणिज्य वर्ग	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	96.80	1100
2	अनन्या माहेश्वरी	श्री वेद प्रकाश माहेश्वरी	12वीं वाणिज्य वर्ग	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	96.00	1100
3	आरती माहेश्वरी	श्री अरविन्द कुमार माहेश्वरी	12वीं कला वर्ग	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	95.80	1100
4	दर्शित रांधड	श्री सुरेन्द्र कुमार माहेश्वरी	12वीं वाणिज्य वर्ग	एमपीएस इन्ट., तिलक नगर	95.60	1100
		स्व. श्री गुलाबचन्द जी एवं कस्तूरी देवी मांधना (सांभर वाले) सेवा कोष				
1	धनिष्ठा सारड़ा	श्री अमित कुमार सारडा	12वीं कला वर्ग	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	95.60	1100
2	कुशल माहेश्वरी	श्री चतुर्भुज माहेश्वरी	12वीं वाणिज्य वर्ग	एमपीएस, जवाहर नगर	95.40	1100
3	परी मोदानी	श्री ऋषि कुमार मोदानी	12वीं वाणिज्य वर्ग	एमपीएस, कालवाड़ रोड़	95.40	1100
4	ध्रुवी माहेश्वरी	श्री ब्रज मोहन माहेश्वरी	10वीं	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	97.40	1100
5	सनेमी माहेश्वरी	श्री महेश माहेश्वरी	10वीं	एमपीएस इन्ट., तिलक नगर	97.40	1100
		मनफूल देवी विमला देवी गोरधन दास लढ्ढा सेवा कोष				
1	अश्मित माहेश्वरी	श्री हेमन्त माहेश्वरी	12वीं वाणिज्य वर्ग	एमपीएस इन्ट., तिलक नगर	95.00	1100
2	नव्या राठी	श्री रतन राठी	12वीं वाणिज्य वर्ग	एमपीएस इन्ट., तिलक नगर	95.00	1100
3	सोनाक्षिका शारदा	श्री उमा शंकर शारदा	10वीं	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	97.20	1100
		स्व. श्री गेन्दीलाल, रूपनारायण एवं नर्बदा देवी मालपानी स्मृति कोष				
1	हार्दिक माहेश्वरी	श्री विवेक माहेश्वरी	10वीं	एमपीएस इन्ट., तिलक नगर	97.20	1100
2	श्रिया बियानी	श्री श्रीधर बियानी	10वीं	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	97.00	1100
		श्री सत्यनारायण व विमला देवी तोतला मानव सेवा कोष				
1	भूमि मालपानी	श्री सुलभ मालपनी	12वीं मानव शास्त्र	एमपीएस इन्ट., तिलक नगर	95.00	1100
2	अविशी माहेश्वरी	श्री विकास गुप्ता	10वीं	एमपीएस इन्ट., तिलक नगर	97.00	1100
		स्व. श्रीमती ललितादेवी धर्मपत्नि स्व. श्री हरिकृष्ण कोठारी सेवा कोष				
1	धैर्य शारदा	श्री देवेन्द्र शारदा	12वीं वाणिज्य वर्ग	एमपीएस इन्ट., तिलक नगर	94.80	1100
2	ध्रुवी माहेश्वरी	श्री मुकेश घाटीवाला	12वीं वाणिज्य वर्ग	एमबीवी, चौड़ा रास्ता	94.60	1100
3	गोपिका खटोड़	श्री महेश खटोड़	10वीं	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	96.60	1100
4	कुशाग्र बाहेती	श्री विष्णु बाहेती	10वीं	एमपीएस, प्रताप नगर	96.40	1100
		श्रीमती रामजानकी देवी सीताराम पटवारी सेवा कोष				
1	कोविद बिड़ला	श्री मुरारी बिड़ला	12वीं वाणिज्य वर्ग	एमपीएस, जवाहर नगर	94.60	1100
2	हीमिका माहेश्वरी	श्री जितेश माहेश्वरी	12वीं विज्ञान वर्ग	एमपीएस इन्ट., तिलक नगर	94.40	1100
		श्री रामगोपाल कमला देवी जाखोटिया स्मृति कोष				
1	सुजल माहेश्वरी	श्री राजू भट्टड़	12वीं वाणिज्य वर्ग	एमपीएस इन्ट., तिलक नगर	94.40	1100
2	अनन्या मंत्री	श्री राजेश मंत्री	10वीं	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	96.20	1100
		श्रीमती मोहनीदेवी एवं जगन्नाथ भाला स्मृति स्कॉलरशिप कोष				
1	अनिका माहेश्वरी	श्री अशोक चांडक	12वीं विज्ञान वर्ग	एमपीएस, कालवाड़ रोड़	94.40	1100
2	प्रियांशी माहेश्वरी	श्री गोपाल माहेश्वरी	12वीं वाणिज्य वर्ग	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	94.40	1100
3	ईशा पोरवाल	श्री अमित कुमार पोरवाल	12वीं विज्ञान वर्ग	एमपीएस, जवाहर नगर	94.20	1100
4	अक्षरा परवाल	श्री संजय परवाल	12वीं वाणिज्य वर्ग	एमपीएस, अजमेर रोड़	94.00	1100
5	शुभम तोषनीवाल	श्री विकाश तोषनीवाल	12वीं वाणिज्य वर्ग	एमपीएस, जवाहर नगर	94.00	1100
		श्री जगन्नाथ भाला एवं मोहिनी देवी भाला स्कॉलरशिप स्मृति कोष				
1	तुषार दरक	श्री घनश्याम दरक	10वीं	एमपीएस इन्ट., तिलक नगर	96.20	1100
2	खुशी माहेश्वरी	श्री राहुल माहेश्वरी	10वीं	एमपीएस, प्रताप नगर	96.20	1100
3	पुरवाई माहेश्वरी	श्री धर्मेन्द्र माहेश्वरी	10वीं	एमपीएस, प्रताप नगर	96.20	1100
4	पलक मालपानी	श्री पंकज कुमार मालपानी	10वीं	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	95.80	1100
5	भक्ति सामरिया	श्री गौरव सामरिया	10वीं	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	95.80	1100

क्र.सं.	छात्र/छात्रा का नाम	पिता का नाम	कक्षा	विद्यालय का नाम	प्रतिशत	प्रोत्साहन राशि
श्रीमती शारदा साबू धर्मपत्नी श्री प्रकाश चन्द्र साबू सेवा कोष						
1	साक्षी माहेश्वरी	श्री मुकेश माहेश्वरी	12वीं वाणिज्य वर्ग	एमबीवी, चौड़ा रास्ता	93.80	1100
2	विधि माहेश्वरी	श्री आर.आर. माहेश्वरी	12वीं वाणिज्य वर्ग	एमपीएस, प्रताप नगर	93.80	1100
3	तृषा माहेश्वरी	श्री मनीष माहेश्वरी	10वीं	एमपीएस, प्रताप नगर	95.60	1100
4	वरुण झंवर	श्री अमिताभ झंवर	10वीं	एमपीएस इन्ट., तिलक नगर	95.40	1100
5	हृदयित मोदानी	श्री मनीष मोदानी	10वीं	एमपीएस, प्रताप नगर	95.20	1100
श्रीमती कमला देवी रामरतन कचौलिया स्कॉलरशिप स्मृति कोष						
1	राधिका राठी	श्री अमित राठी	12वीं विज्ञान वर्ग	एमपीएस इन्ट., तिलक नगर	93.60	1100
2	केशव माहेश्वरी	श्री सतीश कुमार धूत	12वीं विज्ञान वर्ग	एमपीएस, कालवाड़ रोड़	93.40	1100
3	हर्ष माहेश्वरी	श्री सीताराम बाहेती	12वीं विज्ञान वर्ग	एमपीएस, प्रताप नगर	93.20	1100
4	वेदांग माहेश्वरी	श्री गिरिराज माहेश्वरी	10वीं	एमपीएस इन्ट., तिलक नगर	95.00	1100
5	रेवा बाहेती	श्री रितेश कुमार बाहेती	10वीं	एमपीएस, प्रताप नगर	95.00	1100
श्रीमती सोहनी देवी लोहिया धर्मपत्नी श्री प्रहलाद राय लोहिया 'बगरू वाले' सेवा कोष						
1	सार्थक तोतला	मनोज कुमार तोतला	10वीं	एमपीएस, जवाहर नगर	94.60	1100
2	नव्या माहेश्वरी	विनोद झंवर	10वीं	एमपीएस, प्रताप नगर	94.60	1100
डॉ. मदनलाल झंवर एण्ड निर्मला झंवर छात्रवृत्ति कोष						
1	दीपिका माहेश्वरी	श्री हनुमान प्रसाद माहेश्वरी	12वीं विज्ञान वर्ग	एमपीएस, प्रताप नगर	93.00	1100
2	प्रियल परवाल	श्री विजय कुमार परवाल	12वीं वाणिज्य वर्ग	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	93.00	1100
भौंरी देवी मोहन लाल साबू सेवा कोष						
1	नमन बिड़ला	श्री तरूण बिड़ला	12वीं वाणिज्य वर्ग	एमपीएस, जवाहर नगर	92.80	1100
2	नमन सोमानी	श्री अशोक कुमार सोमानी	12वीं वाणिज्य वर्ग	एमपीएस, जवाहर नगर	92.20	1100
3	पीयूष मल्ल	श्री अशोक कुमार मल्ल	12वीं वाणिज्य वर्ग	एमपीएस, जवाहर नगर	92.20	1100
श्री बंशीधर ज्ञानदेवी माहेश्वरी कृष्ण कुमार, संजय तोतला सेवा कोष (2017)						
1	गर्वित साबू	श्री प्रवीण साबू	12वीं वाणिज्य वर्ग	एमपीएस, कालवाड़ रोड़	92.20	1100
2	हर्षिता धूत	श्री राजकुमार धूत	10वीं	एमपीएस, प्रताप नगर	94.40	1100
3	प्रज्ञा मोदानी	श्री ऋषि कुमार मोदानी	10वीं	एमपीएस, कालवाड़ रोड़	94.20	1100
जानकी देवी शिवबल्लभ मान्धना सेवा कोष, 'सांभरलेक'						
1	सानिध्य लढ्ढ़ा	श्री गोपी कृष्ण लढ्ढ़ा	10वीं	एमपीएस, प्रताप नगर	94.20	1100
स्व. श्री रामगोपाल, श्रीमती ज्ञानदेवी, राजकुमार व राकेश गट्टानी शिक्षा कोष						
1	पूजा बाहेती	श्री इन्द्र कुमार बाहेती	12वीं वाणिज्य वर्ग	एमपीएस, प्रताप नगर	92.20	1100
2	वृंदा साबू	श्री राकेश साबू	12वीं विज्ञान वर्ग	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	92.00	1100
3	निकिता कलानी	श्री जुगल किशोर कालानी	12वीं वाणिज्य वर्ग	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	91.80	1100
4	गुणमय मालपानी	श्री शरद मालपानी	10वीं	एमपीएस, जवाहर नगर	94.20	1100
5	स्वप्निल कालिया	श्री सुनील कुमार कालिया	10वीं	एमपीएस, जवाहर नगर	94.20	1100
6	आद्विक माहेश्वरी	श्री अरविन्द माहेश्वरी	10वीं	एमपीएस, जवाहर नगर	94.20	1100
स्व. श्रीमती गुलाब बाई व स्व. हरिनारायण जी तामड़ी स्मृति सेवा कोष						
1	आशी माहेश्वरी	श्री गगन रे मूंदड़ा	10वीं	एमपीएस इन्ट., तिलक नगर	94.00	1100
2	यश माहेश्वरी	श्री अनिल माहेश्वरी	10वीं	एमपीएस इन्ट., तिलक नगर	94.00	1100
श्रीमती सूरज देवी धर्मपत्नी श्री गोविन्द दास जाजू के पुत्र श्री फूलकिशन जाजू व पुत्रवधू श्रीमती रामप्यारी देवी जाजू स्मृति कोष (1992)						
1	आदित्य मंत्री	श्री सुशील मंत्री	12वीं वाणिज्य वर्ग	एमपीएस, प्रताप नगर	91.60	1100
2	साक्षी माहेश्वरी	श्री सौरभ माहेश्वरी	12वीं वाणिज्य वर्ग	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	91.40	1100
3	पलक माहेश्वरी	श्री सुनील कुमार माहेश्वरी	12वीं वाणिज्य वर्ग	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	91.40	1100
4	राशि माहेश्वरी	श्री कमल माहेश्वरी	12वीं वाणिज्य वर्ग	एमपीएस इन्ट., तिलक नगर	91.20	1100
5	अनीश मारू	श्री अशोक मारू	12वीं वाणिज्य वर्ग	एमपीएस, जवाहर नगर	91.20	1100
6	भव्य राठी	श्री अमित कुमार राठी	12वीं विज्ञान वर्ग	एमपीएस, जवाहर नगर	91.00	1100
7	आशु मूंदड़ा	श्री मनोज मूंदड़ा	12वीं वाणिज्य वर्ग	एमएचएस, तिलक नगर	88.40	1100
8	क्षितिज परवाल	श्री अजय परवाल	10वीं	एमपीएस, जवाहर नगर	94.00	1100
9	कनिष्का माहेश्वरी	श्री नवीन माहेश्वरी	10वीं	एमबीवी, चौड़ा रास्ता	93.50	1100
10	विनायक माहेश्वरी	श्री गोपेश कुमार भंडारी	10वीं	एमएचएस, तिलक नगर	90.83	1100

वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह : अतिथि परिचय

मुख्य अतिथि

श्री महेन्द्र काबरा (आर.आर. केबल्स)

प्रमुख व्यवसायी एवं समाजसेवी

आपका जन्म 13 मई 1957 को श्री रामेश्वरलाल काबरा एवं श्रीमती रतनी देवी काबरा के घर (नेपाल) में हुआ। काबरा जी ने इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त कि उसके पश्चात् अपने व्यवसाय में कदम बढाया। आपका विवाह दिनांक 21-05-1981 को श्रीमती हेमा के साथ सम्पन्न हुआ। आपके दाम्पत्य से दो पुत्र रत्नों की प्राप्ति हुई।

आपने तकनीकी विशेषज्ञता और परोपकार के अद्‌भुत समन्वय से परिपूर्ण, श्री महेंद्र काबरा ने व्यवसाय और समाज सेवा दोनों में अमिट छाप छोड़ी है ।

व्यवसायिक उत्कृष्टता– आरआर ग्लोबल (राम रत्ना समूह) के माध्यम से उन्होंने एनामल्ड कॉपर वायर्स, वायर एवं केवल्स, बीएलडीसी मोटर्स जैसे आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने वाले उत्पाद विकसित किए। उनकी दूरदर्शिता के परिणामस्वरूप आज समूह 10.5 करोड़ रुपये के वार्षिक टर्नओवर के साथ 90 + देशों में स्थापित है।

समाज सेवा– हेमा फाउंडेशन के तहत उन्होने नैतिक शिक्षा पर आधारित 50 लघु फिल्मों और एक समग्र पाठ्यक्रम का निर्माण किया, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप तैयार है। यह प्रयास 27 राज्यों के 3.72 लाख से अधिक छात्रों और 9,500+ शिक्षकों तक पहुँच चुका है।

पुरस्कार एवं सम्मान– आपको को वर्ष 2024 में नवभारत टाइम्स के प्रतिष्ठित "Gem of Society" सम्मान से अलंकृत किया गया। यह पुरस्कार उनके समाज के प्रति अद्वितीय योगदान और नैतिक मूल्यों के प्रसार के लिए प्रदान किया गया है।

आपका जीवन प्रेरणा का स्रोत है, जो शिक्षा, उद्योग, और समाज सेवा के माध्यम से एक बेहतर दुनिया बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है।

विशेष अतिथि

श्री मुरलीधर जी राठी

समाज संरक्षक, श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर

समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रसर होकर तन-मन एवं धन से सेवा करने वाले श्री मुरलीधर जी राठी ने जो मुकाम हासिल किया है वह हम सभी को प्रेरणा प्रदान करता है। उनके सहज, सरल स्वभाव का ही परिणाम है कि समाज का हर वर्ग उनके द्वारा किये गये अथक परिश्रम की कला को अपने जीवन में उतारना चाहता है। राठी जी का सामाजिक क्षेत्र में सफर की शुरुआत सन् 1990 में हुई थी।

सामाजिक सफर में नि:स्वार्थ भाव से सेवा करना ही आपका प्रथम लक्ष्य है। **सत्र 1999-2002** के कार्यकाल में आपके संयोजन में सफल परिचय सम्मेलन का आयोजन हुआ।

सत्र 2002-05 के कार्यकाल में आपने संगठन मंत्री के पद पर रहते हुए समाज की टेलीफोन निर्देशिका का प्रकाशन करवाया।

सत्र 2005-08 में आपने समाज कार्यकारिणी में वित्त मंत्री के पद पर आसीन रहकर धन संग्रह में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सत्र 2015-18 में आपकी क्षमता एवं कार्यशैली को देखते हुए आपको 'अभिनन्दन' की अर्थ समिति के चैयरमेन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी प्रदान की गई। श्री मुरलीधर जी राठी ने इन सभी कार्ययोजनाओं के लिये धन संग्रह कर न केवल समाज कल्याण का कार्य किया है वरन् आगत पीढ़ी को संदेश भी दिया है।

नर सेवा, नारायण सेवा :

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर सेवा प्रकल्प

भामाशाह श्री अंकित जी शारदा के सहयोग से जरूरतमंद बन्धुओं को गुरुवार, दिनांक 23 जनवरी, 2025 को जे.के.लॉन हॉस्पिटल के बाहर लगाए गए सेवा केंद्र पर लगभग 500 जरूरतमंद भाइयों और बहनों को भोजन प्रसादी एवं मिठाई का वितरण किया गया।

इस अवसर पर श्री संयोजक श्री शंकर लाल लढ्ढा, श्री अंकित शारदा, श्रीमती दीपिका शारदा, श्री संदीप शारदा, अदिति, आराध्या, श्री योगी, श्री मनोज सहित समाज के गणमान्य व प्रबुद्ध जन एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भामाशाह श्री दिलीप जी मनिहार के सहयोग से जरूरतमंद बन्धुओं को गुरुवार, दिनांक 30 जनवरी, 2025 को जे.के.लॉन हॉस्पिटल के बाहर लगाए गए सेवा केंद्र पर लगभग 500 जरूरतमंद भाइयों और बहनों को भोजन प्रसादी एवं मिठाई का वितरण किया गया।

इस अवसर पर संयोजक श्री शंकर लाल लढ्ढा, श्री रामसहाय मांधना एवं मनिहार के परिवार सदस्यों स्टाफ सहित समाज के गणमान्य व प्रबुद्ध जन एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भामाशाह श्री रितेश परवाल के सहयोग से जरूरतमंद बन्धुओं को गुरुवार, दिनांक 6 फरवरी, 2025 को जे.के.लॉन हॉस्पिटल के बाहर लगाए गए सेवा केंद्र पर लगभग 500 जरूरतमंद भाइयों और बहनों को भोजन प्रसादी एवं मिठाई का वितरण किया गया।

इस अवसर पर सर्वश्री रितेश परवाल, मधु परवाल, श्याम परवाल, संगीता परवाल, रुचि परवाल, आरर्व परवाल, लक्ष्य परवाल, यश परवाल, हर्ष परवाल, रजत साबू, वैशु साबू एवं परवाल परिवार सहित समाज के गणमान्य व प्रबुद्ध जन एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भामाशाह श्री रमेश चन्द जी मनिहार के सहयोग से जरूरतमंद बन्धुओं को गुरुवार, दिनांक 13 फरवरी, 2025 को जे.के.लॉन हॉस्पिटल के बाहर लगाए गए सेवा केंद्र पर लगभग 500 जरूरतमंद भाइयों और बहनों को भोजन प्रसादी एवं मिठाई का वितरण किया गया।

मेडिकल इक्विपमेंट की मुफ्त सुविधा उपलब्ध

महेश सेवा संघ समिति मेडिकल इक्विपमेंट की सुविधा भी उपलब्ध कराने जा रही है। किसी भी बंधु को अगर जरूरत होने पर मेडिकल बेड, व्हीलचेयर, एयर बेड, वॉटर बेड, जरूरत होने निम्न जगह पर उपलब्ध रहेगा।

संपर्क सूत्र (चिकित्सा मंत्री)

दीपक जाजू 9414834235

हेमंत मंत्री 9829057345

विद्युत चालित एवं पारदर्शी "जागृति अन्तिम दर्शनिका"

अन्तिम संस्कार में देरी की संभावना हो तो, मृत शरीर को ज्यों का त्यों बिना बर्फ आदि के कई दिनों तक 'जागृति अन्तिम दर्शनिका' में अन्तिम दर्शन हेतु यथा स्थिति में आपके घर पर ही रखा जा सकता है। मृत शरीर के डीकम्पोज होने व इससे होने वाले संक्रमण से परिवार व मित्र बच पाते हैं। यह सुविधा 24 घण्टे पूर्ण रूप से निःशुल्क उपलब्ध है।

सम्पर्क सूत्र :- जयकृष्ण जाजू-98290 53031, सुदर्शन फोमरा-93140 36672, आनन्द दम्मानी-93145 00979

गणगौर सेवा केन्द्र

★ मेडिकल पलंग ★ व्हील चेयर ★ ऑक्सीजन कॉन्संट्रेटर ★ यूरिन पॉट ★ टॉयलेट पॉट ★ टॉयलेट चेयर ★ वाकर ★ स्टिक ★ बैसाखी ★ बैक रेस्ट ★ वॉटर बेड ★ एयर बेड

मानव सेवार्थ निःशुल्क (सामान्य अमानती राशि पूर्णतः वापसी योग्य) उपलब्ध

ELLE
Mukesh Baheti
+91 98290 48022
UP TO DISCOUNT FOR MAHESHWARI'S ONLY
30%
Baheti Optician
A-13, Mall Road, Sector-1,
Vidhyadhar Nagar, Jaipur-13
9929076022
WHOLESALE DEALERS IN ALL KIND OF
OPTICAL FRAMES & GLASSES & GOGGLE

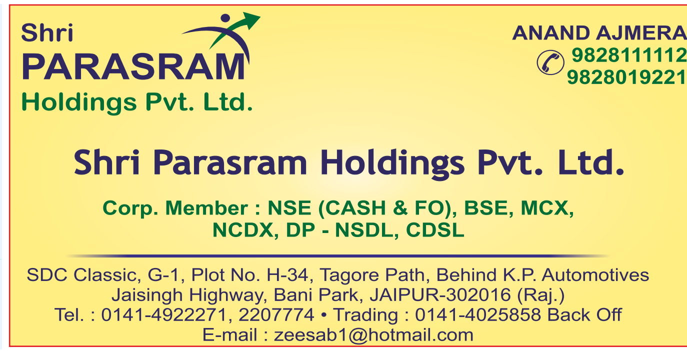
Shri
PARASRAM
Holdings Pvt. Ltd.
ANAND AJMERA
9828111112
9828019221
Shri Parasram Holdings Pvt. Ltd.
Corp. Member : NSE (CASH & FO), BSE, MCX,
NCDX, DP - NSDL, CDSL
SDC Classic, G-1, Plot No. H-34, Tagore Path, Behind K.P. Automotives
Jaisingh Highway, Bani Park, JAIPUR-302016 (Raj.)
Tel. : 0141-4922271, 2207774 • Trading : 0141-4025858 Back Off
E-mail : zeesab1@hotmail.com

MITSUBISHI
ELECTRIC
Changes for the Better
for a greener tomorrow
Raj Engineers
Vikas Kumar Maheshwari
Preferred Sales & Service Dealer For
Mistsubishi Electric India Pvt. Ltd.
Contact for Sale, Service, Repair, Installation of AC
502-A, Vth Floor, Gordhan Sky Mall, Khatipura Road, Jhotwara, Jaipur-12
Mobile : 9828269798, 8079071116 • email : rajengjaipur@gmail.com

जय श्री कृष्णा प्रोपर्टीज एण्ड बिल्डर्स
बिल्डिंग मेटेरियल सामान सहित भवन निर्माण हेतु

Deepak Bhandari
+91-9829051091
+91-9460951091
Satkaar
Event & Decorators
Satkaar
Caterers
Rahul Jajoo
+91-9828112085
Your Trust & Safety is Our Responsibility
Wedding Planner & Event Management (Sangeet, Birthday Parties, Get Togethers)
Outdoor Food Catering, Online Sweets & Food Service's
Off. Add. :- 1156, Nirwan Marg, Jhotwara Road, Jaipur
Workshop Add. :- 34, Bansi Vihar, Gurjar Ki Thadi, Jaipur
Place Your Order
(Before One Day):
Paytm
9024643576 or
Cash on Delivery
Web. : www.satkaarevents.com

EXIDE
Authorised Distributor
HARI OM BATTERY
HIND MOTORS
(SINCE 1965)
DEALS IN
HEMANT MACHHAR
99287-89449
HARI KISHAN MACHHAR
94140-73249
OPP. AGARWAL COLLEGE, AGRA ROAD, JAIPUR 302004
EXIDE DEALERS
EXIDE BATTERY - TWO WHEELER, FOUR WHEELER & HEAVY VEHICLES
EXIDE INVERTORS & INVERTOR BATTERY • UPS BATTERY & SMF BATTERY

पर्ण Sudha
A guilt free dessert for your sweet tooth

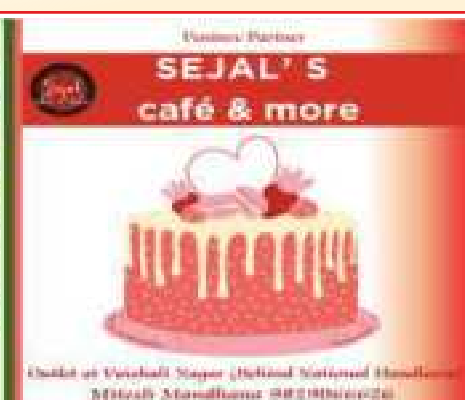
SEJAL'S
café & more

साक्षात्कार

साक्षात्कार चल रहा था। नौकरी बड़ी अच्छी और अच्छे वेतन वाली थी साक्षात्कार में कई युवक आये हुए थे। सभी युवक अच्छे पढ़े लिखे एवं सुसंस्कृत थे। चपरासी ने आकर पहले युवक को आवाज लगाई। युवक अपनी फाइल ले कर चेम्बर में घुसा और बोला 'मे आई कमिंग सर?' साक्षात्कार लेने वाले ने कहा 'यस कम इन' थैंक यू कहकर युवक अंदर चला गया और सामने वाली कुर्सी पर बैठ गया। साक्षात्कार लेने वाले ने उसकी फाइल देखी, वैरी गुड कहकर वापस दे दीं और पूछा– 'एक बात बताइये आप कहीं जा रहे हैं, आपकी कार टू सीटर है। आगे चलने पर एक बस स्टैंड पर आपने देखा कि तीन व्यक्ति बस के इंतजार में खड़े हैं। उनमें से एक वृद्धा जो कि करीब 90 वर्ष की है तथा बहुत बीमार है अगर उसे अस्पताल नहीं पहुँचाया गया, तो इलाज न मिल सकने के कारण मर भी सकती है। दूसरा आपका एक बहुत ही पक्का मित्र है जिसने आपकी एक समय बहुत मदद कि थी जिसके कारण आप आज का दिन देख रहे हैं। उसकी कार खराब हो गई है, मैकेनिक उसे ठीक करने गैराज में ले गया है। तीसरा इंसान एक बहुत ही खूबसूरत युवती है जिसे आप बेहद प्रेम करते हैं जो आपकी ड्रीम गर्ल है। अब आप उन तीनों में से किसे लिफ्ट देंगे? आपकी कार में केवल एक ही व्यक्ति आ सकता है। युवक ने एक पल सोचा फिर जवाब दिया 'सर में अपनी ड्रीम गर्ल को लिफ्ट दूंगा' साक्षात्कार लेने वाले ने पूछा क्या ये नाइंसाफी नहीं है? युवक बोला नो सर वृद्धा तो आज नहीं तो कल मर जायेगी। दोस्त को मैं फिर भी मिल सकता हूँ, पर अगर मेरी ड्रीम गर्ल एक बार चली गई तो फिर मैं उससे दुबारा कभी नहीं मिल सकूंगा।

साक्षात्कार लेने वाले ने मुस्कुरा कर कहा, 'वेरी गुड। मैं तुम्हारी साफ-साफ बात सुन कर बहुत ही प्रभावित हुआ। अब आप जा सकते हैं।' थैंक यू कहकर युवक बाहर निकल गया। साक्षात्कार लेने वाले ने दूसरे प्रत्याशी को बुलाने के लिए चपरासी को कहा। साक्षात्कार लेने वाले ने सभी प्रत्याशिओं से उपरोक्त प्रश्न को पूछा। अलग-अलग प्रत्याशियों ने अलग-अलग उत्तर दिए। किसी ने वृद्धा को लिफ्ट देने, किसी ने दोस्त को लिफ्ट देने की बात कही। जब एक प्रत्याशी से ये ही प्रश्न पूछा तो उसने उत्तर दिया 'सर मैं अपनी कार की चाबी अपने दोस्त को दूंगा और उससे कहूंगा कि वह मेरी कार में वृद्धा को लेकर उसे अस्पताल छोड़ता हुआ अपने घर चला जाये। मैं उससे अपनी कार बाद में ले लूंगा और स्वयं अपनी ड्रीम गर्ल के साथ बस में बैठ कर चला जाऊँगा। साक्षात्कार करने वाले ने उठकर उससे हाथ मिलाया और कहा, 'यू आर सलेक्टेड'। थैंक यू सर कह कर युवक मुस्कुराता हुआ बाहर आ गया। साक्षात्कार समाप्त हो चुका था।

■ श्यामसुंदर सामरिया

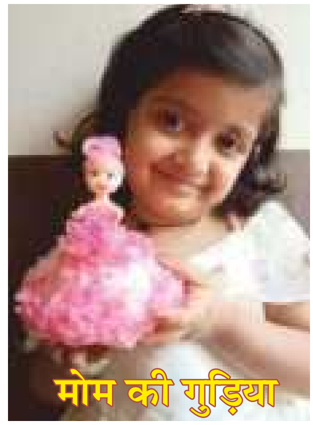

मोम की गुड़िया

मैं कोई मोम की गुड़िया नहीं
जो किसी के जलाने से
पिघल जाऊँ
उदासी घिरे तो
पत्थर सी बन कर रह जाऊँ
अंगारों पर छोड़ दो तो
जल कर भस्म हो जाऊँ
किसी कवि के कलम का
गीत बन कर रह जाऊँ
कोमल सी समझ कर
उँगलियों द्वारा मसल जाऊँ
किसी न्यूज चैनल पर
कहानी-किस्सों की तरह
चर्चित हो जाऊँ...

हाँ! मैं पिघलती हूँ,
मैं प्रेम करती हूँ
समर्पण मेरा स्वभाव है
मैं ममता की मूरत
शालीनता ही मेरी पहचान है

पर उनके लिए ही
जो करते मेरा सम्मान हैं
रखते मेरा स्वाभिमान हैं
पापियों के लिए नहीं
गुनहगारों के लिए नहीं
जो करे यह भूल समझने की
कि मैं हूँ मोम की गुड़िया
नहीं रही अब वह मेरी दुनियाँ
गर खिलवाड़ हो मेरे अस्तित्व से
मैं शक्ति स्वरूपा बनकर
कभी काली कभी दुर्गा रूप धरकर
तोड़ दूंगी अभिमान है।

■ मधु भूतड़ा 'अक्षरा'

छोटी मगर काम की बातें

'छोटी मगर काम की बातें' भूल नहीं जाना।
पद साँसारिक पाकर मनवा! फूल नहीं जाना।।

बिन कारण अहसान किसी पर किया नहीं करते।
दगा किसी को कहीं, कभी भी दिया नहीं करते।।

केवल सुख के संगी उनको यार नहीं रखना।
मूक जीव पर हद से ज्यादा भार नहीं रखना।।

सनद रहे नित तार दिलों का टूट नहीं जाए।
बने बनाए नसीब अपने फूट नहीं जाए।।

जाहिलों के सामने सिर को झुका नहीं सकते।
मातृभूमि का क़र्ज कभी हम चुका नहीं सकते।।

दो दिलों का मिल जाना और खता नहीं होना।
उनसे मिलना मुश्किल जिनका पता नहीं होना।।

अन्तस नहीं दे साथ उसको नीक नहीं कहना।
सत्पथ तजकर मज़बूरी को लीक नहीं कहना।।

'सदाचार' समझे बिना कभी भ्रान्ति नहीं रुकती।
दिलदारों को लक्ष्य मिले बिन क्रान्ति नहीं रुकती।।

आवत-जावत किसी मार्ग में कीच नहीं जँचता।
काँव-काँव कौआ हँसों के बीच नहीं जँचता।।

होनी के क़दमों को कोई पकड़ नहीं पाता।
दुख के साये में फँसा जीव अकड़ नहीं पाता।।

ज़रूरतमन्दों को छोड़कर दान नहीं अच्छा।
मक्कारों का किसी मंच पर मान नहीं अच्छा।।

ठोकर खाए बिना सहज में ज्ञान नहीं आता।
उधेड़-बुन में डूबे नर को ध्यान नहीं आता।।

बिना संयोग के अपनों का संग नहीं मिलता।
बड़े-सयानों बिन जीने का ढंग नहीं मिलता।।

खुद पर बीते बिना किसी को पीड़ नहीं दिखती।
कभी भलाई की राहों में भीड़ नहीं दिखती।।

ऊँचाई के बिना शिखर का नाम नहीं होता।
वन यात्रा के बिना राम भी राम नहीं होता।।

■ द्वारका प्रसाद तापड़िया

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर
का
नवीन प्रकल्प

Anandam
जनोपयोगी भवन

बी-173-174,
जगदम्बा नगर,
वैशाली नगर, जयपुर

भवन का लोकार्पण अतिशीघ्र प्रस्तावित

विशेष सूचना

सदस्यता : 'आनन्दम्' श्री माहेश्वरी समाज, जनोपयोगी भवन, जगदम्बा नगर, वैशाली नगर के निर्माण का कार्य अन्तिम चरण में है। समाजबंधुओं के लिए इसकी सदस्यता खोली जा रही है। दानदाता सदस्यों की श्रेणी एवं विवरण निम्नानुसार है:

क्रस	सदस्यता श्रेणी	सहयोग राशि
(i)	आजीवन सदस्य	11 लाख रुपए या उससे अधिक की राशि
(ii)	अतिविशिष्ट सदस्य	5 लाख रु. या उससे अधिक एवं 11 लाख रु. से कम
(iii)	विशिष्ट सदस्य	3 लाख रु. या उससे अधिक व 5 लाख रु. से कम
(iv)	प्रमुख सदस्य	1 लाख रु. या उससे अधिक व 3 लाख रु. से कम
(v)	साधारण सदस्य	11,000 रु. या उससे अधिक व 1 लाख रु. से कम

उपरोक्त श्रेणियों में सदस्यता प्राप्त करने हेतु इच्छुक समाजबन्धु आवेदन पत्र समाज कार्यालय से प्राप्त कर सदस्यता राशि **श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर** के नाम से चैक या सीधे बैंक खाता संख्या **211100000000501**, IFSC Code : AUBL0002449 में जमा करवाकर संबंधित सदस्यता प्राप्त कर सकते हैं।

केदार मल भाला
अध्यक्ष

मनोज मूंदड़ा
महामंत्री

संजय माहेश्वरी उपाध्यक्ष (समाज)
पवन बजाज उपाध्यक्ष (अर्थ)
सुशील जाजू कोषाध्यक्ष (समाज)
रविन्द्र झंवर अर्थमंत्री
श्याम लाल मालपानी भवन मंत्री (समाज)

भवन निर्माण समिति

विष्णु लढ्ढा (वैशाली नगर) चेयरमैन (निर्माण)
राधेश्याम काबरा चेयरमैन (वित्त)
हरीश मालू सचिव (निर्माण)
हरीश भराड़िया सचिव (वित्त)
विकास मोहता (चित्रकूट) समन्वयक (भवन)

दरगड़ परिवार द्वारा 11 लाख रुपये का सहयोग

श्री माहेश्वरी सेवा सदन, चांदपोल बाजार जयपुर में प्रस्तावित सुसज्जित नवीन भोजनशाला निर्माण में स्व. श्री ओम प्रकाश जी दरगड़ की स्मृति में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुमन लता दरगड़, पुत्र श्री अरुण दरगड़ एवं श्री निर्मल दरगड़ द्वारा 11 लाख रुपए सहयोग राशि देने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान की है। श्री चम्पालाल गोपीकृष्ण साबू ट्रस्ट मंडल, सदन के मंत्री श्री मालचंद बाहेती उनके अतुल्य सहयोग के लिए आभार व्यक्त करता है।

सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण के नि:शुल्क कैम्प

पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा एवं पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के संयुक्त तत्वावधान में जयपुर में 9 से 26 वर्ष आयु की बालिकाओं/युवतियों के टीकाकरण के संबंध में दिनांक 10 फरवरी, 2025 को MHS, तिलक नगर, जयपुर के राम भवन में एक चिंतन बैठक सम्पन्न हुई।

प्रादेशिक अध्यक्ष श्री जुगल किशोर सोमाणी ने बताया कि 9 से 16 वर्ष की बालिकाओं को 2 टीके लगेंगे तथा 10 से 25 साल की युवतियों के 3 टीके लगेंगे। बाजार मूल्य चार हजार रुपये का टीका अ.भा. माहेश्वरी महासभा के निवेदन पर निर्माता कंपनी यह टीका मात्र एक हजार तीन सौ रुपयों में देगी। इस राशि पर श्री बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी द्वारा आधी राशि अनुदान के रूप मे दी जाएगी। शेष राशि हेतु समाज के विभिन्न भामाशाहों से सहयोग लिया जाएगा।

मीटिंग में पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के पूर्व अध्यक्ष श्री राधेश्याम परवाल ने 50, जयपुर जिलासभाध्यक्ष श्री सुरेन्द्र बजाज एवं मोदानी फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री सत्यनारायण मोदानी ने भी 25-25 वैक्सीन हेतु आर्थिक सहयोग देने की घोषणा की। कार्यक्रम की प्रदेश संयोजक श्रीमती उमा परवाल ने सभी बहनों से पूर्ण सहयोग देने का आह्वान किया। साथ ही निम्न बहनों को क्षेत्रीय संयोजक बनाने की घोषणा की :-

जोन 1	जोन 2	जोन 3	जोन 4	जोन 5	जोन 6
मम्मू साबू	राजोल तापड़िया	सोनू जखोटिया	संजना फलोड	प्रिंसी मंडोवरा	सुलभा सारडा
9314491000	9351742045	8209663045	9214695090	9928737024	9252142946

जयपुर जिला संयोजक : उमा सोमानी मो. 9829005138

समिति के सदस्य– सर्वश्रीमती सविता पटवारी, विजयश्री तापड़िया, रजनी माहेश्वरी, प्रेमलता मांधना, ममता जखोटिया, मीना बिन्नानी, शशि विजय लखोटिया एवं श्री सत्यनारायण मोदानी।

कार्यक्रम का संचालन जोन एक की श्रीमती मम्मू साबू ने किया।

उमा परवाल (प्रदेश कार्यक्रम संयोजक)

उपाध्यक्ष (शिक्षा), समाज महामंत्री, कोषाध्यक्ष (शिक्षण संस्थाएं) सहित समाज के गणमान्यजनों द्वारा जनोपयोगी भवन आनन्दम् के निर्माण कार्य का अवलोकन

वृद्धाश्रम में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन

26 जनवरी को वृद्धाश्रम परिवार द्वारा समाज कोषाध्यक्ष श्री सुशील जाजू व श्री कौशल सोनी महामंत्री जयपुर शहर (कांग्रेस) की उपस्थिति में गणतन्त्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ध्वजा रोहण के विशिष्ट अतिथि श्री किशोर कुमार पुरोहित Chief Engineer (Retd.) JVNL व मुख्य अतिथि प्रमुख समाज सेवी श्री राधे श्याम जी मर्धा रहे।

हमें आप पर गर्व है! हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

महिमा राठी सुपुत्री श्रीमती गीता- रामस्वरूप राठी को चार्टर्ड अकाउंटेंट (CA) बनने पर।

तनिष्क राठी सुपुत्र श्रीमती रूबी-रोहित राठी को जिला कराटे चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने एवं राज्य कराटे चैंपियनशिप के लिए चयनित होने पर।

फैशिखा सुपुत्री डॉ. रेखा राठी को राजस्थान ओपन स्टेट कराटे चैंपियनशिप-2025 में काता और फाइट की दोनों श्रेणियों में गोल्ड मेडल जीतने पर।

मां मनोहर मोहता परिवार की ओर से रक्तदान एवं चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

288 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ
700 से 800 लोगों ने लिया चिकित्सा सुविधा का लाभ

मां मनोहर मोहता परिवार की ओर से पंचम स्वैच्छिक रक्तदान और नि:शुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन 26 जनवरी, 2025 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर गणेश मंदिर, खिरणी फाटक पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक श्री धीरज मोहता ने बताया कि शिविर में जयपुर के प्रसिद्ध इटरनल हॉस्पिटल एवं शंकरा आई हॉस्पिटल के चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं, जिसमें बीपी, शुगर, बीएमआई, ईसीजी एवं आंखों के मोतियाबिंद की जांच की गई। इस मौके पर 700-800 लोगों को विभिन्न चिकित्सा सेवाओं का लाभ मिला। शिविर में 288 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। समिति सदस्य नरेश जैन मेड़ता ने बताया कि शिविर में जयपुर माहेश्वरी समाज अध्यक्ष श्री केदारमल भाला, पार्षद श्री पवन शर्मा, श्री मनोज मूंदड़ा, बजरंग बाहेती, उमेश सोनी, शांतिलाल जागेटिया, अरुण बाहेती, सुरेश कालानी, बृजेश मोदानी, सत्यनारायण करवा, अनिल अजमेरा, घनश्याम सारडा, प्रदीप लढ्ढा, मनोज लढ्ढा, श्याम जाजू, पंकज कालानी, अंजना जी, विकास काला-जापान, श्याम महोत्सव समिति से ओमप्रकाश मोदी, सीताराम कांडा सहित गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

इस अवसर पर रक्तदान करने वाले रक्त वीरों को सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। शिविर में इटरनल हॉस्पिटल ब्लड बैंक, जेके लोन हॉस्पिटल ब्लड बैंक, भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल ब्लड बैंक, मरुधर हॉस्पिटल ब्लड बैंक की टीमों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। शिविर में प्रीति, प्रियंका-नीरज, रेशु-पंकज, प्रवेश शर्मा, जयप्रकाश साबू, सुनील काबरा, मोहित शर्मा, चंद्रप्रकाश पंवार, शैलेश माथुर, हर्षिता, विजय खरॉ, यश, उदित, अदित, खुश, वासु एवं मोहता परिवार के सदस्यगण एवं मित्रगण उपस्थित थे।

कृष्णधाम वृद्धाश्रम

दानदाताओं द्वारा सहयोग राशि : **लागत (₹)**

1. **समाज संरक्षक – Er. ज्योति कुमार जी माहेश्वरी**, लगातार तीसरे वर्ष भी (नियमित मासिक सहयोग) बाबत दूध — 25,000
2. **सारडा जी (जयपुर)** गुप्तदान – (नियमित मासिक सहयोग) तेल- 2 टीन, घी- 1 टिन – लागत — 14,000
3. **मै. गणगौर बेसन (आशीष जी मंत्री)** विविध राशन, (नियमित मासिक सहयोग) — 5,500
4. **वैभव जी सोमानी, अनुज जी मूंदडा, अभिषेक जी भूतड़ा एवं श्री लक्ष्मण जी पेडिवाल** – (नियमित मासिक सहयोग) चाय पत्ती+दालें वगैरह — 3,500
5. **श्रीमती नम्रता मंगल** (बनीपार्क), (नियमित मासिक) विविध राशन — 3,000
6. M/S NAV (India) Company– राशन सामग्री + डीप फ्रीजर द्वारा – (टीम) अशोक जी खटोड़, यश माहेश्वरी, ध्रुवल पटेल, वर्षा अग्रवाल एवं हर्षिल बडगोती — 58,000
7. श्री मोहनदास जी फलोड़ (टोंक रोड) द्वारा स्व. श्रीमती दुर्गावती फलोड़ एवं स्व. श्री बंशीधर फलोड़ की पावन स्मृति में (प्रेरक : श्री रामस्वरूप अजमेरा) नगद राशी का योगदान – — 51,000
8. श्री पवन सोमानी V. Ngr.—Delux Wheel Chair — 10,000
9. श्री सुशील कुमार माहेश्वरी — 5,100
10. श्री गोपाल प्रसाद जी गुप्ता — 5,000
11. श्री विजय मारू + श्री राघव कोठारी + गुप्त दान श्री भरत शर्मा– फल+तिल के लडडू + बिस्कुट — 3,100
12. श्री पंकज-कंचन जी शर्मा – Woolen sleeper 14 — 3,100
13. श्री शेषचन्द काबरा+ श्री राजकुमार जाखोटिया (U.P.) गजक — 3,100
14. श्रीमती महिन्द्रा देवी सोमानी के जन्म दिवस पर पुत्र डॉ. नरेश जी, नरेंद्र जी व बेटी नवीता जी द्वारा भजन संध्या व नास्ता सामग्री — 3,100
15. श्रीमती रोनक व इन्दर जी जैन – नास्ता सामग्री — 2,500
16. श्री गौरव माथुर + श्री प्रेम कुमार वर्मा — 2,100
17. श्री हनुमान प्रसाद चितलांगिया — 2,100
18. श्री मुकेश कुमार तुलसानिया — 2,100
19. श्रीमती अल्का जी अजमेरा Hot water bag-10 — 2,100
20. श्रीमती रुक्मणी देवी अग्रवाल – मसाले — 1,600
21. श्रीमती निक्की– श्री अंकित बंसल-शॉल- 13 — 1,500
22. श्री सुरेश कुमार लढ्ढा – स्वेटर-10 — 1,500
23. श्री योगेश शर्मा- चावल +दाल — 1,500

भोजन प्रसादी एवं नास्ता (आश्रमवासियों संग) :-

श्री प्रेम कुमार वर्मा, श्रीमती शंकुतला धूत, श्री गौरव माथुर, श्री गोविन्द गगरानी, श्री अशोक कुमार गुप्ता, श्री राजकुमार कचोलिया, श्री ओमप्रकाश मंत्री (किशनगढ़), वानी-अजय जी जैन, श्री नारायणदास परतानी।

■ **Er. श्रीबल्लभ मारू**

(वरिष्ठजन आवास व कल्याण मंत्री) मो. 99833-11352

स्व. श्रीमती दुर्गावती फलोड़ एवं स्व. बंशीधर जी फलोड़ की स्मृति में आश्रम को राशि 51,000/- रु. का योगदान

नवदाम्पत्य वर–वधू को आशीर्वाद व मंगलमय दाम्पत्य जीवन की शुभकामनाएँ

दिनांक	वर	वर के पिता/माता	वधू	वधू के पिता/माता
16.01.2025	प्रखर	श्री प्रहलाद राय सोनी	याशिका	श्री संजय कुमार दम्माणी
16.01.2025	हेमन्त	श्री शिव कुमार सारड़ा	अंजली	श्री कृष्ण कन्हैया अजमेरा
16.01.2025	यशवर्धन	श्री अरुण लखोटिया	अनुभा	श्री भगवान सहाय जाजू
16.01.2025	मुकुंद	श्री प्रवीण तोतला	मेघा	श्री नन्दकिशोर जाजू
16.01.2025	मुकुंद	श्रीमती संतोष माहेश्वरी	स्वाति	श्री राजगोपाल सारड़ा
16.01.2025	आशीष	श्री धनीराम चांडक	रिया	श्री गोविन्द दरगड़
17.01.2025	शुभम	श्री दीपक बियानी	मुस्कान	श्री कैलाश मून्दड़ा
18.01.2025	अंकित	श्री अरुण कुमार मालू	तनीषा	श्रीमती रामदेवी देवल
18.01.2025	विनीत	श्री दौलत राम सोमानी	हितांशी	श्री अनिल माहेश्वरी
18.01.2025	नवनीत	श्री अजय कुमार लखानी	निकिता	श्री गिरधर बियानी
21.01.2025	हिमांशु (हैप्पी)	श्री बनवारी लाल बल्दुआ	शैफाली (शेफू)	श्री सुरेन्द्र कुमार जाखोटिया
22.01.2025	अथर्व	श्री ब्रह्मप्रकाश मूंदड़ा	श्रेया	श्री गोपाल सारड़ा
22.01.2025	अर्पित	श्री सुशील कुमार मूंदड़ा	प्राची	श्री पवन कुमार जी
24.01.2025	लक्ष्य	श्री विवेक राठी	प्रांजल	श्री नरेन्द्र कुमार झंवर
24.01.2025	सौरभ	श्री रामरतन तोतला	प्रतिभा	श्री मोहन सोढ़ानी
25.01.2025	सौम्य	श्री राजेश काबरा	भाविका	श्री अचल जी
26.01.2025	अभिषेक	श्रीमती नीलम जी	मानसी	श्री अजय कुमार परवाल
30.01.2025	यश	श्री राजेश जैथलिया	अनीशा	श्री दीपक सोनी
02.02.2025	निखिल	श्री राजन माहेश्वरी	नेहा	श्री दीपक तोतला
02.02.2025	गौरव	श्री राधेश्याम झंवर	ट्विंकल	श्री महेन्द्र भाला
02.02.2025	स्नेहल	श्री मुकेश कुमार जागेटिया	शैफाली	श्री शिवरतन माहेश्वरी
02.02.2025	कुशाल (रघु)	श्री राजेश कालानी	श्रुति (करुणा)	श्री रतन लाल जी
02.02.2025	अनमोल	श्री रतन लखोटिया	शैली	श्री चन्द्र प्रकाश साबू
02.02.2025	राहुल	श्री श्याम सुन्दर जाजू	पर्णिका	श्री संदीप माहेश्वरी
02.02.2025	अभिषेक	श्रीमती कुसुमलता बियानी	दीप्ति	श्री महेश चन्द जी
04.02.2025	मेहुल	श्री ओम माहेश्वरी	किरण	श्री राजेन्द्रनाथ जी
04.02.2025	प्रांजल	श्री मुकेश कुमार जी	हर्षा	श्री जगदीश प्रसाद सोमानी
05.02.2025	आयुष	श्री राकेश माहेश्वरी	वंशिका	श्रीमती प्रीति माहेश्वरी
07.02.2025	पार्थ	श्री संजय झंवर	हर्षिता	श्री राजेश नुवाल
07.02.2025	प्रखर	श्रीमती नूतन	सौम्या	श्री भुवनश्री काबरा
07.02.2025	अरविन्द	श्री कैलाश चन्द मालू	गरिमा (श्रेया)	श्रीमती संगीता बाहेती
13.02.2025	रौनक	श्री चैनसुख जाजू	रुचिका	श्री भगवान जी
13.02.2025	राघव	श्री गजेन्द्र प्रसाद मांधनिया	महिमा	श्री महेश कुमार मूंदड़ा
13.02.2025	अभिषेक	श्री संजय बियानी	साक्षी	सीए. श्री अमित गट्टानी
13.02.2025	मोहित	श्री सुशील कुमार करनानी	यामिनी	श्री सूर्यप्रकाश सोनी
14.02.2025	मुदित	श्री संजय काबरा	हर्षिता	श्री अशोक जी
14.02.2025	आयुष	श्री सुनील खटोड़	चेतना (राधिका)	श्री अमित कुमार आगीवाल
15.02.2025	भावेश	श्री दीपक कुमार मालपानी	सिद्धि	श्री सीताराम झंवर
15.02.2025	आदित्य	श्री सुनील तोतला	मुस्कान	श्री दीपक जी
15.02.2025	अपुल	श्रीमती विजयलक्ष्मी काबरा	आकांक्षा	श्री संजय कुमार जी
15.02.2025	सर्वेश	श्री रंगेश काबरा	सानिया	श्री राजीव जी

वैवाहिक वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएँ

25.01.2025	श्रीमती अनुराधा एवं श्री मनीष कुमार साबू	– रजत जयन्ती
02.02.2025	श्रीमती माधुरी एवं श्री आशीष काबरा	– रजत जयन्ती
08.02.2025	श्रीमती सावित्री देवी एवं श्री रमेश चन्द तोषनीवाल	– स्वर्ण जयन्ती
09.02.2025	श्रीमती रेखा एवं श्री दीपक बांगड़	– रजत जयन्ती
09.02.2025	श्रीमती वंदना एवं श्री विकास सोमानी (एडवोकेट)	– रजत जयन्ती
11.02.2025	श्रीमती ज्योति एवं श्री पवन कचौलिया	– रजत जयन्ती

समाज बन्धुओं द्वारा अपने पुत्र-पुत्री के परिणयोत्सव एवं वैवाहिक वर्षगांठ के शुभ अवसर पर समाज को आर्थिक सहयोग प्रदान करने पर आभार

सहयोगकर्त्ता	राशि
श्री गोपाल सारड़ा	15,000
श्री दीपक बियानी	11,000
श्री कैलाश मून्दड़ा	11,000
श्री रतन लखोटिया	11,000
श्री दीपक सोनी	5,100
श्री बनवारी लाल बलदुआ	5,100
श्री अरुण लखोटिया	5,100
श्री दौलत राम सोमानी	5,100
श्री प्रवीण तोतला	5,100
श्री नन्दकिशोर जाजू	5,100
श्री राजन माहेश्वरी	5,100
श्री दीपक तोतला	5,100
श्री राजेश काबरा	5,100
श्री चन्द्र प्रकाश साबू	5,100
श्री श्याम सुन्दर जाजू	5,100
श्री आशीष काबरा	5,100
श्री भुवनश्री काबरा	5,100
श्री सुनील खटोड़	5,100
श्री गजेन्द्र प्रसाद मांधनिया	5,100
श्री दीपक कुमार मालपानी	5,100
श्री संदीप माहेश्वरी	4,100
श्री प्रहलाद राय सोनी	4,100
श्री सुरेन्द्र कुमार जाखोटिया	3,100
श्री भगवान सहाय जाजू	3,100
श्री अनिल माहेश्वरी	3,100
श्री महेश कुमार मून्दड़ा	3,100
श्री सीताराम झंवर	3,100
श्री संजय कुमार दम्मानी	2,100
श्री अजय कुमार लखानी	2,100
श्री रामरतन तोतला	2,100
श्री मोहन सोढ़ानी	2,100
श्री मनीष कुमार साबू	2,100
श्री मुकेश कुमार जागेटिया	2,100
श्री चैनसुख जाजू	2,100
श्रीमती कुसुमलता बियानी	2,100
श्री कैलाश चन्द मालू	2,100
श्रीमती संगीता बाहेती	2,100
श्री सुशील कुमार करनानी	2,100
श्री अमित कुमार आगीवाल	2,100
श्री अरुण कुमार मालू	1,100
श्रीमती रामदेवी देवल	1,100
श्री शिव कुमार सारड़ा	1,100
श्री कृष्ण कन्हैया अजमेरा	1,100
श्रीमती संतोष माहेश्वरी	1,100
श्री राजगोपाल सारड़ा	1,100
श्री धनीराम चांडक	1,100
श्री गिरधर बियानी	1,100
श्री सुशील कुमार मून्दड़ा	1,100
श्री विवेक राठी	1,100
श्री नरेन्द्र कुमार झंवर	1,000
श्री अजय कुमार परवाल	1,100
श्री राधेश्याम झंवर	1,100
श्री महेन्द्र भाला	1,100
श्री शिवरतन माहेश्वरी	1,100
श्री राजेश कालानी	1,100
श्री राकेश माहेश्वरी	1,100
श्री रमेश चन्द तोषनीवाल	1,100
श्री सूर्यप्रकाश सोनी	1,100
श्रीमती विजय लक्ष्मी काबरा	1,100
श्री राजेन्द्र प्रसाद तोतला	1,100

किड्स जोन

पत्रिका के इस अंक में बच्चों के लिए किड्स जोन के दो पृष्ठ दिये गये हैं, जिनमें आपके लिए विभिन्न रोचक गतिविधियाँ दी गई हैं। कृपया इनको पूर्ण कर अपनी प्रविष्टियाँ नाम, उम्र व मोबाइल नंबर सहित पत्रिका कार्यालय को प्रेषित करें। प्राप्त प्रथम 50 उत्कृष्ट प्रविष्टियों में से 5 प्रविष्टियों को ड्रॉ द्वारा पुरस्कृत किया जायेगा। – **संपादक**

रंग भरकर चित्र को सुंदर बनाइए

वर्ग पहेली-14

1	2		3		4		5	6
7					8	9		
10				11				
12								
13							14	15
		16			17			
18			19				20	
		21			22			
23			24				25	

संकेत : बाएँ से दाएं

1. होश, अपना अस्तित्व (2)
3. कौतूहल, उत्सुकता (3)
5. शीघ्र (2)
7. धार वाला (4)
8. शासन (2)
10. रेशा, नाड़ी (2)
11. मेल मुलाकात रखने वाला (5)
12. एक मिर्च, महामरीचिका (5)
13. घास का मैदान (अं) (2)
14. आनंद उद्‌गार (2)
17. बलवान, शक्ति संपन्न (5)
18. कसरत करने वाला स्थान या संस्थान (5)
20. यम, तरल से ठोस बनने की स्थिति (2)
21. चरखी, घेरा (2)
22. साथ देने वाला (4)
23. खैर (2)
24. पक्षाघात, फालिज (3)
25. कलिका (2)

संकेत : ऊपर से नीचे

1. नींव का पत्थर (5)
2. एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना (5)
3. ग्रास, कवल (2)
4. डरावना, लंबे दाँतों वाला (4)
6. ऊँट (3)
9. जन्म देने वाला (3)
11. चटपटा स्वाद बढ़ाने वाली सामग्री (5)
14. आशा पैदा करने वाला (5)
15. संगी-साथी, यार-दोस्त (5)
16. समक्ष (3)
18. विस्तृत (3)
19. सम्मिलित (3)
22. वात, वायु (2)

FIND 15 HIDDEN OBJECTS IN THE PICTURE

वर्ग पहेली 13 का हल

		[1]चि	त					
		ते						
	[2]क	रा	[3]मा	त		[4]भ	ला	
	लि			[5]न	ज	र		
[6]डा	का			य		स		
		[7]अ			[8]चौ	क	[9]स	
[10]आ	ल	म					ब	
ग		[11]ल	[12]ता	मं	गे	[13]श	क	[14]र
त			ल			र		खा
						[15]म	ति	

पिछले अंक में दी गई प्रविष्टियों में से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियाँ

1. कविर भंसाली सुपुत्र श्री रवि भंसाली (4 वर्ष)
2. निभीष सुपुत्र श्री अभिषेक माहेश्वरी (6 वर्ष)
3. ऋशान सुपुत्र श्री रवि भंसाली (7 वर्ष)

40 Years 1984 - 2024 IIHMR

IIHMR UNIVERSITY

JAIPUR

Pioneering in Future-Ready Education

Admission Open 2025

Healthcare has become one of the largest and fastest-growing sectors of the Indian economy in terms of both revenue and employment, creating immense potential for young individuals to explore new career paths.

Programmes Offered

Our programmes are dynamically responding to the evolving global landscape. Students are equipped with the most sought-after critical skills for decision-making including leadership, management, data-science, and tech skills.

MBA Programmes (*Two-year full-time programmes*)

MBA (Hospital and Health Management)
MBA (Pharmaceutical Management)
MBA (Healthcare Analytics)
MBA (Development Management)
Specializations are available in:
• CSR & ESG Management
• Sustainable Business Management

MPH Programmes (*Two-year full-time programmes*)

Master of Public Health

Offered by Johns Hopkins Bloomberg School of Public Health, USA in cooperation with IIHMR University. A visit to Johns Hopkins University, USA to complete selected credit courses is included in the programme.

Master of Public Health (Implementation Science)

Executive Programmes (*For working professionals/executives*)

Master of Public Health *(Executive)*
Master of Hospital Administration *(Executive)*
MBA (CSR & ESG Management) *(Executive)*

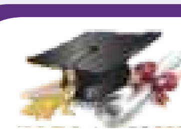

Scholarships worth Rs. 3.17 Cr.

Full Tuition Fee Scholarships:
For Socially Challenged (SC/ST/OBC-NC) and Economically Weaker Section (EWS) students

Merit Scholarships:
Based on **CAT/XAT/MAT/CMAT/NMAT/ATMA** Score or Graduation Percentage

HIGHEST PACKAGE ₹35.6 LPA

Recognitions

Business India
A+++ in Best B-School in India

Times School
#1 B-School in Rajasthan
#18 among the Top 100 B-Schools in India

#6 Among Indian Universities
#101-200 Band, All World Universities

GHRDC
#1 Private B-School in Rajasthan
#9 in Premier B-School in India

EDUCATION WORLD
#1 Private B-School in Rajasthan
#2 among India's Top Private Medical & Health Science Universities
#10 in India's Top 100 Private B-Schools

Collaborations and Partnerships

John Hopkins University, USA
University of Manchester, U.K.
University of Montreal, Canada
Curtin University, Malaysia
Management & Science University, Malaysia
Duquesne University, Pittsburgh, Pennsylvania, USA
Mendel University, Brno, Czechia
Universitas Islam Bandung, Indonesia

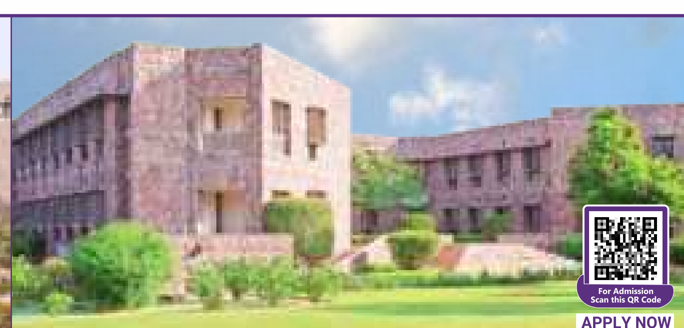

For Admission Scan this QR Code
APPLY NOW

To know more about admissions

+91-9145989952, +91-9358893199, +91-9358893198, +91-9358821088, +91-9001919777

admissions@iihmr.edu.in www.iihmr.edu.in 1, Prabhu Dayal Marg, Sanganer Airport, Jaipur-302029, Rajasthan, India

स्मृतिशेष स्वजनों को श्रद्धांजलि एवं श्रद्धासुमन

विगत दिनों समाज के कुछ बंधु/बहनों का परलोकगमन हो गया। समाज अध्यक्ष, महामंत्री एवं कार्यकारिणी सदस्यों की ओर से उनके शोक संतप्त परिजनों को गहरी संवेदनाएँ प्रेषित हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगात्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें।

श्रीमती ललिता देवी सारडा
15.01.2025

श्री अरविन्द स्नेही
15.01.2025

श्री लालचन्द कचौलिया
16.01.2025

श्रीमती शांति देवी गट्टानी
16.01.2025

श्री राजेश मांधना
17.01.2025

श्रीमती रामकिशोरी भूतड़ा
17.01.2025

श्री नन्दकिशोर सोमानी
19.01.2025

श्री अशोक कुमार साबू
23.01.2025

श्रीमती विमला देवी बाहेती
29.01.2025

श्री सच्चिदानन्द सोमानी
29.01.2025

श्री प्रभूलाल बेखटमल भूतड़ा
30.01.2025

श्री राकेश मालानी
30.01.2025

श्रीमती शांति देवी बिड़ला
01.02.2025

श्रीमती रूकमा देवी परवाल
07.02.2025

अनुपमा काबरा
09.02.2025

श्रीमती पदमा मून्दड़ा
10.02.2025

श्रीमती शारदा देवी सोढ़ानी
13.02.2025

श्री प्रहलादराय परवाल
14.02.2025

श्रीमती विमला देवी आगीवाल
15.02.2025

KAMAL DIAGNOSTIC & RESEARCH CENTRE KDRC JAIPUR

Estt since 2011

कमल डाइग्नोस्टिक एवं रिसर्च सेन्टर

0-5, हॉस्पिटल मार्ग, एस.एम.एस. हॉस्पिटल के सामने, सी-स्कीम, जयपुर-302001

(M): 93140 24888 Ph.: 0141- 2374777, 4039727 E-mail: kdrc2374777@gmail.com

सुविधाएँ

- M.R.I.
- C.T. SCAN
- सोनोग्राफी (3D/4D)

- कलर डॉपलर
- डिजिटल एक्सरे
- ईको
- ई.सी.जी.
- ई.ई.जी
- सी.टी.एम.टी.
- एन.सी.वी.
- बायोप्सी
- एफ.एन.ए.सी.
- ऑडियोमेट्री

एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध

सभी प्रकार के बायोकेमिकल, हेमटोलोजिकल लेबोरेटरी टेस्ट की सुविधाएँ।

निर्मल मूंदड़ा – 98290-50202

SHRI MAHESHWARI DIALYSIS DIAGNOSTIC & RESEARCH CENTER
(A Unit of Shri Maheshwari Samaj, Jaipur)
210-ए, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नगर, गौतम मार्ग, निर्माण नगर, जयपुर-19
फोन : 0141-2948760, 8306300304 • Email : smddrclab@gmail.com
ओपीडी
Consultant - Arthroplasty, Sports Injury, Trauma Surgery
Dr. Dilip Mehta
M.B.B.S., M.S. (Ortho, Guj), FUR, FISA (USA)
Arthroscopy & Sports Injury,
SHALBY HOSPITAL, Jaipur
TIMING 4:00 PM to 5:00 PM (THURSDAY)
General Medicine
Dr. Ravindra Mathur
M.D. (General Medicine)
Senior Consultant Physician & Diabetes, Thyroid Specialist
TIMING 12:00 PM to 1:00 PM
(SUNDAY CLOSE)
Dr. Gunwanti Malav
Gynaecologist
Dr. Vinita Gupta
Consultant - Orthopaedic Shoulder, Knee & Hip Surgeon
Dr. Prashant Bhutani
M.B.B.S., DNB Ortho
Shoulder, Knee, Hip, Surgeon,
Sports Injury, Joint Replacement
TIMING 4:00 PM to 5:00 PM (Monday to Friday)
Dental Care
Dr. Bharti Maheshwari
Quality Dental Care
PHYSIOTHERAPHY
START ₹250/-
स्वास्थ्य के क्षेत्र में श्री माहेश्वरी समाज के बढ़ते कदम
लैब का समय
प्रातः 7:30 बजे से सायं 7 बजे (सोमवार से शनिवार)
प्रातः 7:30 बजे से दोपहर 3 बजे (रविवार)
उचित दरों पर एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध
CT एवं 2D-ECHO की सुविधाएं भी रियायती दरों पर उपलब्ध
DIALYSIS
START
सोनोग्राफी
प्रातः 9 से दोपहर 1 बजे तक
Digital X-Ray
200/- से शुरू
PREVENTIVE HEALTH CHECKUP (खाली पेट)
Special Price ₹2500/-
CBC
LIPID PROFILE
FASTING BLOOD SUGAR
POST PARANDIAL BLOOD SUGAR
BLOOD UREA
CREATININE
URIC ACID
VITAMIN D3
VITAMIN B12
T3, T4, TSH
LIVER FUNCTION TEST
HBAIC
ESR
CALCIUM
URINE ROUTINE
PSA (MALE) / PRL (FEMALE)
सैंपल कलेक्शन की सुविधा भी उपलब्ध है, शुल्क अतिरिक्त
Blood Sugar 35/-
SGOT 40/-
Cholesterol 40/-
Creatinine 45/-
SGPT 50/-
Urine R/E 50/-
Calcium 60/-
Uric Acid 60/-
CBC 120/-
E.C.G. 100/-
Thyroid Profile 300/-
CRP 150/-
Liver Function 250/-
Hb A1C 250/-
Lipid Profile 300/-
RFT 450/-
CARDIO DIABETES PACKAGE (खाली पेट)
Special Price ₹700/-
CBC · FASTING BLOOD SUGAR
POST PARANDIAL BLOOD SUGAR
CREATININE · SGOT · URINE ROUTINE
HbA1C · LIPID PROFILE · SGPT
WHOLE BODY CHECKUP (खाली पेट)
Special Price ₹1299/-
CBC · ESR · BLOOD SUGAR FASTING
BLOOD SUGAR 2 HRS. PP · LFT
RFT · LIPID PROFILE · IRON · TIBC
URINE ROUTINE · ECG · X-RAY CHEST
MRI 3.0 Tesla से
Special Price ₹3500/-
आधुनिक मशीनों एवं उपकरणों द्वारा जांचें
ब्लड कलेक्शन सेन्टर
महेश सत्संग भवन, नियर जे.पी. अंडरपास, महेश कॉलोनी जयपुर,
फोन:0141-3517910, 8306300165
87, सरस्वती नगर, जनपथ, श्याम नगर, जयपुर-19,
फोन: 0141-4924112
कलेक्शन सेन्टर्स का समय
प्रातः 8 बजे से सायं 4 बजे तक
संचालन समिति (2022-2025)
केदार मल भाला
अध्यक्ष, श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर
मनोज मूंदड़ा
महामंत्री, श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर
डॉ. अरुण परतानी
स्वास्थ्य मंत्री
अशोक खटोड़ (VDN)
सदस्य, प्रबन्ध समिति
9829013729
गिरिराज लढ्ढा
सदस्य, प्रबन्ध समिति
9828062736

स्वास्थ्य के क्षेत्र में श्री माहेश्वरी समाज के बढ़ते कदम

श्री माहेश्वरी डायग्नोस्टिक सेन्टर

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा संचालित)

पी-10ए, सेक्टर 2, उत्सव भवन के पास, विद्याधर नगर, जयपुर-39

फोन : 0141-2230511, 7976420180, 7976453416

Website : www.shrimaheshwaridiagnostic.com

समय : प्रातः 7.30 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)

प्रातः 7.30 बजे से सायं 3.30 बजे तक (रविवार)

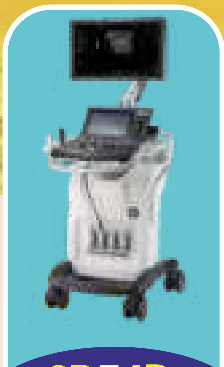

आधुनिक मशीनों एवं उपकरणों द्वारा जाँचें

CT एवं Digital X-Ray

3D व 4D कलर सोनोग्राफी सुविधा

सोनोग्राफी के लिए रजिस्ट्रेशन सुबह 7:30 बजे से प्रारंभ हो जाता है।

डॉ. विजेता सुल्तानिया
MBBS, DMRD
कन्सलटेन्ट रेडियोलोजिस्ट
2D-ECHO
Timing : 9.30 AM to 1:30 PM

डॉ. आर.सी. गुप्ता
Sr. Doctor & Gen. Physician
Ex. Sr. MO,
Govt. H.B. Kanwatia Hospital
Physician in various famous hospitals
Timing : 9.30 AM to 1.30 PM

डॉ. दीपक अग्रवाल
MBBS, MD, DNB
हृदय रोग विशेषज्ञ
2D-ECHO
Timing : 8.00 AM on Call

डॉ. विकल्प वशिष्ठ
MBBS (Ortho), DNB, MNAMS, MS (Ortho)
FJRS, JAF (Joint Replacement) & Arthroscopic Surgen
भारत के सुविख्यात जोड़ प्रत्यारोपण एवं अस्थि रोग विशेषज्ञ
Timing : 10.30 AM - On Call

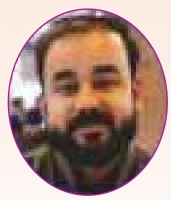

डॉ. मनीष जैन
MBBS, MD (Skin & VD)
चर्म एवं सौन्दर्य रोग विशेषज्ञ
Timing : 11:30 AM to 12:30 PM
(सोमवार एवं गुरुवार)

डॉ. ख्याति माहेश्वरी
Phisiotherapist
COMP, CDNP, CIASTM, CDCT, CKTT
Timing : 9 AM to 2 PM

डॉ. नेहा अग्रवाल तापड़िया
B.D.S. (Gold Medalist)
M.D.S. (Pedodontics & Preventive Dentistry)
Ex. Medical Officer at Govt. Hospital
Timing : 10 AM to 1 PM

जाँचें बहुत ही किफायती दरों पर की जाती हैं। नोट : सैम्पल कलैक्शन की सुविधा भी उपलब्ध है (शुल्क अतिरिक्त)

PREVENTIVE HEALTH CHECKUP (खाली पेट)

Special Price ₹2500/-

- CBC
- LIPID PROFILE
- FASTING BLOOD SUGAR
- POST PARANDIAL BLOOD SUGAR
- BLOOD UREA
- CREATININE
- URIC ACID
- VITAMIN D3
- VITAMIN B12
- T3, T4, TSH
- HBAIC
- LIVER FUNCTION TEST
- ESR
- CALCIUM
- URINE ROUTINE
- PSA (MALE) / PRL (FEMALE)

घर से सैम्पल के लिए सम्पर्क करें 7976420180

Blood Sugar 35/-	SGOT 40/-
Cholesterol 40/-	Creatinine 45/-
SGPT 50/-	Urine R/E 50/-
Calcium 60/-	Uric Acid 60/-
CBC 120/-	E.C.G. 100/-
Thyroid Profile 300/-	CRP 150/-
Liver Function 250/-	Hb A1C 250/-
Lipid Profile 300/-	RFT 450/-

CARDIO DIABETES PACKAGE (खाली पेट)

Special Price ₹700/-

- CBC • FASTING BLOOD SUGAR
- POST PARANDIAL BLOOD SUGAR
- CREATININE • SGOT • URINE ROUTINE
- HbA1C • LIPID PROFILE • SGPT

WHOLE BODY CHECKUP (खाली पेट)

Special Price ₹1299/-

- CBC • ESR • BLOOD SUGAR FASTING
- BLOOD SUGAR 2 HRS. PP • LFT
- RFT • LIPID PROFILE • IRON • TIBC
- URINE ROUTINE • ECG • X-RAY CHEST

MRI 3.0 Tesla से

Special Price ₹3500/-

स्वत्त्वाधिकारी श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के लिए प्रकाशक- मुद्रक मनोज मूंदड़ा, महामंत्री द्वारा रेनबो प्रिन्टर्स, जयपुर से मुद्रित एवं श्री माहेश्वरी भवन, सिंघी जी का रास्ता, चौड़ा रास्ता, जयपुर-302003 से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक- आशीष सोमानी, सम्पादक- संजय बियानी